हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

RNI NoUPHIN/26/A4139

पूर्वांचल की विरासत

परख सच की....

वर्ष : 1 प्रवेशांक : 01 (कुशीनगर से प्रकाशित) कुशीनगर, सोमवार 06 जुलाई 2026 पृष्ठ : 8 मूल्य: 1.00 रुपया

सार सुर्खियां

काशी विश्वनाथ मंदिर के बाहर सुरक्षा ड्यूटी के दौरान कार्बाइन से चली गोली, तीन घायल

वाराणसी। वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर के बाहर द्वार संख्या चार के पास शनिवार को ड्यूटी पर तैनात पीएसी के एक जवान की कार्बाइन से दुर्घटनावश गोली चलने से तीन लोग मामूली रूप से घायल हो गए। पुलिस ने कहा कि गोली चलने से गोदौलिया से लेकर विश्वनाथ मंदिर के गेट नंबर चार तक अफरातफरी की स्थिति बन गई। पुलिस उपायुक्त गौरव बांसवाल ने बताया कि काशी विश्वनाथ मंदिर के द्वार संख्या चार पर तैनात श्प्रांतीय सशस्त्र कांस्टेबुलरी के जवान के हाथ से कार्बाइन छूट गई जिसके कारण उससे दो चक्र गोली चल गयी।

बिहार के बीजेपी विधायक राजू सिंह को हर्ष फायरिंग मामले में हुई 4 साल की जेल

नयी दिल्ली। बिहार के बीजेपी विधायक राजू सिंह की मुश्किलें एक बार फिर से बढ़ गई हैं। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने साल 2018 के हर्ष फायरिंग मामले में बिहार के साहेबगंज से बीजेपी विधायक राजू कुमार को दोषी पाते हुए 4 साल की सजा सुनाई है। सजा के साथ कोर्ट ने उन पर 25 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। यह घटना साल 2018 की है, जब दिल्ली के एक फार्महाउस में न्यू ईयर (नए साल) पार्टी के दौरान अंधाधुंध हवाई फायरिंग की गई थी।

बाबा बर्फानी के दर्शन को निकला तीसरा जत्था

जम्मू । अमरनाथ की वार्षिक यात्रा में शामिल होने के लिए 4,812 श्रद्धालुओं का तीसरा जत्था शनिवार को यहां भगवती नगर आधार शिविर से दो अलग-अलग काफिलों में कश्मीर रवाना हुआ। इस जत्थे में 966 महिलाएं शामिल हैं। अधिकारियों के अनुसार, शुक्रवार को अनंतनाग जिले के पहलगाम और गांदरबल जिले के बालटाल मार्ग से शुरू हुई 57 दिन की वार्षिक यात्रा के पहले दिन 12,000 से अधिक श्रद्धालुओं ने 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित पवित्र गुफा में दर्शन और पूजा-अर्चना की।

मोदी सरकार का बड़ा फैसला, जैश-लश्कर से जुड़े 23 लोगों को घोषित किया आतंकवादी

एजेंसी ▶ ❙❙ नई दिल्ली।

केंद्र सरकार ने आतंकवाद के खिलाफकार्रवाई को आगे बढ़ाते हुए गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत 23 लोगों को आतंकवादी घोषित किया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 4 जुलाई 2026 को इस संबंध में गजट नोटिफिकेशन जारी किया। जारी अधिसूचना में जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े कई पाकिस्तान आधारित व्यक्तियों के नाम शामिल हैं। सरकार के अनुसार, इन सभी पर आतंकियों की भर्ती, प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता, हथियारों की आपूर्ति, घुसपैठ और आतंकी हमलों में भूमिका निभाने जैसे आरोप हैं। गृह मंत्रालय की ओर से जारी सूची में मसूद इलियास कश्मीरी का नाम शामिल है, जिसे वर्ष 2022 के सुनजवां आर्मी कैंप हमले की साजिश से जोड़ा गया है। इसके अलावा मोहम्मद मुसद्दिक पर सुनजवां हमले में घुसपैठ और आतंकी ऑपरेशन के समन्वय का आरोप लगाया गया है।

वहीं मुफ्ती मोहम्मद असगर खान को वर्ष 2016 के नागरोटा आर्मी कैंप हमले से जुड़े घुसपैठ नेटवर्क का प्रमुख संचालक बताया गया है।

नई सूची में हाफिज अब्दुल शकूर का नाम भी शामिल है। गृह मंत्रालय के अनुसार, उस पर वर्ष 2016 के नागरोटा हमले से पहले स्थानीय नेटवर्क के संपर्क और घुसपैठ में भूमिका निभाने के आरोप हैं। इसके अलावा अब्दुल्ला जेहादी (शाह नवाज,अल हिजामा) पर नागरोटा हमले में शामिल आतंकियों की सहायता करने और जैश-ए-मोहम्मद के कई प्रशिक्षण शिविरों के संचालन से जुड़े आरोप लगाए गए हैं।

गृह मंत्रालय ने फिरदौस अहमद भट को लश्कर-ए-तैयबा का लॉन्चिंग कमांडर बताते हुए उसे घुसपैठ और लॉजिस्टिक सपोर्ट नेटवर्क से जुड़ा बताया है। वहीं बिलाल अहमद मीर उर्फअहमद भाई पर सीमा पार आतंकी गतिविधियों के संचालन और लश्कर व टीआरएफ के लिए हथियारों की आपूर्ति कराने का आरोप है। उसे भी आतंकवादी घोषित किए गए 23 लोगों की सूची में शामिल किया गया है। केंद्र सरकार के अनुसार, अधिसूचना में शामिल सभी 23 व्यक्तियों की भूमिका विभिन्न आतंकी गतिविधियों, भर्ती, प्रशिक्षण, हथियारों की आपूर्ति, फंडिंग और घुसपैठ जैसे मामलों में सामने आई है। इन्हीं आधारों पर यूएपीए के तहत उन्हें आतंकवादी घोषित किया गया है। गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) भारत का प्रमुख आतंकवाद-रोधी कानून है। इसका उद्देश्य देश की संप्रभुता, अखंडता और सुरक्षा के खिलाफ होने वाली गैरकानूनी तथा आतंकवादी गतिविधियों को रोकना है। इस कानून के तहत सरकार व्यक्तियों और संगठनों को आतंकवादी घोषित करने सहित कई कानूनी कार्रवाई कर सकती है।

जोधपुर को मिला 480 करोड़ का नया टर्मिनल

❒ पीएम मोदी ने दिखाई हरी झंडी

एजेंसी ▶ ❙❙ जोधपुर।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को राजस्थान दौरे के दौरान जोधपुर हवाई अड्डे पर नए टर्मिनल भवन का भव्य उद्घाटन किया। इस खास अवसर पर पीएम मोदी ने रिमोट का बटन दबाकर इस नए टर्मिनल को जनता को समर्पित किया और साथ ही देश में हवाई कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए उड़ान (यूडीएएन) योजना के अगले चरण की भी शुरुआत की। जोधपुर हवाई अड्डे का यह नया टर्मिनल भवन अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है, जिसे यात्रियों की सहूलियत और आरामदायक यात्रा को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, इस भव्य परियोजना को कुल 480 करोड़ रुपए की लागत से विकसित किया गया है, जो 23,000 वर्ग मीटर से अधिक के विशाल क्षेत्र में फैला हुआ है। यह नया टर्मिनल भवन प्रति वर्ष 20 लाख यात्रियों को संभालने में पूरी तरह सक्षम है। इस नए टर्मिनल की सबसे बड़ी खासियत इसकी वास्तुकला है, जो राजस्थान की शाही और पारंपरिक सांस्कृतिक विरासत से प्रेरित है, टर्मिनल के निर्माण में राजस्थान के पारंपरिक मेहराबों और झरोखों जैसे ऐतिहासिक तत्वों को समकालीन (समकालीन,आधुनिक) डिजाइन के साथ बेहद खूबसूरती से जोड़ा गया है। टर्मिनल के डिजाइन में सतत विकास को प्राथमिकता दी गई है। ऊर्जा-कुशल प्रणालियों, जल संरक्षण उपायों और हरित भवन निर्माण पद्धतियों के इस्तेमाल के साथ इसका उद्देश्य फाइव-स्टार जीआरआईएचए रेटिंग प्राप्त करना है। जोधपुर हवाई अड्डे पर इस नए टर्मिनल के शुरू होने से न केवल पश्चिमी राजस्थान में पर्यटन को पंख लगेंगे, बल्कि स्थानीय व्यापार और रोजगार सृजन को भी बड़ा बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

प्रधानमंत्री ने इस मौके पर संशोधित उड़ान योजना की शुरुआत की, जो क्षेत्रीय संपर्क पर विशेष ध्यान केंद्रित करती है।

भारत-इजराइल द्विपक्षीय निवेश समझौता लागू

नयी दिल्ली । भारत और इजरायल के बीच द्विपक्षीय निवेश समझौता शनिवार से लागू हो गया ।इस समझौते पर दोनों देशों की सरकारों के बीच 08 सितंबर 2025 को नयी दिल्ली में हस्ताक्षर किये गये थे। वित्त मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि द्विपक्षीय निवेश समझौता 04 जुलाई 2026 से लागू हो गया है ।उसने द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को मजबूत करने और एक सुरक्षित तथा स्थिर निवेश वातावरण सुनिश्चित करने की दिशा में इसे एक ऐतिहासिक कदम बताया। मंत्रालय की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि द्विपक्षीय निवेश समझौते से सीमा पार निवेश में वृद्धि होने और भारत तथा इजराइल के बीच आर्थिक साझेदारी और गहरी होने की उम्मीद है ।इस समझौते से व्यापार तथा पारस्परिक निवेश को बढ़ावा मिलने और मध्यस्थता के माध्यम से एक स्वतंत्र विवाद समाधान प्रणाली स्थापित होने की उम्मीद है। वर्तमान में भारत और इजराइल के बीच द्विपक्षीय निवेश करीब 80 करोड़ डॉलर है। इस समझौते में निवेश को जब्ती से बचाने, पारदर्शिता सुनिश्चित करने और सुचारू हस्तांतरण एवं नुकसान की भरपाई के प्रावधान भी शामिल हैं।

भारत-पेरू मुक्त व्यापार समझौता जल्द होने की संभावना नहीं : पीयूष गोयल

एजेंसी ▶ ❙❙ नई दिल्ली।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि कुछ उत्पादों में बाजार पहुंच संबंधी चिंताओं के कारण भारत-पेरू मुक्त व्यापार समझौते (एफ्टीए) के लिए चल रही बातचीत के जल्द संपन्न होने की संभावना नहीं है। गोयल ने आयोजित 17वें टॉय बिज इंटरनेशनल बी2बी एक्सपो से इतर संवाददाताओं से कहा, कुछ चिंताएं हैं। कई ऐसे उत्पाद हैं जहां हम उन्हें बाजार पहुंच की अनुमति नहीं दे सकते। मुझे नहीं लगता कि पेरू के साथ एफ्टीए बहुत जल्द होने जा रहा है। उल्लेखनीय है कि भारत और पेरू के बीच प्रस्तावित एफ्टीए के लिए बातचीत साल 2017 में शुरू हुई थी। दूसरी ओर, भारत-कनाडा एफ्टीए के संबंध में मंत्री ने सकारात्मक संकेत दिए। उन्होंने बताया कि भारतीय अधिकारियों का एक दल बातचीत के अगले दौर के लिए सोमवार को कनाडा जाएगा। गोयल ने कहा, कनाडा के साथ एफ्टीए वार्ता अच्छी प्रगति पर है। हमारी टीम अगले दौर की बातचीत के लिए सोमवार को जा रही है। हमारी कोशिश है कि हम अगले छह महीनों में इसे अंतिम रूप दे दें। केंद्रीय मंत्री ने यह भी जानकारी दी कि वह 13 जुलाई को विदेश मंत्री एस. जयशंकर और रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ ब्रसेल्स जाएंगे।

मोदी-योगी की जोड़ी ने यूपी को बदला, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन बोले

❒ 2027 चुनाव में फिर खिलेगा कमल

एजेंसी ▶ ❙❙ लखनऊ।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने शनिवार को कहा कि उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव में फिर से कमल खिलेगा और पार्टी कार्यकर्ता चुनाव के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। नवीन ने बातचीत में कहा, आज पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा दिखाया गया प्यार और स्नेह संकेत देता है कि 2027 में कमल निश्चित रूप से खिलेगा। उन्होंने कहा, जिस तरह से डबल इंजन सरकार मोदी-योगी की जोड़ी ने उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश में बदल दिया है, कमल निश्चित रूप से उत्तर प्रदेश में खिलने के लिए तैयार है, जहां काशी विश्वनाथ, अयोध्या और मथुरा हैं। आज हमने लखनऊ और पूरे राज्य में पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच जो उत्साह देखा, उसके आधार पर हम निश्चित रूप से कह सकते हैं कि भाजपा कार्यकर्ता 2027 (विधानसभा चुनाव) के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

इससे पहले, नवीन का शनिवार को दो दिवसीय दौरे पर लखनऊ पहुंचने पर गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस दौरे के दौरान उनके 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी की योजना को कारगर बनाने के लिए वरिष्ठ नेताओं के साथ कई बैठकें करने की उम्मीद है। नवीन ने विशेष रूप से डिजाइन किए गए मोटर चालित रथ पर यात्रा की, जिस पर पार्टी के शीर्ष नेताओं की तस्वीरें और सेवा, सुशासन और जनकल्याण लिखा हुआ था।

दिल्ली में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से मिले भाजपा नेता उद्धव त्रिपाठी

विशेष संवाददाता

नई दिल्ली । कुशीनगर। के भाजपा नेता उद्धव त्रिपाठी ने नई दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर संगठनात्मक विषयों, युवाओं की भागीदारी तथा जनहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर सार्थक चर्चा हुई। भेंट के दौरान भाजपा नेता उद्धव त्रिपाठी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष को पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया तथा उनके नेतृत्व में पार्टी के संगठनात्मक विस्तार और जनकल्याणकारी नीतियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि युवा कार्यकर्ता पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए पूरी निष्ठा के साथ कार्य कर रहे हैं। उद्धव त्रिपाठी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष से मार्गदर्शन प्राप्त करते हुए संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का संकल्प व्यक्त किया।

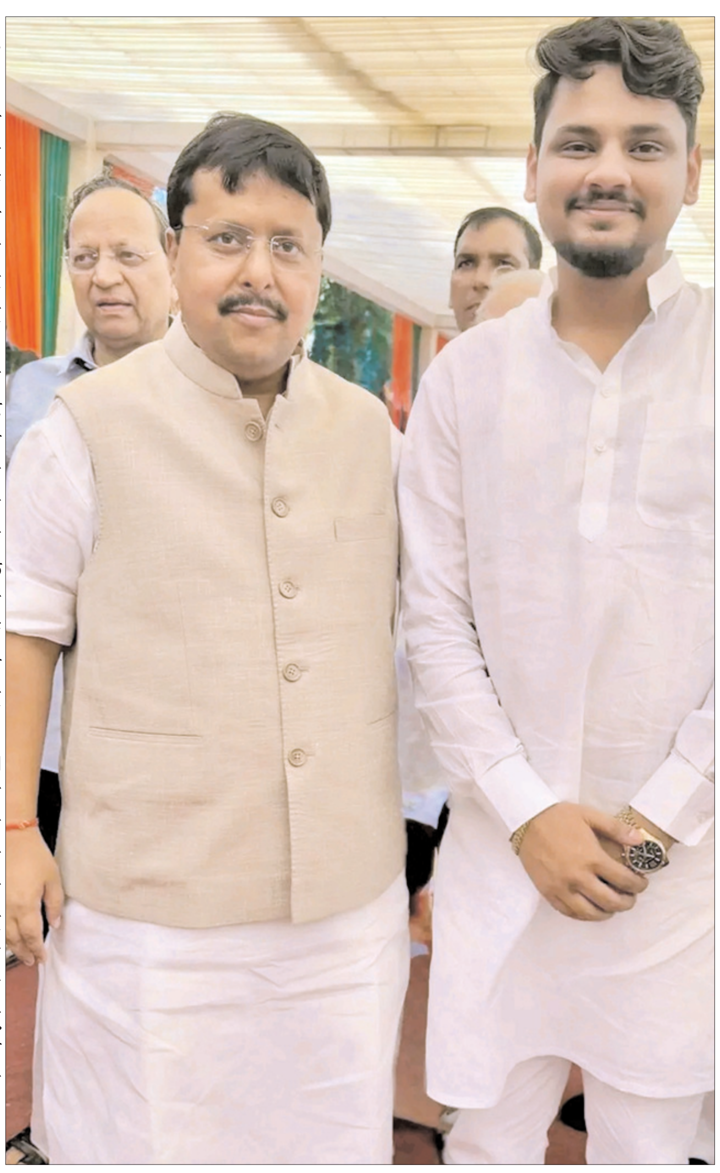

फैसला | उमर खालिद और शरजील इमाम को मिलेगी जमानत

2020 दिल्ली कोर्ट ने फैसला सुरक्षा किया

एजेंसी ▶ ❙❙ नयी दिल्ली।

दिल्ली की एक अदालत ने 2020 के दिल्ली दंगों से जुड़ी व्यापक साजिश के मामले में कार्यकर्ताओं उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिकाओं पर सुरक्षित रख लिया। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश समीर बाजपेयी ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रखा। न्यायाधीश के शाम को आदेश सुनाने की संभावना है। खालिद और इमाम ने जमानत याचिकाओं में दलील दी कि मुकदमे की सुनवाई शुरू हुए बिना उन्हें लगातार हिरासत में रखना स्वतंत्रता के उनके मौलिक अधिकार का उल्लंघन है। खालिद की याचिका में यह भी कहा गया कि उच्चतम न्यायालय ने भले ही उनकी पिछली जमानत याचिका खारिज कर दी थी लेकिन उसके बाद हुए न्यायिक घटनाक्रम से परिस्थितियों में बदलाव आया है। उन्होंने मई में एक अन्य मामले में अदालत की उस टिप्पणी का उल्लेख किया, जिसमें इस बात पर जोर दिया गया था कि गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत भी जमानत नियम है। उच्चतम न्यायालय द्वारा पांच जनवरी को यूएपीए मामले में दोनों को जमानत देने से इनकार किए जाने के बाद ये नयी याचिकाएं दायर की गईं। खालिद, इमाम और कई अन्य लोगों पर फरवरी 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुए दंगों के पीछे कथित व्यापक साजिश का हिस्सा होने के आरोप में आतंकवाद-रोधी कानून यूएपीए और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया था। नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) और प्रस्तावित राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) के खिलाफ प्रदर्शनों के दौरान हिंसा भड़क गई थी, जिसमें 53 लोगों की मौत हुई थी और 700 से अधिक लोग घायल हुए थे।

वांगचुक की सेहत बिगड़ी, कॉजपा का प्रदर्शन 15वें दिन भी जारी रहा

नयी दिल्ली । सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक का जंतर-मंतर पर अनशन शनिवार को सातवें दिन भी जारी रहने के बीच, कॉकरोच जनता पार्टी ने कहा कि उनका वजन पांच किलोग्राम कम हो गया है और उनकी सेहत तेजी से बिगड़ रही है। संगठन ने परीक्षा में कथित अनियमितताओं को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की अपनी मांग दोहराई। कॉजपा की शुरुआत करने वाले अभिजीत दीपके ने एक्स पर कहा कि हर गुजरते दिन के साथ वांगचुक की हालत बिगड़ती जा रही है। उन्होंने सवाल किया कि प्रधान को पद से अब तक क्यों नहीं हटाया गया। दीपके ने कहा, सोनम का वजन पांच किलोग्राम घट गया है और हर गुजरते दिन के साथ उनकी सेहत बिगड़ती जा रही है। धर्मेंद्र प्रधान को हटाने के लिए प्रधानमंत्री और कितना समय लेंगे ? उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी के लिए धर्मेंद्र प्रधान इतने महत्वपूर्ण क्यों हैं कि 20 विद्यार्थियों की मौत के बावजूद वह अब भी उन्हें नहीं हटा रहे ? दीपके ने एक अन्य पोस्ट में कहा कि यदि सामाजिक कार्यकर्ता के साथ कुछ भी गलत हुआ तो सरकार जिम्मेदार होगी। दीपके ने एक व्यंग्यात्मक कार्टून भी साझा किया, जिसमें एक व्यक्ति उन कागजों को खाने की कोशिश करता दिखाई दे रहा है जिन पर परीक्षा पत्र लिखा है और दो कॉकरोच उसे रोक रहे हैं।

स्वास्थ्य व्यवस्था सुधारने के लिए पंजाब मॉडल अपनाएं -केजरीवाल

एजेंसी ▶ ❙❙ पणजी।

भारतीय जनता पार्टी शासित गोवा की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के चरमरा जाने का आरोप लगाते हुए आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को इस तटीय प्रदेश के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत से पंजाब की 10 लाख रुपये वाली स्वास्थ्य बीमा योजना को अपनाने की अपील की। केजरीवाल ने यहां प्रेसवार्ता में कहा कि गोवा की लगभग 90 प्रतिशत आबादी सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं पर निर्भर है, क्योंकि ज्यादातर परिवारों के लिए निजी इलाज का खर्च उठाना मुमकिन नहीं है, खासकर गंभीर बीमारी के मामले में। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल ने दावा किया कि गोवा में दीन दयाल स्वास्थ्य सेवा योजना लोगों को फायदा पहुंचाने में नाकाम रही है, जबकि राज्य के एकमात्र सुपर-स्पेशियलिटी सरकारी अस्पताल गोवा मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में बहुत ज्यादा भीड़ है। उन्होंने कहा कि अन्य सरकारी अस्पतालों में कर्मियों की कमी है, विशेषज्ञ चिकित्सकों का अभाव है, बुनियादी सुविधाओं और दवाओं की कमी है। केजरीवाल ने कहा, गोवा का पूरा स्वास्थ्य तंत्र ठप हो गया है। 90 प्रतिशत लोगों को यह नहीं पता है कि परिवार के किसी सदस्य के गंभीर रूप से बीमार पड़ने पर वे कहां जाएं। डीडीएसएसवाई बीमा योजना तीन सदस्यों तक वाले परिवारों के लिए सालाना चार लाख रुपये और बड़े परिवारों के लिए छह लाख रुपये का कवर देती है जो नाकाफी है और अब क्रियाशील भी नहीं है। उन्होंने कहा कि बड़ी बीमारियों के इलाज का खर्च उठाने के लिए यह बीमा कवर बहुत कम है और इस योजना के तहत सिर्फ 447 बीमारियों एवं इलाज की प्रक्रियाओं को ही शामिल किया गया है।

डिप्टी सीएम केशव मौर्य ने किया क्रेता–विक्रेता सम्मेलन का उद्घाटन

डबल इंजन सरकार बागवानों को अधिकाधिक लाभ दिलाने और निर्यात क्षमता बढ़ाने के लिए प्रतिबद्धः केशव

संवाददाता

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य राजभवन में राज्यपाल की अध्यक्षता में आयोजित उत्तर प्रदेश आम महोत्सव 2026 के अंतर्गत क्रेता–विक्रेता सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में सम्मिलित हुए। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि उत्तर प्रदेश का आम उत्पादन के क्षेत्र में देश में अग्रणी स्थान है। उन्होंने आंकड़ों को रेखांकित करते हुए बताया कि प्रदेश में वर्तमान में लगभग 61.94 लाख मीट्रिक टन आम का उत्पादन होता है। देश में कुल उत्पादित होने वाले आम का 26.22 प्रतिशत अकेले उत्तर प्रदेश में पैदा होता है। उन्होंने कहा कि लखनऊ, सहारनपुर, मेरठ, मुरादाबाद, वाराणसी, अयोध्या और प्रयागराज मण्डलों में बहुत बडे पैमाने पर आम के बाग हैं। यहाँ की दशहरी, लंगड़ा, चौसा, गौरजीत, लखनऊ सफेदा, रटौल और आम्रपाली जैसी आम की विशिष्ट प्रजातियां देश–दुनिया में अपनी मिठास के लिए विख्यात हैं। डबल इंजन की सरकार बागवानों के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। बोले, एपीडा के माध्यम से वर्ष 2025–26 में 3563 मीट्रिक टन आम एवं मैंगो पल्प का निर्यात किया गया है। हमारा आगामी लक्ष्य इस निर्यात क्षमता में और अधिक बढोत्तरी करना है, जिससे हमारे किसानों के उत्पाद वैश्विक बाजारों तक आसानी से पहुँच सकें और उन्हें उनके उत्पाद का सही व लाभकारी मूल्य मिल सके। महोत्सव में 1501 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया है। इसमें मुख्य रूप सेरू आम उत्पादक किसान, समितियां और स्वयं सहायता समूह, पैक हाउस संचालक, फूड प्रोसेसर्स और निर्यातक व्यापारी, नर्सरी मालिक, वित्तीय सहायता प्रदाता और मशीनरी उपकरण आपूर्तिकर्ता, देशभर से आए शोधकर्ता एवं कृषि वैज्ञानिक ने प्रतिभाग किया। महोत्सव के मुख्य आकर्षण के रूप में आम की 800 से अधिक दुर्लभ एवं व्यावसायिक प्रजातियों का प्रदर्शन किया गया।

गूगल मैप ने गलत सेंटर पहुंचाया लेट पहुंचने पर कईयों की परीक्षा छूटी

संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में यूपी–टेट 2026 के तीसरे और अंतिम दिन शनिवार को 46 परीक्षा केंद्रों पर एक पाली में परीक्षा आयोजित की गई। अभ्यर्थियों को थ्री लेयर जांच और बायोमेट्रिक सत्यापन के बाद ही एग्जॉम हॉल में एंट्री दी गई। इस बीच कुछ अभ्यर्थियों की परीक्षा भी छूट गई। बाराबंकी से आए प्रियांशु यादव गलत गूगल मैप लोकेशन के कारण समय पर केंद्र नहीं पहुंच सके। वहीं आगरा से पत्नी को परीक्षा दिलाने आए राहुल ट्रेन लेट होने के कारण सही समय से सेंटर पर नहीं पहुंच पाए। वहीं ज्यादातर अभ्यर्थियों ने पेपर को आसान और संतुलित बताया, जबकि कुछ को मैथ्स और इंग्लिश टफ लगी। शुक्रवार को दूसरे दिन शहर में करीब पहली पाली में 92.99: और दूसरी पाली में 94.84: उपस्थिति रही। एक महिला पुलिसकर्मी ने एक युवती की परीक्षा छूटने से बचा ली। दरअसल, युवतीकेंवी की जगह गलती से केकेसी परीक्षा केंद्र पहुंच गई। शहर में बने 46 परीक्षा केन्द्रों पर प्रशासन की तरफ से सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। बायोमेट्रिक सत्यापन और सघन चेकिंग के बाद ही अभ्यर्थियों को प्रवेश दिया जा रहा है। केन्द्रों की निगरानी में लगे 92 मजिस्ट्रेट, 46 सेक्टर मजिस्ट्रेट और इतने स्टैटिक मजिस्ट्रेट लगातार केंद्रों का निरीक्षण कर रहे हैं। परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थी सुबह 7 बजे से पहले ही पहुंच गए। कई केंद्रों ने सुबह 7.30 बजे से अभ्यर्थियों को प्रवेश देना शुरू किया।

संक्षिप्त समाचार

फसल बीमा योजना शिविर, किसानों ने खरीफ फसलों का बीमा कराया

बहराइच। नवाबगंज स्थित ग्राम पंचायत पीर नसीरुद्दीन में शनिवार को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत एक विशेष पंजीकरण एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में क्षेत्र के किसानों ने बड़ी संख्या में भाग लिया और अपनी खरीफ फसलों का बीमा कराया। शिविर के दौरान किसानों को फसल बीमा योजना के लाभ, प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान की भरपाई की प्रक्रिया, बीमा दावा करने की विधि और आवश्यक दस्तावेजों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। मौके पर ही उपस्थित किसानों के फसल बीमा आवेदन ऑनलाइन पंजीकृत किए गए और उन्हें तत्काल बीमा प्रमाण–पत्र भी उपलब्ध कराए गए। लोकवाणी केंद्र संचालक अनूप मिश्रा ने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना किसानों को प्राकृतिक आपदाओं जैसे अतिवृष्टि, सूखा, ओलावृष्टि और अन्य जोखिमों से होने वाली फसल क्षति के आर्थिक नुकसान से सुरक्षा प्रदान करती है। उन्होंने किसानों से निर्धारित समय सीमा के भीतर अधिक से अधिक संख्या में अपनी फसलों का बीमा कराने का आग्रह किया। इस शिविर में राजकुमार, शोभा राम, कमलेश, विजय सहित क्षेत्र के कई किसान उपस्थित रहे। किसानों ने सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना को अत्यंत लाभकारी बताते हुए इसकी सराहना की और योजना के प्रति उत्साह दिखाया।

मकान का ताला तोड़ घर में घुसे चोर, नगदी समेत पांच लाख की संपत्ति पर किया हाथ साफ

बहराइच। जिले के देहात कोतवाली क्षेत्र के सिसई हैदर गांव में देर रात चोरों ने एक मकान का ताला तोड़कर नगदी समेत करीब पांच लाख रुपये की संपत्ति चुरा ली। पड़ोसी की सूचना पर परिवार के लोग मौके पर पहुंचे। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सिसई गांव निवासी दिनेश शुक्ला अपने परिवार के साथ दो दिन पहले अपने पैतृक गांव राजपुर गए थे। शुक्रवार रात उनके पड़ोसी ने उन्हें घर का ताला टूटा होने की जानकारी दी। सूचना मिलने पर दिनेश शुक्ला तत्काल मौके पर पहुंचे। पीड़ित दिनेश शुक्ला ने बताया कि चोरों ने घर की अलमारी और लॉकर का ताला तोड़ दिया। वे उसमें रखी एक लाख रुपये की नकदी, दो सोने की चेन और पांच अंगूठियों सहित कुल करीब पांच लाख रुपये की संपत्ति लेकर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही देहात कोतवाली पुलिस फॉरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंची। कोतवाल दद्दन सिंह ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच की जा रही है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

प्रभु के खजाने को बेरहमी से लूटा, बंटवारे की लड़ाई खोल देगी सारे राजः अखिलेश यादव

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) नेतृत्व पर परोक्ष रुप से तीखा हमला बोलते हुए कहा कि राम मंदिर चढ़ावे का सच सामने आकर रहेगा और असली पापी अपने कर्मों की सजा से नहीं बच पाएंगे। यादव ने शनिवार को एक्स पर लिखा कि आखिरकार सुरंगजीवियों को बाहर आना ही पड़ा क्योंकि अब बुराई का पानी सुरंग में गले तक भर गया है। उन्होंने सवालिया लहजे में कहा कि 140 करोड़ देशवासी और दुनिया भर के चंदा–दान देने वाले सनातनी यह जानना चाहते हैं कि हर काम में आगे रहने वाले, इस घोर–गंभीर मसले पर खुद सामने क्यों नहीं आए, अपने से पीछे वाले को आगे क्यों कर दिया।

आत्महत्या दुष्प्रेरण मामले में वांछित आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता

बहराइच। मोतीपुर थाना पुलिस ने आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरण के मामले में वांछित एक आरोपी को शनिवार को गिरफ्तार किया। आरोपी को न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। यह कार्रवाई मिहींपुरवा,मोतीपुर क्षेत्र में हुई। पुलिस के अनुसार, यह मामला 2 जुलाई 2026 को थाना मोतीपुर में मुकदमा संख्या 273/2026, धारा 108 बीएनएस के तहत दर्ज किया गया था। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि मिहींपुरवा के गुजराना निवासी शेख शरीफ रजा पुत्र शब्बीर अहमद एक युवती को लगातार प्रताड़ित कर रहा था। बताया गया कि आरोपी की प्रताड़ना से आहत होकर युवती ने बिचपरी पुल से छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली थी। पुलिस अधीक्षक बहराइच विश्वजीत श्रीवास्तव के निर्देश पर इस मामले में कार्रवाई की गई।

विवेचना के दौरान, शनिवार 4 जुलाई को मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने आरोपी शेख शरीफ रजा (40) को ग्राम मोतीपुर से सुबह करीब 10 बजे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी गुजराना, मिहींपुरवा, थाना मोतीपुर, जनपद बहराइच का निवासी है। अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) दुर्गा प्रसाद तिवारी और क्षेत्राधिकारी मिहींपुरवा प्रद्युम्न सिंह के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक मोतीपुर आनंद कुमार चौरसिया के नेतृत्व में पुलिस टीम ने यह गिरफ्तारी की। गिरफ्तारी टीम में उपनिरीक्षक चन्द्रशेखर प्रजापति और कांस्टेबल चन्द्रकांत दीक्षित भी शामिल थे। आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

भाजपा मुख्यालय में युवा नेता उद्धव त्रिपाठी की राष्ट्रीय महामंत्री विनोद तावड़े से विशेष भेंट

विशेष संवाददाता

(अभय पाण्डेय)

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री एवं संगठन के प्रमुख रणनीतिकार विनोद तावड़े से दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में कुशीनगर के भाजपा नेता उद्धव त्रिपाठी ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर दिल्ली के लोकप्रिय सांसद, पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं सुप्रसिद्ध अभिनेता मनोज तिवारी भी मौजूद रहे। मुलाकात के दौरान संगठनात्मक मजबूती, युवाओं की राजनीति में सक्रिय भागीदारी, जनसरोकारों से जुड़े विषयों तथा आगामी राजनीतिक गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा हुई। उद्धव त्रिपाठी ने पार्टी की विचारधारा एवं जनकल्याणकारी नीतियों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने तथा संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के लिए समर्पित भाव से कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया। राष्ट्रीय नेतृत्व से प्राप्त मार्गदर्शन पर आभार व्यक्त करते हुए उद्धव त्रिपाठी ने कहा कि वरिष्ठ नेताओं का सान्निध्य एवं अनुभव युवा कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि शीर्ष नेतृत्व के मार्गदर्शन से संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत करने की दिशा में नई ऊर्जा प्राप्त होती है। उल्लेखनीय है कि उद्धव त्रिपाठी, कुशीनगर की पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. निर्मला त्रिपाठी तथा कोवापरेटिव बैंक के पूर्व चेयरमैन एवं पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष पंडित सुभाष प्रसाद त्रिपाठी के सुपुत्र हैं। वे सामाजिक एवं संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाते हुए युवाओं के बीच अपनी अलग पहचान बना रहे हैं।

दिल्ली में युवा नेतृत्व को मिला अनुभवी मार्गदर्शन

➡उदभव त्रिपाठी को मिला मनोज तिवारी का आशीर्वाद

विशेष संवाददाता

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के कुशीनगर के भाजपा नेता उद्धव त्रिपाठी ने आज दिल्ली स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में वरिष्ठ भाजपा नेता एवं सांसद मनोज तिवारी से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच संगठनात्मक विषयों, जनसंपर्क अभियान तथा पार्टी की भावी रणनीतियों को लेकर सार्थक चर्चा हुई। मुलाकात के दौरान उद्धव त्रिपाठी ने सांसद मनोज तिवारी से संगठनात्मक कार्यों को लेकर मार्गदर्शन प्राप्त किया तथा भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा और जनकल्याणकारी नीतियों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने के लिए पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया। उद्धव त्रिपाठी ने कहा कि वरिष्ठ नेताओं का अनुभव युवा कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणास्रोत होता है। उनके मार्गदर्शन से संगठन को नई ऊर्जा और दिशा मिलती है, जिससे पार्टी को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत बनाने में सहायता मिलती है। सांसद मनोज तिवारी ने भी युवा कार्यकर्ताओं की सक्रियता की सराहना करते हुए उन्हें संगठन की मजबूती, सामाजिक सेवा और जनहित के कार्यों में बढ़–चढ़कर भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया।

सीएम योगी पर टिप्पणी का विरोध, युवक को पीटा, चार पर केस दर्ज, तीन गिरफ्तार

संवाददाता

बस्ती। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर कथित अभद्र टिप्पणी का विरोध करने पर एक दलित युवक के साथ मारपीट और जातिसूचक गालियाँ देने का मामला सामने आया है। हर्रैया पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर चार नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। वहीं, शांति भंग की आशंका में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उपजिलाधिकारी (एसडीएम) न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस को दी तहरीर में लबदहा गांव निवासी अजय कुमार ने बताया कि 2 जुलाई की रात करीब 8.30 बजे वह तिवारीगंज बाजार में घरेलू सामान खरीदने गए थे। उनके गले में भगवा गमछा पड़ा था। आरोप है कि इसी दौरान त्रिलोकपुर तिवारी में रह रहे रमजान, उसके पुत्र फैजान व सुल्तान, इरफान तथा अन्य लोगों ने उन्हें देखकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर अभद्र टिप्पणी करते हुए ष्योगी का दामादष् कहा।

अजय कुमार ने जब इस टिप्पणी का विरोध किया, तो आरोपियों ने जातिसूचक गालियाँ देते हुए लाठी–डंडों से उन पर हमला कर दिया। शोर सुनकर आसपास के लोग जुटने लगे। पीड़ित किसी तरह अपनी जान बचाकर वहां से भागा और तत्काल डायल–112 पुलिस को मामले की सूचना दी। पुलिस ने अजय कुमार की तहरीर पर त्वरित कार्रवाई करते हुए चारों नामजद आरोपियों कृरमजान, फैजान, सुल्तान और इरफान के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 115(2), 351(3), 352 तथा एससीध्एसटी एक्ट की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

पुलिस ने रमजान अली, फैजान अली और सुल्तान को बीएनएसएस (भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता) की धारा 170/126/135 के तहत निरोधात्मक कार्रवाई करते हुए हिरासत में लिया। उन्हें एसडीएम हर्रैया की अदालत में पेश किया गया। थानाध्यक्ष संजय कुमार ने बताया कि मामले की गहनता से जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस पूरी तरह सतर्क है।

मेट्रो की लिंक लाइन का बदला अलाइनमेंट सेक्टर-44 के बाहर से गुजरेगी लाइन

संवाददाता

नोएडा। नोएडा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (एनएमआरसी) ने बॉटेनिकल गार्डन से सेक्टर–142 तक प्रस्तावित एक्वा लिंक लाइन परियोजना के अलाइनमेंट में बदलाव कर दिया है। सेक्टर–44 के निवासियों की आपत्ति के बाद यह फैसला लिया गया है। पहले मेट्रो लाइन सेक्टर के अंदर से गुजरने वाली थी, लेकिन अब इसे सेक्टर–44 के बाहर से निकाला जाएगा। इससे परियोजना की लंबाई एक किलोमीटर बढ़ गई है और लागत में करीब 100 करोड़ रुपये का इजाफा होने की संभावना है। एनएमआरसी के अनुसार, इस परियोजना को चार साल में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके शुरू होने से करीब दो लाख लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। साथ ही ग्रेटर नोएडा और जेवर एयरपोर्ट की कनेक्टिविटी दिल्ली–एनसीआर के अन्य हिस्सों से और बेहतर होगी। नई लिंक लाइन बॉटेनिकल गार्डन स्टेशन पर दिल्ली मेट्रो की ब्लू लाइन और मैजेंटा लाइन से जुड़ेगी। इससे नोएडा, ग्रेटर नोएडा और जेवर एयरपोर्ट की ओर आने–जाने वाले यात्रियों को बेहतर इंटरचेंज सुविधा मिलेगी।संशोधित योजना के अनुसार, मेट्रो लाइन बॉटेनिकल गार्डन स्टेशन से शुरू होकर सेक्टर–44 स्थित एमिटी इंटरनेशनल स्कूल के गेट नंबर–4 के सामने ग्रीन बेल्ट तक पहुंचेगी, जहां पहला स्टेशन बनाया जाएगा। इसके बाद लाइन दाईं ओर मुड़कर सेक्टर–44 और नोएडा–ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे की 45 मीटर सड़क को पार करते हुए ग्रीन बेल्ट के रास्ते सेक्टर–142 तक जाएगी। अलाइनमेंट बदलने के बाद परियोजना की लंबाई 11.56 किलोमीटर से बढ़कर 12.56 किलोमीटर हो गई है। वहीं अनुमानित लागत 2254.35 करोड़ रुपये से बढ़कर 2354.35 करोड़ रुपये पहुंच जाएगी।

131 दिन बाद शुरू हुई अयातुल्ला खामेनेई की अंतिम यात्रा, लखनऊ के धर्मगुरु पहुंचे ईरान

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ से विभिन्न धर्मों के प्रमुख धर्मगुरु ईरान पहुंचे हैं। वे 4 से 9 जुलाई 2026 तक आयोजित होने वाले कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस दौरान वरिष्ठ शिया धर्मगुरु मौलाना कल्बे जवाद, ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड के अध्यक्ष मौलाना यासूब अब्बास और स्वामी सारंग विशेष आमंत्रण पर ईरान पहुंचे, जहां उन्होंने पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की अंतिम यात्रा में भी भाग लिया। ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मृत्यु के 131 दिन बाद (चार महीने से अधिक समय) उनकी अंतिम यात्रा शुरू हुई। उनका निधन 28 फरवरी 2026 को एक संयुक्त अमेरिकी–इजरायली हवाई हमले में हुआ था। युद्ध और सुरक्षा कारणों के चलते उनका अंतिम संस्कार तुरंत नहीं किया जा सका था, जिसके लिए उनके पार्थिव शरीर को सुरक्षित प्रशीतित (कोल्ड स्टोरेज) में रखा गया था। 4 जुलाई 2026 से तेहरान में उनकी सात दिनों की भव्य अंतिम यात्रा शुरू हुई है। लखनऊ से मौलाना कल्बे जवाद, स्वामी सारंग और मौलाना यासूब अब्बास शामिल हुए। खामेनेई की मौत के बाद शहर में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में भारत में खामेनेई के प्रतिनिधि डॉ. अब्दुल मजीद हकीम ने भी शिकरत किया था। श्रद्धांजलि सभा मौलाना कल्बे जवाद और मौलाना यासूब अब्बास के द्वारा आयोजित किया गया था। इसके अलावा स्वामी सारंग गंगा जमुना तहजीब के मजबूत सूत्रधार माने जाते है। इसलिए इन तीनों व्यक्तियों को ईरान सरकार की तरफ से विशेष रूप से यात्रा में शामिल होने का अवसर मिला है। ईरान से मौलाना यासूब अब्बास ने फोन पर कहा कि भारत और ईरान के रिश्ते हमेशा बहुत अच्छे रहे हैं। अयातुल्ला की मौत के बाद पूरे भारत में शोक की लहर थी। विशेष रूप से लखनऊ में तीन दिनों तक शोक मनाया गया। करोड़ों की संख्या में आयतुल्लाह के चाहने वाले हैं जिस दिन से उनकी शहादत हुई है तब से लेकर आज तक मायूस है। हम लोग करोड़ों हिंदुस्तानियों की दुआएं और आस्था को लेकर ईरान पहुंचे हैं। ईरान ने आवश्यकता अनुसार हमेशा भारत की मदद किया और भारत ने भी हमेशा ईरान का सहयोग किया यह दो देशों की भाईचारा है।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सदस्य गिरफ्तार

5 लाख की रंगदारी मांगने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप

संवाददाता

बस्ती। बस्ती में खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सदस्य बताकर पांच लाख रुपये की रंगदारी मांगने और जान से मारने की धमकी देने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। स्वाट,सर्विलांस टीम और हर्रैया थाना पुलिस ने शनिवार दोपहर 12 बजे यह कार्रवाई की। इस दौरान एक बाल अपचारी को भी संरक्षण में लिया गया। पुलिस ने आरोपियों के पास से घटना में इस्तेमाल किया गया एक एंड्रॉयड मोबाइल फोन बरामद किया है। पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई अपर पुलिस अधीक्षक श्यामकान्त और क्षेत्राधिकारी हर्रैया स्वर्णिमा सिंह के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार के नेतृत्व में हुई। हर्रैया थाना में दर्ज मुकदमा संख्या 195/2026 की विवेचना के दौरान मुखबिर की सूचना पर बेलाडे शुक्ल मोड़ के पास दो संदिग्धों को रोका गया था। पूछताछ में गिरफ्तार आरोपी की पहचान राधा रमण (25) पुत्र सुरेश कुमार, निवासी ग्राम पठा करका, थाना कुल्दन, जनपद झांसी के रूप में हुई। पुलिस के अनुसार, राधा रमण और बाल अपचारी मोबाइल फोन के जरिए लोगों को कॉल करते थे। वे खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सदस्य बताकर पांच लाख रुपये की रंगदारी मांगते थे और रकम न देने पर जान से मारने की धमकी देते थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त नथिंग ए4 एंड्रॉयड मोबाइल फोन बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपी राधा रमण के खिलाफ विधिक कार्रवाई कर उसे न्यायालय भेज दिया गया है।

राजधानी में धूप और उमस के बाद बदला मौसम

संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में शनिवार सुबह से तेज धूप और उमस ने लोगों को बेहाल कर दिया। मानसून की सक्रियता कमजोर पड़ने से गर्मी का असर बढ़ गया। हालांकि, दोपहर बाद मौसम ने करवट ली और पीजीआई, सरोजनी नगर समेत शहर के कई इलाकों में बारिश हुई, जिससे लोगों को गर्मी से कुछ राहत मिली। मौसम विभाग के अनुसार, 3 दिन तक भीषण गर्मी पड़ेगी।

और 7 जुलाई से मानसून फिर सक्रिय होगा और शहर में झमाझम बारिश का दौर शुरू होने की संभावना है। आज अधिकतम तापमान 38 डिग्री और न्यूनतम 28 डिग्री रहने का अनुमान है। शुक्रवार को लखनऊ का अधिकतम तापमान 37.6 डिग्री रहा है। यह सामान्य से 1.7 डिग्री अधिक रहा है। न्यूनतम तापमान 27 डिग्री रहा। यह सामान्य से 0.6 डिग्री अधिक रहा। अधिकतम आर्द्रता 94 फीसदी और न्यूनतम आर्द्रता 53 फीसदी दर्ज की गई। इस बीच शुक्रवार को तड़के बारिश भी हुई, लेकिन इसके बाद पूरे दिन उमस बरकरार रही। इसके कारण लोगों को परेशानी हुई। लखनऊ में 2 जुलाई को मानसून की एंट्री हुई है। इसके बाद 3 जुलाई तक रह–रह कर बारिश हुई है। इस बीच 2 जुलाई से 3 जुलाई तक 6.4 मिलीमीटर बरसात हुई। जबकि 1 जून से 3 जुलाई तक लखनऊ में कुल बरसात करीब 29 मिलीमीटर हुई है। यह सामान्य से कम बारिश है। लेकिन तापमान में दो दिन गिरावट के बाद फिर से पारा बढ़ने लगा है।

ऐसे में फिलहाल लोगों को कोई राहत मिलने की संभावना नहीं है। वहीं, मानसून के दौरान लखनऊ में सामान्य से कम बारिश की संभावना मौसम विभाग ने जताई है। इसके कारण खेती के साथ में अन्य पानी के स्रोतों पर भी असर पड़ेगा। लखनऊ में फिलहाल 3 दिनों तक तेज चटक धूप और उमस के बीच मौसम का मिला जुला असर देखने को मिलेगा। यहां पर बादल भी छाए रह सकते हैं, हल्की बारिश हो सकती है, लेकिन भीषण गर्मी से कोई राहत मिलने के आसार नहीं हैं।

बारिश से खेतों में पहुंचा पानी, तराई क्षेत्र में धान की रोपाई शुरू हुई

संवाददाता

बहराइच। रामनगर सेमरा, नानपारा और नवाबगंज सहित तराई क्षेत्र में शनिवार को हुई अच्छी बारिश से किसानों को बड़ी राहत मिली है। लंबे समय से बारिश का इंतजार कर रहे किसानों ने अब धान की रोपाई का कार्य तेजी से शुरू कर दिया है। रामनगर सेमरा, महादेवा, धोबाही, हरिहरपुर और नंद गांव जैसे आसपास के क्षेत्रों में पर्याप्त बारिश हुई, जिससे खेत पानी से भर गए। खेतों में नमी आने से धान की रोपाई के लिए अनुकूल परिस्थितियां बन गई हैं। पिछले कई दिनों से भीषण गर्मी और बारिश की कमी के कारण किसान चिंतित थे। अब बारिश होने के बाद किसान परिवार सुबह से ही खेतों में उतरकर धान की पौध की रोपाई में जुट गए हैं। ग्रामीण इलाकों में महिलाओं और पुरुषों की चहल–पहल से खेती का माहौल लौट आया है। किसानों का कहना है कि यदि आने वाले दिनों में भी समय–समय पर बारिश होती रही, तो धान की फसल अच्छी होने की उम्मीद है। इस बारिश से भीषण गर्मी से भी लोगों को राहत मिली है और मौसम सुहावना हो गया है। तराई क्षेत्र में बारिश के साथ ही कृषि गतिविधियां तेज हो गई हैं, जिससे किसानों के चेहरे पर खुशी साफ दिखाई दे रही है।

चिराग पासवान लखनऊ में, करेंगे कार्यकर्ता सम्मेलन

लखनऊ। लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के प्रमुख चिराग पासवान कल 5 जुलाई को लखनऊ में कार्यकर्ता सम्मेलन करने जा रहे हैं। कार्यक्रम इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में होगा। सम्मेलन 2027 यूपी विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी की संगठनात्मक ताकत बढ़ाने और रणनीति तय करने के लिहाज से अहम माना जा रहा है। चिराग पासवान इस कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं को चुनावी दिशा देंगे और दलित प्रतिनिधित्व को लेकर पार्टी की रणनीति साझा करेंगे। लोजपा रामविलास को प्रदेश प्रभारी अरुण भारती ने कहा कि विपक्ष ने 2024 लोकसभा चुनाव में संविधान और आरक्षण खतरे में है। का झूठा नैरेटिव फैलाया था। चिराग पासवान हमेशा स्पष्ट करते आए हैं कि जब तक रामविलास पासवान के विचारों के उत्तराधिकारी मौजूद हैं, तब तक संविधान और आरक्षण को कोई खतरा नहीं है।

कृषि की पढ़ाई का स्वागत पर पालि को भी मिले तवज्जो

पूर्वांचल की विरासत संवाददाता

कुशीनगर /सपहां। बुद्ध पीजी कॉलेज कुशीनगर में नवनिर्मित पालि भवन में महात्मा बुद्ध कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की कृषि कक्षाएं संचालित करने की प्रशासनिक तैयारियों में तेजी देखी जा रही है। शासन की इस योजना का स्वागत करने के साथ ही कुशीनगर भिक्षु संघ और बौद्ध विद्वानों ने कॉलेज प्रशासन से पालि भाषा की पढ़ाई के लिए आवाज उठाई है।

भिक्षुओं का कहना है कि जिस पालि भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए लाखों रुपए की लागत से इस भवन का निर्माण कराया गया था, आज कृषि कक्षाए संचालन की सुगबुगाहट के बीच पालि भाषा की पढ़ाई को तवज्जो मिलना चाहिए। भिक्षु संघ और स्थानीय प्रबुद्ध वर्ग ने कॉलेज प्रबंधन से कहा है कि कृषि कक्षाओं के साथ ही पालि भाषा की पढ़ाई भी शुरू होनी चाहिए। इससे स्व. भिक्षु एबी ज्ञानेश्वर का मूल संकल्प साकार होगा। इसके लिए उन्होंने अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया था।

बौद्ध भिक्षुओं का कहना है कि पालि की पढ़ाई शुरू होने से यहां न केवल दूसरे देशों से विद्यार्थी आएंगे और वैश्विक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि बुद्ध के शांति संदेश का भी प्रचार-प्रसार होगा। कॉलेज प्रशासन को इसी सत्र से दोनों कक्षाएं एक साथ शुरू कराने के लिए पुरजोर कोशिश करने की जरूरत है। बौद्ध भिक्षुओं ने कहा है कि पालि की पढ़ाई शुरू कराने में भी कोई कोताही नहीं होनी चाहिए। कृषि ही नहीं, पालि भाषा की भी पढ़ाई शुरू होगी। प्रशासन की तरफ से पालि भवन का उपयोग कृषि की पढ़ाई के लिए सिर्फ कुछ महीने ही किया जाएगा। कृषि विवि का निर्माण पूरा होते ही कक्षाएं नवनिर्मित भवन से संचालित होंगी। पालि की कक्षाएं भी जल्द शुरू होंगी, तैयारियां करीब पूरी हो गई हैं। -भंते महेंद्र, उपाध्यक्ष, प्रबंध समिति बुद्ध पीजी कॉलेज, कुशीनगर

पालि भाषा की पढ़ाई को लेकर बौद्ध भिक्षु बोले

हम कृषि कक्षाओं का स्वागत करते हैं। पूज्य भिक्षु एबी ज्ञानेश्वर जी ने जिस पालि भवन को लाखों रुपये की लागत से बनवाया, अगर वहां पालि की पढ़ाई नहीं की जाएगी तो उनका मकसद अधूरा रह जाएगा। कॉलेज प्रशासन को प्राथमिकता के आधार पर पालि की कक्षाएं शुरू करनी होगी। -भिक्षु डॉ. नंदरतन थेरो, सचिव भिक्षु संघ, कुशीनगर कृषि के साथ पालि की पढ़ाई होने से कुशीनगर की वैश्विक ख्याति बढ़ेगी। वैश्विक संबंध और मजबूत होंगे। इससे पर्यटन व्यवसाय को पंख लगेंगे। रोजगार के अवसर के साथ स्थानीय लोगों की आमदनी भी बढ़ेगी। इसलिए पालि भाषा की पढ़ाई शुरू कराए जाने के लिए ठोस पहल करने की जरूरत है। -भिक्षु चंदिमा थेरा, पूर्व अध्यक्ष, अंतरराष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान, लखनऊ कृषि के साथ पालि भाषा की पढ़ाई शुरू होनी चाहिए। इसमें किसी तरह की हीलाहवाली नहीं होनी चाहिए। पूज्य गुरु एबी ज्ञानेश्वर जी ने पालि भाषा की पढ़ाई के लिए कॉलेज परिसर में पालि भवन का निर्माण कराया था। अब वह नहीं हैं, इसलिए पालि भाषा की ही पढ़ाई शुरू होनी चाहिए।

महिलाओं को पढ़ाया सुरक्षा और स्वावलंबन का पाठ

पूर्वांचल की विरासत संवाददाता

पडरौना। महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए चलाए जा रहे मिशन शक्ति 5.0 के द्वितीय चरण में शनिवार व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। एसपी केशव कुमार के निर्देशन में जिले के सभी थानों की पुलिस ने बाजारों, चौराहों और सार्वजनिक स्थलों पर जाकर महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया। अभियान के दौरान समस्त थानों की एंटी रोमियो टीमों ने भीड़-भाड़ वाले इलाकों और स्कूलों में जाकर छात्राओं और महिलाओं से सीधा संवाद किया। पुलिस कर्मियों ने सुरक्षा से जुड़े पंपलेट बांटे गए और संकट के समय आत्मरक्षा करने के उपाय भी विस्तार से समझाए गए।इस दौरान महिला हेल्पलाइन 1090, आपातकालीन सेवा 112, चिकित्सा सहायता 108, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 साइबर हेल्पलाइन 1930 व पोर्टल आदि के उपयोग की जानकारी दी गई।

सजगता और संवेदनशीलता से करें काम

पडरौना। महिलाओं की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से शनिवार को पुलिस कार्यालय सभागार में गोष्ठी हुई। अध्यक्षता करते हुए एएसपी सिद्धार्थ वर्मा ने सभी थानों की महिला बीट पुलिस कर्मियों को कार्यप्रणाली सुधारने और जनसुनवाई पर जोर दिया। उन्होंने क्षेत्र में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, जनसुनवाई की स्थिति, साइबर अपराधों की रोकथाम तथा आम जनता के साथ बेहतर तालमेल (समन्वय) स्थापित करने जैसे गंभीर विषयों पर चर्चा की। कहा कि सभी महिला बीट पुलिस कर्मियों को अपने कर्तव्यों का पालन करते समय पूरी तरह सतर्क और संवेदनशील रहना होगा।

संक्षिप्त समाचार

नहर टूटने से खेतों में भरा पानी, रोपाई प्रभावित

कुशीनगर कसया। तहसील क्षेत्र के सोहसा मठिया चौराहे से गुजर रही खजुरिया नहर की शाखा शुक्रवार देर शाम सोहसा गांव स्थित उपकेंद्र के पास पश्चिम दिशा में टूट गई। इससे आसपास के खेतों में पानी भर गया और धान की रोपाई के साथ रोपाई के लिए तैयार धान की नर्सरी डूब गई। नहर का पानी प्राथमिक विद्यालय सोहसा और आसपास के कई घरों तक पहुंच गया, जिससे लोगों में अफरा-तफरी का माहौल रहा। सूचना मिलने पर सिंचाई विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची। कसया एसडीओ करुणाकर तिवारी, रामकोला एसडीओ राज नारायण यादव और जेई दीपक कुमार ने नहर का पानी कम कराकर मरम्मत कार्य शुरू कराया। नहर का पानी खेतों में भरने से किसानों की रोपी गई धान की फसल और रोपाई के लिए तैयार नर्सरी को नुकसान हुआ। वहीं खेतों का पानी छोटी गंडक नदी में जाने से श्मशान घाट के पास नदी किनारे मिट्टी का कटाव भी हो गया। इस संबंध में एक्सईएन सिंचाई बुधई राम ने बताया कि नहर टूटने की सूचना मिलते ही विभागीय टीम मौके पर पहुंची। त्वरित कार्रवाई करते हुए मरम्मत कराई गई और नहर में पानी का संचालन फिर से सुचारु करा दिया गया है।

सीएम के दौरे को लेकर प्रशासन सतर्क, सौंपी जिम्मेदारी

पडरौना। जिले में सीएम के संभावित दौरे को देखते हुए शनिवार की शाम डीएम के कैंप कार्यालय में बैठक हुई। डीएम ने अधिकारियों को समय से सभी तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए। डीएम महेंद्र सिंह तंवर ने प्रस्तावित कार्यक्रम स्थल पर हेलीपैड निर्माण, वीआईपी एवं सामान्य पार्किंग, आगंतुकों के लिए पेयजल, बैठक व्यवस्था, पंडाल एवं मंच निर्माण, सेफ हाउस की व्यवस्था, बैरिकेडिंग, साफ-सफाई, बिजली, चिकित्सा, सुरक्षा, यातायात प्रबंधन और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की बिंदुवार समीक्षा की। उन्होंने विभिन्न विभागों की तरफ से लगने वाले प्रदर्शनी स्टॉलों की तैयारियों, अन्नप्राशन कार्यक्रम और विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण-पत्र एवं स्वीकृति पत्र वितरण की व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की। डीएम ने कहा कि अधिकारी को सौंपे गए कार्यों को निर्धारित समय के भीतर गुणवत्ता के साथ पूरा करें। सभी विभाग आपसी समन्वय स्थापित कर प्रत्येक व्यवस्था का पहले परीक्षण कर लें। सुरक्षा, यातायात एवं मूलभूत सुविधाओं की समुचित व्यवस्था करें। एसपी केशव कुमार, सीडीओ वंदिता श्रीवास्तव, एडीएम वैभव मिश्र, कप्तानगंज एसडीएम मोहम्मद जफर, पीडी पीयूष सिंह, डीसी मनरेगा राकेश कुमार आदि मौजूद रहे।

ट्रक से आए चोर उठा ले गए जनरेटर का अल्टीनेटर

कुशीनगर /कप्तानगंज। कस्बे के सुभाष नगर के खरादी मिस्त्री की दुकान के सामने शुक्रवार की रात ट्रक लगा कर चोर जनरेटर का अल्टीनेटर उठा ले गए। शनिवार सुबह जानकारी होने पर दुकानदार ने पुलिस को सूचना दी। कस्बे में हाईवे के दोनों तरफ घनी आबादी और दुकानें है। इसी सड़क पर एसबीआई, केनरा बैंक और पोस्ट ऑफिस है। स्टेट बैंक शाखा के ठीक सामने खरादी का काम करने वाले मिस्त्री चंद्रभान पासवान की दुकान है। दुकान के सामने उन्होंने जनरेटर लगाया है। चंद्रभान पासवान ने बताया कि शुक्रवार को शाम करीब 8 बजे दुकान बंद कर कस्बे की गांधी गली में अपने घर चले गए।

हिंदी का पेपर आसान गणित ने अभ्यर्थियों को उलझाया

पूर्वांचल की विरासत संवाददाता

पडरौना। शहर समेत जिले के छह परीक्षा केंद्रों पर शनिवार को तीसरे दिन भी शिक्षक पात्रता परीक्षा का आयोजन किया गया। सभी केंद्रों पर परीक्षा शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सकुशल संपन्न कराई गई। अंतिम दिन सिर्फ एक पाली में परीक्षा हुई। इसमें 215 अभ्यर्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। वहीं परीक्षा देने के बाद अभ्यर्थियों ने पेपर आसान बताया, लेकिन गणित के सवार कुछ कठिन रहे। सभी परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा शुरू होने से करीब एक घंटे पहले अभ्यर्थियों की गहन जांच एवं पहचान सत्यापन के उपरांत पूर्ण संतुष्ट होने पर ही परीक्षा केंद्र में प्रवेश दिया गया। शिक्षक पात्रता परीक्षा के अंतिम दिन कुल 2180 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, जिसमें 1965 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। शेष 215 अभ्यर्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। परीक्षा देने के बाद अभ्यर्थियों ने बताया कि पेपर आसान रहा। हिंदी व सामान्य ज्ञान के प्रश्न काफी आसान रहे। अभ्यर्थियों ने बताया कि गणित विषय के कुछ सवाल कठिन रहे। उन्हें हल करने में समय लगा।

पोखरे में डूबने से बालक की मौत, परिवार में मचा कोहराम

पूर्वांचल की विरासत संवाददाता

कुशीनगर /कसया। थाना क्षेत्र के विशुनपुर मगुरही गांव में शुक्रवार शाम को साथियों के साथ नहाने गए 12 वर्षीय प्रियांशु यादव की पोखरे में डूबने से मौत हो गई। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बताया जाता है कि गांव के बगल में जेसीबी से मिट्टी की खोदाई की गई थी। गड्ढे में बारिश का पानी भरा था। प्रियांशु गांव के कुछ बच्चों के साथ उसी में नहाते समय गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। साथ मौजूद बच्चे घर चले गए और किसी को कुछ बताया नहीं। शाम को परिजन उसकी तलाश करते पोखरे के पास पहुंचे और उसे बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। प्रियांशु दो भाइयों और एक बहन में सबसे बड़ा था। बेटे की मौत से माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल है, जबकि पूरे गांव में शोक का माहौल है। इस संबंध में एसओ इत्यानंद पांडेय ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

रात में सीएचसी पर विश्राम नहीं करने वाले डॉक्टरों पर होगी कार्रवाई

कुशीनगर/पडरौना। सीएचसी पर रात्रि विश्राम नहीं करने वाले डॉक्टरों की जवाबदेही तय होगी। सामान्य मरीजों को भी मेडिकल कॉलेज रेफर किए जाने के चलते मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी पर लोड बढ़ता जा रहा है। जांच में पता चला है कि कुछ सीएचसी पर डॉक्टर रात में नहीं रुक रहे हैं और फार्मासिस्ट व वार्ड ब्वाय के भरोसे इमरजेंसी का संचालन हो रहा है। सीएमओ ने सभी एमवाईसी को रात्रि विश्राम के लिए निर्देश दिया है।

रात में क्रॉस चेकिंग के लिए टीम बनाई गई है। जिले में 14 सीएचसी हैं। हाईवे से जुड़ी सीएचसी में तैनात डॉक्टर गोरखपुर और देवरिया से आते हैं और शाम चार बजे के बाद चले जाते हैं। रात की इमरजेंसी में जिन डॉक्टरों की ड्यूटी रहती है, वे अपने कमरे में रहते हैं। फार्मासिस्ट और वार्ड ब्वाय के भरोसे मरीजों का इलाज होता है। तेज पेट दर्द, हाई बीपी वाले मरीजों को मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया जा रहा है। करीब दो माह पूर्व डीएम ने सामान्य मरीजों को रेफर करने पर रोक लगाने के लिए सीएमओ को निर्देश दिया था,

उस समय पहल भी हुई थी,बावजूद इस पर रोक नहीं लगा। सीएमओ ने एमओआईसी को निर्देश दिया है कि रात में सभी डॉक्टर विश्राम करेंगे। इसकी क्रॉस चेकिंग की जाएगी। गायब मिलने पर उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई होगी। इनके भवन के मेंटेनेंस और बिजली बिल पर लाखों रुपये महीने खर्च किए जा रहे हैं।

रिटायर्ड टीचर की बेटी ने किया सुसाइड, कमरे में फंदे से लटका मिला शव

पूर्वांचल की विरासत संवाददाता

प्रतापगढ़। शनिवार सुबह एक 28 वर्षीय युवती का शव घर की छत पर बने कमरे में फंदे से लटका मिला। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पिता ने बताया कि बेटी 2 जुलाई को अपनी छोटी बहन के साथ प्रयागराज के कुल भास्कर इन्टर कॉलेज में शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) देने गई थी। पिता का कहना है कि परीक्षा के बाद से ही वह काफी डिप्रेशन में भी थी। हालांकि पुलिस परिजनों से पूछताछ करने के साथ ही सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। मामला संग्रामगढ़ थाना क्षेत्र के चोआ मजरे अस्थवां गांव का है। चोआ मजरे अस्थवां गांव निवासी पूजा यादव (28) पुत्री श्रीनाथ यादव शनिवार सुबह घर की छत पर बने कमरे में गई थी। कुछ देर बाद जब वह नीचे नहीं आई तो परिजनों ने उसे आवाज लगाई। कोई जवाब न मिलने पर परिजन कमरे में पहुंचे, जहां पूजा का शव पंखे से दुपट्टे के सहारे लटका हुआ था। यह दृश्य देखकर परिवार में चीख-पुकार मच गई और आसपास के ग्रामीण भी मौके पर पहुंच गए। सूचना पर संग्रामगढ़ थाना पुलिस तत्कालघटनास्थल पर पहुंची और निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को फंदे से उतरवाकर कब्जे में लिया और आवश्यक पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया। मृतका आठ बहनों में सातवें नंबर की थी। जिसमें 6 बहनों कि शादी हो चुकी है। मृतका के पिता श्रीनाथ यादव जूनियर हाई स्कूल लाला बाजार में शिक्षक के पद से 2019 में सेवानिवृत हुए थे। घटना के बाद परिजनों में शोक व्याप्त है। पिता ने बताया कि बेटी पूजा 2 जुलाई को अपनी छोटी बहन निधि(22) के साथ प्रयागराज के कुल भास्कर इन्टर कॉलेज में शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) देने गई थी। वापस आने पर काफी परेशान थी। उसने बताया था कि परीक्षा पहले के मुताबिक काफी कठिन थी। पिता का कहना है कि परीक्षा के बाद से बेटी काफी डिप्रेशन में भी थी। फिलहाल युवती द्वारा यह कदम किन परिस्थितियों में उठाया गया, इसका कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस परिजनों से पूछताछ करने के साथ ही सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों की स्पष्ट जानकारी मिल सकेगी। प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत होता है, हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

11 दरोगा का कार्यक्षेत्र बदला, बॉर्डर के चौकी इंचार्जों की बढ़ी चुनौती

पूर्वांचल की विरासत संवाददाता

पडरौना। प्रशासनिक व्यवस्था को बेहतर करने के लिए 11 दरोगा के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया गया है। पुलिस लाइंस में तैनात दो दरोगा को चौकी इंचार्ज बनाया गया है। यह तैनाती पडरौना कोतवाली के सिधुआं, तरयासुजान थाना क्षेत्र के तिनफेड़िया, बहादुरपुर खड्डा के सालिकपुर चौकी प्रभारियों के लिए चुनौती होगी। सिधुआं चौकी के अंतर्गत पशु तस्करों का गांव बसहिया उर्फ बनबीरपुर से होने वाली गतिविधियों पर रोक लगानी होगी। एसपी केशव कुमार मिश्रा ने बताया कि पडरौना कोतवाली में तैनात दरोगा चंदन कुमार सिंह को सिधुआं चौकी इचार्ज, अमित कुमार सिंह को मंसाछापर जटहां बाजार चौकी इंचार्ज, तुर्कपट्टी थाने पर तैनात राहुल को मधुरिया चौकी इंचार्ज, पुलिस लाइन से विवेक पांडेय को कप्तानगंज के बरवापट्टी का चौकी इंचार्ज बनाया गया है। पडरौना कोतवाली में तैनात विवेक अवस्थी को तरायासुजान के तिनफेड़िया चौकी इंचार्ज व रविंद्रनगर धूस थाने पर तैनात शशांक राय को बहादुरपुर चौकी इंचार्ज की जिम्मेदारी दी गई है। खड्डा थाने पर तैनात रोहित कुमार सिंह को सालिकपुर चौकी इंचार्ज, शेख अहमद को शिवपुर चौकी इंचार्ज बनाया गया है। सर्वेश कुमार को पुलिस लाइंस से कोतवाली पडरौना भेजा गया है। शशांक शेखर राय को तरयासुजान थाने से खड्डा थाने पर, राहुल सिंह को हाटा कोतवाली से पडरौना कोतवाली में तैनात किया गया है। अवैध मोरंग बालू ट्रकों की एंट्री पर रोक नहीं लगाने पर तिनफेड़िया और बहादुरपुर के चौकी इंचार्ज को एसपी ने लाइन हाजिर कर दिया था।

सपाइयों ने लक्खीशाह बंजारा की जयंती मनाई

पूर्वांचल की विरासत संवाददाता

जौनपुर। समाजवादी पार्टी ने शनिवार को बाबा लक्खीशाह बंजारा की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई। यह कार्यक्रम दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित नेताओं और कार्यकर्ताओं ने बाबा लक्खीशाह बंजारा के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके जीवन, संघर्ष, सामाजिक समरसता और राष्ट्र सेवा में दिए गए महत्वपूर्ण योगदान को याद किया। जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने अपने संबोधन में कहा कि बाबा लक्खीशाह बंजारा ने अपने साहस, त्याग और समाज सेवा के बल पर इतिहास में गहरी छाप छोड़ी है। उन्होंने बताया कि उनका जीवन हमें सामाजिक न्याय, भाईचारे, समानता और मानवता की सेवा के लिए सदैव प्रेरित करता है। मौर्य ने यह भी कहा कि समाजवादी पार्टी उनके आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने तथा सामाजिक सद्भाव और पिछड़े, वंचित एवं शोषित समाज के अधिकारों की रक्षा के लिए निरंतर संघर्षरत है। जयंती कार्यक्रम के तुरंत बाद समाजवादी पार्टी जौनपुर की मासिक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता भी जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने की। इसमें संगठन की मजबूती, बूथ स्तर तक पार्टी को सशक्त बनाने, सदस्यता अभियान, जनसंपर्क कार्यक्रम तथा जनता की समस्याओं को लेकर व्यापक चर्चा हुई। आगामी संगठनात्मक रूपरेखा भी इसी बैठक में तैयार की गई। राकेश मौर्य ने बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे पार्टी की नीतियों एवं पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) की विचारधारा को घर-घर तक पहुंचाएं। उन्होंने जनता के मुद्दों को मजबूती से उठाते हुए समाजवादी पार्टी को और अधिक मजबूत बनाने का निर्देश दिया। इस दौरान यह भी निर्देश दिया गया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के जन्मदिन पर 1 जुलाई से 7 जुलाई तक पीडीए वृक्षारोपण कार्यक्रम को भव्य स्तर पर आयोजित किया जाए। बैठक का संचालन जिला महासचिव आरिफ हबीब ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में सपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अंत में, पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव रमेश साहनी की माताजी, सदर विधानसभा क्षेत्र के नेता मनोज यादव की माताजी, युवा नेता प्रवेश यादव की बड़ी माताजी तथा जनपद के अन्य पीडीए परिवारों में हुए दुखद निधन पर दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की गई और शोक संवेदना व्यक्त की गई।

तीन दिन में दस्तावेज दुरुस्त करने के डीएम के निर्देश,स्कूल बसों पर सख्ती

पूर्वांचल की विरासत संवाददाता

जौनपुर । जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. की अध्यक्षता में शनिवार को जिला विद्यालय यान परिवहन सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। शाम 4 बजे से 5 बजे तक चली बैठक में जिलाधिकारी ने सभी विद्यालयों के प्रबंधकों और प्रधानाचार्यों को तीन दिन के भीतर स्कूल बसों के सभी प्रपत्र दुरुस्त कराने के निर्देश दिए। उन्होंने चेतावनी दी कि निर्धारित समय में कमियां दूर नहीं होने पर संबंधित विद्यालयों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में शासन द्वारा विकसित स्कूल वाहन निगरानी पोर्टल पर दर्ज विद्यालय वाहनों के प्रपत्रों और सुरक्षा मानकों की समीक्षा की गई। पोर्टल के अनुसार जनपद में 113 विद्यालय वाहन फिटनेस जांच में फेल पाए गए, जबकि 244 वाहनों के परमिट समाप्त हो चुके हैं या वे बिना वैध परमिट के संचालित हो रहे हैं। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी विद्यालय वाहन निर्धारित गति सीमा का पालन करें और वाहन चलाते समय चालक मोबाइल फोन का प्रयोग न करें। उन्होंने कहा कि सभी स्कूल बसें पीले रंग की हों तथा उनके आगे और पीछे स्पष्ट रूप से ष्विद्यालय बसष् और विद्यालय का नाम अंकित होना चाहिए। इसके अलावा प्रत्येक बस में स्पीड लिमिट डिवाइस, फर्स्ट एड बॉक्स और अग्निशमन यंत्र अनिवार्य रूप से उपलब्ध हों। जिला विद्यालय निरीक्षक देवेन्द्र कुमार सिंह ने भी विद्यालय प्रबंधकों और प्रधानाचार्यों को निर्देशित किया कि जिन वाहनों के प्रपत्र अधूरे या त्रुटिपूर्ण हैं, उन्हें तीन दिनों के भीतर सही करा लिया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि निर्देशों का पालन न करने वाले विद्यालयों के विरुद्ध मान्यता रद्द करने की कार्रवाई की जाएगी। साथ ही सभी विद्यालयों को विद्यालय सुरक्षा समिति की नियमित बैठकें आयोजित कर उनकी कार्यवृत्त रिपोर्ट पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश दिए गए।

आरओबी के निर्माण में आई तेजी आज से तीन माह रहेगा डायवर्जन

पूर्वांचल की विरासत संवाददाता

कुशीनगर/ पडरौना। शहर की जाम की समस्या खत्म करने वाले नोनिया पट्टी रेलवे ढाले पर बन रहे आरओबी के निर्माण कार्य में तेजी आ गई है। निर्माण कार्य में कोई व्यवधान न हो, इसके लिए अगले तीन महीने तक शहर के ट्रैफिक रूट में बदलाव किया गया है। जटहां बाजार और खिरकिया के रास्ते बगहा बिहार जाने वाले मालवाहक और भारी वाहनों को शहर से नहीं गुजरने दिया जाएगा। उन्हें परसौनी कला स्थित शहर के बाहरी बाईपास से करीब 10 किमी अतिरिक्त दूरी तय करनी होगी। वहीं शहर में आने वाले भारी वाहन खिरिया टोला के सामने बने मार्ग से आ-जा सकेंगे। लोगों को असुविधा से बचाने के लिए रेलवे ने क्रॉसिंग पर दो गार्डों की 24 घंटे ड्यूटी भी लगाई गई है शहर में आने वाले लोगों को जाम से निजात दिलाने के लिए शहर के

सुभाष चौक से कोतवाली जाने वाले मुख्य मार्ग पर पड़ने वाले रेलवे क्रॉसिंग पर अंडरपास और नोनियापट्टी के सामने क्रॉसिंग पर आरओबी स्वीकृत है। रेलवे अंडरपास निर्माण कार्य अंतिम चरण में हैं। वहीं नोनियापट्टी के सामने क्रॉसिंग पर आरओबी के निर्माण चल रहा है। एल आकार में बन रहे आरओबी का निर्माण कार्य भी अब तेज हो गया है। आरओबी निर्माण के दौरान रेलवे लाइन पर 64 मीटर लंबा फ्लाईओवर बनाया जाएगा। इसके अलावा कठकुइया रोड की तरफ से 278 मीटर और बेलवा चुंगी जाने वाली सड़क की तरफ से 265 मीटर लंबे फ्लाईओवर का निर्माण होगा। इसके अलावा प्रस्तावित आरओबी के अगल-बगल बसे मोहल्ले के लोगों आवागमन के लिए फ्लाईओवर के नीचे सर्विस लेन का भी निर्माण होगा। इस निर्माण कार्य पर करीब 56 करोड़ रुपये खर्च होंगे। आरओबी निर्माण कार्य कर रही संस्था ने शहर के कठकुइयां रोड की तरफ से 218 मीटर लंबे फ्लाईओवर के निर्माण कार्य में तेजी ला दी है। नोनिया पट्टी ढाले के पास पिलर का काम शुरू हो गया है। भारी मशीनें और क्रेन लगने से ढाले से वाहनों का आवागमन तेज हो गया है। निर्माण कार्य को देखते हुए कठकुइया मार्ग से बाईपास के रास्ते अंबे चौक होते जटहां बाजार और बगहा बिहार की तरफ से जाने वाले सभी मालवाहक, ट्रक और बसों को अब बाईपास रूट पकड़ना होगा। कठकुइया मार्ग की तरफ से शहर में आने वाले भारी वाहन खिरिया टोला के सामने बने मार्ग से नोनियापट्टी रेलवे ढाला पार करेंगे। शहर के अंबे चौक के रास्ते जटहां बाजार और बिहार के बगहा की तरफ से जाने वाले भारी वाहन परसौनी कला स्थित मुख्य पश्चिमी गंडक नहर के रास्ते बाईपास होकर खिरकिया बाजार पहुंचंगे। यहां से अपने गंतव्य की तरफ जाएंगी। उधर आने वाले भारी वाहन भी इन्ही रास्तों का प्रयोग करेंगे। शहर में आने वाले चार पहिया वाहनों के लिए आवागमन सामान्य रहेगा।

पूर्वोत्तर रेलवे के एलओडब्ल्यू प्रवीण कुमार मिश्र ने बताया कि आरओबी का स्ट्रक्चर खड़ा करने में करीब 90 दिन लगेंगे। इस दौरान निर्माण स्थल से आवागमन पूरी तरह बंद रहेगा। रेलवे ने काम की गति बढ़ाने के लिए दो शिफ्ट में श्रमिकों की ड्यूटी लगाई है। तीन महीने बाद आरओबी का एक हिस्सा शुरू होगा तो ढाले पर लगने वाला 30-40 मिनट का जाम हमेशा के लिए खत्म हो जाएगा। निर्माण कार्य के दौरान दुर्घटना रोकने के लिए रेलवे ने दो गार्डों की ड्यूटी लगा दी है। ये गार्ड सुबह छह बजे से रात 10 बजे तक ढाले के दोनों छोर पर रहेंगे। वे लोगों को डायवर्जन रूट समझाएंगे और पैदल यात्रियों को सुरक्षित क्रॉस कराएंगे। रात में रिफ्लेक्टर और बैरिकेडिंग भी लगाई गई है। डायवर्जन से दुकानदारों और रोज आने-जाने वालों को दिक्कत होगी।

पूर्वांचल की विरासत
हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र
आर डी प्रिंटर्स एन्ड पब्लिसर्स प्रा. ली, बी48 सेक्टर 8 नोएडा गौतम बुद्ध नगर उत्तर प्रदेश से मुद्रीत कराकर श्री शुकदेव प्रसाद त्रिपाठी महाविद्यालय भठहीं खुर्द थाना चौरा खास जिला कुशीनगर से प्रकाशित
प्रधान सम्पादक
सुभाष प्रसाद त्रिपाठी
सम्पादकीय कार्यालय
शुकदेव प्रसाद त्रिपाठी महाविद्याल भठहीं खुर्द थाना चौरा खास जनपद कुशीनगर, उत्तर प्रदेश
मो० 9454623444
9839554645
RNI NoUPHIN/26/A4139
समस्त विवादो का न्याय जनपद कुशीनगर में होगा ।

सम्पादकीय

इथेनॉल का मोल

सुभाष प्रसाद त्रिपाठी
प्रधान सम्पादक

खाड़ी युद्ध के चलते उपजे ईंधन संकट ने भारत समेत पूरी दुनिया को सबक दिए हैं कि देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिये नये विकल्प तलाशे जाएं। भारत जैसे देश के लिये तो यह बड़ी चुनौती है क्योंकि हम पूरी तरह कच्चे तेल व गैस के लिये विदेशी संसाधनों पर ही निर्भर हैं। जिससे संकटपूर्ण स्थितियों में न केवल महंगाई बढ़ती है बल्कि हमारी दुर्लभ विदेशी मुद्रा भी दांव पर लगती है। ऐसे ही संकट से जूझने के लिये देश ने इथेनॉल के विकल्प पर गंभीरता से विचार किया। देश में पहले ही सामान्य पेट्रोल में बीस फीसदी इथेनॉल मिलाया जा रहा है। देश में विदेशी मुद्रा की बचत व आत्मनिर्भरता की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल है। हाल ही में फ्लेक्स-फ्यूल गाड़ियों के लिये ज्यादा इथेनॉल वाले ई-85 फ्यूल उपलब्ध कराया गया। लेकिन अभी भी उपभोक्ताओं और ऑटोमोटिव इंडस्ट्री के बीच कई मुद्दों को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं। दरअसल,ये वाहन ई-85 यानी 85 फीसदी इथेनॉल और 15 फीसदी पेट्रोल तथा ई-100 यानी शुद्ध इथेनॉल वाले मिश्रण पर चलने के लिये डिजाइन किये गए हैं। जबकि पेट्रोल से चलने वाली सामान्य गाड़ियां ई-20 यानी बीस फीसदी इथेनॉल और 80 फीसदी पेट्रोल के अनुकूल होती हैं। दरअसल, चुनिंदा आउटलेट्स पर ई-85 उपलब्ध कराने का निर्णय आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता कम करने के मकसद से लिया गया है। यह एक हकीकत है कि आज भी देश का नब्बे फीसदी कच्चा तेल आयातित किया जा रहा है। दुनियाभर में गाहे-बगाहे पैदा होने वाले भू-राजनीतिक संकटों ने बार-बार देश के ऊर्जा इकोसिस्टम की खामियों को ही उजागर किया है। इसमें दो राय नहीं है कि फ्लेक्स-फ्यूल गाड़ियों के लिये इथेनॉल को मुख्य ईंधन के रूप से बढ़ावा देने का मकसद ऊर्जा जरूरतों में आत्मनिर्भरता हासिल करने की दिशा में बढ़ना है। वहीं दूसरी ओर इसके उपयोग से हम ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में भी कमी ला सकते हैं। निश्चय ही वाहनों में इथेनॉल को बढ़ावा देना देश में आयातित कच्चे तेल के दबाव को कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। लेकिन इस बदलाव को सिरे चढ़ाने के लिए बहुत सोच-समझकर आगे बढ़ना चाहिए, जिससे लोगों की आशंकाएं दूर हो सकें। जरूरत लोगों का भरोसा हासिल करने की है। भारत में इथेनॉल मिले तेल के उपयोग ने इससे होने वाले तमाम फायदों को साबित किया है। इससे काफी विदेशी मुद्रा की बचत भी हुई है। साथ ही देश में इथेनॉल का सशक्त उद्योग विकसित हुआ है। यदि बाजार में इथेनॉल पर लोगों का भरोसा बढ़ता है और इसकी मांग बढ़ती है तो इससे किसानों को कमाई के नये अवसर मिल सकते हैं। इथेनॉल की ज्यादा मांग होने पर गन्ने और मक्का का बाजार विस्तार लेगा। वहीं दूसरी ओर ई-85 की कीमत पारंपरिक पेट्रोल के मुकाबले कम रखने के फैसले से, उन उपभोक्ताओं को फायदा हो सकता है, जिनके पास इसके अनुकूल गाड़ियां है। भले ही इस फ्यूल की ईंधन दक्षता कम हो, लेकिन यह कदम देश की अर्थव्यवस्था को संबल देगा। बहरहाल, इस उम्मीद के साथ ही, हमें हकीकत का भी ध्यान रखना है। दरअसल, ऑटोमोबाइल बनाने वाली कंपनियों ने इंजन की क्षमता, जंग लगने, ईंधन सिस्टम पर प्रभाव और इसकी दीर्घकालिक क्षमता को लेकर चिंताएं जतायी हैं। निस्संदेह, इन मुद्दों को सीधे खारिज करने के बजाय इन पर गंभीर रूप से मंथन करना चाहिए। अगर इन मुद्दों का निराकरण नहीं होता है तो भ्रम व संशय की स्थिति बनी रहेगी। जिसे अविलंब दूर करने की भी जरूरत है। इस वैकल्पिक ईंधन की सहज उपलब्धता के साथ ही इंफ्रास्ट्रक्चर व गाड़ियों को इसके अनुरूप बनाना, वैकल्पिक ईंधन की गुणवत्ता के मानकों का निर्धारण तथा इससे जुड़े तकनीकी प्रशिक्षण में सुधार किया जाना चाहिए। इस तथ्य को नकारा नहीं जा सकता कि बॉयोफ्यूल इतनी जल्दी फॉसिल फ्यूल का विकल्प नहीं बन सकता। इस बाबत पर्याप्त तैयारी, पारदर्शिता और सभी हितधारकों का सहयोग लेना जरूरी है। इस मामले में जल्दबाजी करने से बचा जाना चाहिए। यदि हम सजगता व सतर्कता से आगे बढ़ते हैं तो ई-85 एक सफल मॉडल बन सकता है। अन्यथा हम एक अच्छा मौका चूक सकते हैं।

> मेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम हो चुका है लेकिन विश्व कप फुटबॉल पर उसकी लंबी और गहरी छाया साफदिखाई पड़ती है। मौजूदा विश्व कप कई मायनों में अलग है। यह पहला विश्व कप है जिसकी मेजबानी तीन देश- अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको कर रहे हैं। 48 टीमें 104 मैचों में हिस्सा ले रही हैं। कनाडा, मेक्सिको के हिस्से में 13-13 मैच आए हैं और बाकी 78 मैचों का मेजबान अमेरिका है। टूर्नामेंट के शुरुआती दौर में अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी, फ्रांस के किलियन एमबापे, नार्वे के एर्लिंग हालैंड जैसे चमकते सितारों ने अपना दबदबा दिखाया है। लेकिन दूसरी तरफअमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प मैदान से बाहर अलग तरीके से अपनी ताकत दिखा रहे हैं। ट्रम्प ने ईरान से आए अतिथियों के लिए शिष्टाचार और कूटनीति के तौर-तरीकों को ताक पर रख दिया है। वे टूर्नामेंट के दौरान भी अपने इमिग्रेशन एजेंडा को जोर-शोर से लागू कर रहे हैं। राष्ट्रपति यह सब उस देश में कर रहे हैं जहां पूरी दुनिया से आकर लोग बसे हैं।

सिस्टम की खराबी का संकेत है अयोध्या घोटाला

जगदीश रत्तनानी

अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर में दान और चढ़ावे के गलत इस्तेमाल के आरोपों को लेकर हो रहा विवाद भारतीय संस्थाओं में फैली व्यापक गिरावट का एक और चौंकाने वाला उदाहरण है। हमारी राजनीतिक व्यवस्था, संवैधानिक संस्थाएं, स्वतंत्र निगरानी एजेंसियां और अब आस्था व पूजा के स्थान भी एक ही तरह की गड़बड़ियों में डूबे हुए लगते हैं। परीक्षा के पेपर लीक होने से लेकर जमीनें हड़पने और बैंकिंग घोटालों जैसे भ्रष्टाचार के बढ़ते मामलों के बीच देश की दिशा को लेकर निराशा का माहौल बन गया है और ये सब लोगों की नजरों के सामने हो रहा है। अयोध्या के घोटाले को गिरावट के एक नए निचले स्तर के तौर पर देखना आसान है। आखिरकार, यह वही जगह है जो भारतीय जनता पार्टी की राजनीति एवं धर्म के उतार-चढ़ाव भरे मिश्रण के केंद्र में रही है और जिसने 1984 के लोकसभा चुनाव में दो सीटों से लेकर 2014 में 282 सीटों तक पार्टी को राष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ाने में मदद की है। इस लिहाज से यह भाजपा के राजनीतिक गर्भगृह (सबसे पवित्र स्थान) में हुआ घोटाला है। यह उन लाखों श्रद्धालुओं की आस्था तथा श्रद्धा का मजाक उड़ाता है जिन्होंने राम मंदिर के निर्माण एवं रखरखाव में योगदान दिया है। उत्तर प्रदेश सरकार के अनुसार 22 जनवरी, 2024 को मंदिर के उद्घाटन के बाद से लगभग 50 करोड़ श्रद्धालु यहां आ चुके हैं। आस्था के इतने पवित्र प्रतीक के भी उन लोगों द्वारा लूटे जाने का खतरा है जिन्हें इसके निर्माण और रखरखाव की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। यह स्थिति उस नए निचले स्तर को दर्शाती है जिसकी चर्चा हो रही है। अब ऐसी खबरें आ रही हैं कि श्श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्रश् ट्रस्ट के सर्वेसर्वा महासचिव चंपत राय ने इस्तीफा दे दिया है। यह ट्रस्ट मंदिर का काम-काज संभालता है। उत्तर प्रदेश सरकार ने एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम बनाई है और जांच के दौरान आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। किसी आम घोटाले के मामले में यह एक आम राजनीतिक और प्रशासनिक प्रतिक्रिया है। इस तरह की कार्रवाई का मकसद भरोसा बहाल करना होता है लेकिन यहां भरोसे का कमजोर पड़ना कुछ ज्यादा ही अहम बात की ओर इशारा करता है। इससे आस्था रखने वालों को यह समझ आता है कि शासन-व्यवस्था के चरमराने का क्या मतलब होता है।

अब तक सत्ता के कमजोर पहलू- जैसे लोकतंत्र, पारदर्शिता, उचित प्रक्रिया, ईमानदारी और ऐसी ही दूसरी चीजों पर उठने वाले सवालों को सिर्फरोजमर्रा की राजनीति से जुड़े सवाल माना जाता था। यदि राजनीति दांव-पेंच वाली है तो नेताओं को अपनी पकड़ बनाए रखते तथा अपना एजेंडा आगे बढ़ाते हुए खेलना सीखना होगा। शासन-व्यवस्था को लेकर यह आसान और बंटा हुआ नजरिया है कि श्खराबश् शासन-व्यवस्था को एक दायरे में सीमित किया जा सकता है और उससे कुछ श्अच्छाश् भी निकल सकता है पर यह दृष्टिकोण राम मंदिर घोटाले के मामले में पूरी तरह गलत साबित होता है। यह उन लोगों को दिखाता है जिन्होंने अब तक मुश्किल सवाल पूछने से इन्कार किया है कि शासन-व्यवस्था का चरमराना देश और उसके साथ बैठे हर एक की नाव को डुबो देता है- चाहे वे आस्था रखने वाले हों या न रखने वाले हों। इस तरह खराब शासन-व्यवस्था एक ऐसी आग की तरह काम करती है जो सब कुछ जलाकर राख कर देती है। इस नजरिए से देखें तो अयोध्या का विवाद कोई नई बात या बहुत नीचे गिरने वाली घटना नहीं है। यह उस रास्ते का नतीजा है जहां सिर्फ मकसद पूरा करने पर ध्यान दिया जाता है और उसे पाने के तरीके की परवाह नहीं की जाती। अयोध्या में जो हुआ वह उस नेतृत्व और सत्ता हथियाने के सिस्टम का तार्किक नतीजा है जो इस बात पर

यकीन करता है कि सिर्फ नतीजे मायने रखते हैं, उन्हें पाने का तरीका नहीं। इस रास्ते को अपनाकर हम उस एक सिद्धांत को छोड़ देते हैं जिसे भारतीय आध्यात्मिक परंपराएं सबसे ऊपर मानती हैं, कि धर्म का रास्ता सबसे आगे होना चाहिए और अर्थ (पैसाध्सत्ता) उसके पीछे चलना चाहिए या यह कि भारतीय जीवन-शैली और तरक्की के मूल में मूल्य होते हैं। भारतीय परंपरा में गलत तरीकों से हासिल की गई किसी भी चीज को सफलता या उपलब्धि नहीं माना जाता। यह एक बहुत बड़ी भारतीय आध्यात्मिक सीख है जिसे अनगिनत प्रवचनों और कथाओं में दोहराया गया है कि अगर किसी लक्ष्य को पाने के लिए मूल्यों का उल्लंघन किया जाए तो सब कुछ बर्बाद हो जाता है चाहे वह लक्ष्य कितना भी अच्छा क्यों न हो। यह सच है कि कुछ उलझनें और दुविधाएं होती हैं लेकिन मूल्यों को ध्यान में रखकर ही उनसे भी निपटना चाहिए। इससे कम कुछ भी करना थोड़े समय के लिए तो सुविधाजनक हो सकता है लेकिन लंबे समय में यह नुकसान ही पहुंचाएगा। राम मंदिर विवाद हमें बताता है कि यह सारी समझ अब उलट गई है। यह लूट सर्फ़ि भौतिक संपत्ति तक सीमित नहीं है बल्कि यह उन लोगों द्वारा हमारी सभ्यता और आध्यात्मिक परंपराओं को नष्ट करना है जो खुद को उनकी रक्षा करने वाला बताते हैं।

अद्वैत वेदांत के मशहूर विद्वान और शिक्षक स्वामी दयानंद सरस्वती (1930-2015) ने मूल्य आधारित जीवन के प्रति इस जरूरी कर्तव्य के बारे में बात की थी। स्वामी दयानंद ने न सिर्फ मूल्यों को समझने बल्कि उन मूल्यों के अनुसार जीने के महत्व को भी सिखाया। अपनी किताब श्वैल्यू ऑफ वैल्यूज में उन्होंने लिखा-मेरे जीवन की अभिव्यक्ति असल में मेरे अच्छी तरह से अपनाए गए मूल्यों के ढांचे की अभिव्यक्ति है। सिर्फ अपनाए गए मूल्य ही मेरे निजी मूल्य होते हैं जो यह दिखाते हैं कि मेरे लिए क्या कीमती है। इस सीख में मूल्यों को मन में उतारना होता है और उन्हें अपनाने वाले व्यक्ति का अभिन्न अंग बनना होता है। तब उनका पालन स्वाभाविक रूप से होता है न कि उन्हें थोपा जाता है। इसके अलावा बाकी सब कुछ मूल्यों के नाम पर किया जाने वाला दिखावा बन जाता है। स्वामी दयानंद सरस्वती को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपना आध्यात्मिक गुरु मानते थे। फिर भी, मूल्यों को लेकर एक जटिल और गहरी बात है। जब चाहे अक्षरश: हो या भावना के स्तर पर- हर मूल्य का उल्लंघन करके नतीजे हासिल किए जा सकते हैं तो मूल्य कम काम के लगते हैं। जैसा कि भारत में सत्ताधारी व्यवस्था के मामले में देखा गया है कि जब चालाक व होशियार लोग इस खेल का मजा लेने लगते हैं और बिना किसी मूल्य-व्यवस्था के एक के बाद एक सफलता हासिल करते हैं तो वे व्यवस्था को एक जबरदस्त पतन की ओर धकेल देते हैं।

सिर्फनाम नहीं है बरकतउल्ला विश्वविद्यालय इतिहास और पहचान के सवाल

राजु कुमार

हाल के दिनों में भोपाल स्थित बरकतउल्ला विश्वविद्यालय का नाम बदलकर वाग्देवी भोजपाल विश्वविद्यालय करने के प्रस्ताव ने मध्यप्रदेश में तीखी बहस छेड़ दी। विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद द्वारा पारित इस प्रस्ताव के खिलाफभोपाल सहित प्रदेश के अनेक हिस्सों में विरोध हुआ। शिक्षकों, छात्रों, इतिहासकारों, सामाजिक संगठनों और विभिन्न राजनीतिक दलों ने इसे एक स्वतंत्रता सेनानी और शिक्षाविद के सम्मान के प्रतिकूल बताया। नाम परिवर्तन का विरोध लगातार तेज हो रहा था। इस बीच विश्वविद्यालय अन्य प्रशासनिक विवादों में भी चर्चा में आ गया। बाद में कुलपति ने इस्तीफा दे दिया। इसके बाद नाम परिवर्तन के प्रस्ताव को लेकर उठते सवालों पर रजिस्ट्रार ने कहा कि यह पूर्व कुलपति की पहल थी और उनके पद छोड़ने के बाद इस पर आगे नहीं बढ़ा जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि उच्च शिक्षा विभाग ने इस प्रस्ताव का समर्थन नहीं किया था। यद्यपि यह केवल रजिस्ट्रार का बयान था। कार्यपरिषद ने अपना प्रस्ताव अब तक औपचारिक रूप से वापस नहीं लिया है और न ही इस संबंध में कोई सार्वजनिक अधिसूचना जारी हुई है। मामला फिलहाल ठंडे बस्ते में चला गया है और विरोध भी धीमा पड़ गया है। लेकिन जब तक प्रस्ताव विधिवत वापस नहीं लिया जाता, तब तक इस विवाद को समाप्त मानना उचित नहीं होगा। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि आखिर इसकी आवश्यकता क्या थी? क्या किसी एक महापुरुष का सम्मान दूसरे महापुरुष की पहचान मिटाकर किया जाना चाहिए? विरोध करने वालों का भी यही कहना था कि यदि राजा भोज या वाग्देवी के सम्मान में विश्वविद्यालय स्थापित करना है तो नया विश्वविद्यालय बनाया जाए। लेकिन दशकों से एक स्वतंत्रता सेनानी के नाम से जुड़ी संस्था की पहचान बदलना इतिहास के साथ न्याय नहीं होगा। मौलाना बरकतउल्ला भोपाली केवल भोपाल के नहीं, बल्कि भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के अंतरराष्ट्रीय चेहरों में से एक थे। 7 जुलाई,1854 में जन्मे बरकतउल्ला उच्च कोटि के शिक्षाविद, बहुभाषाविद और क्रांतिकारी राष्ट्रवादी थे। उन्होंने जापान सहित अनेक देशों में अध्यापन किया और विदेशों में भारत की आजादी के पक्ष में जनमत तैयार किया। प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान उन्होंने विदेशों में सक्रिय भारतीय क्रांतिकारियों के साथ मिलकर ब्रिटिश शासन के खिलाफ अभियान चलाया। 1 दिसंबर, 1915 में काबुल में गठित भारत की निर्वासित अस्थायी सरकार में वे प्रधानमंत्री बने, जबकि राजा महेंद्र प्रताप उसके राष्ट्रपति थे। विदेशी धरती पर भारत की स्वतंत्रता के लिए यह अपने समय का ऐतिहासिक राजनीतिक प्रयास था। स्वतंत्र भारत देखने से पहले ही उनका निधन हो गया, लेकिन उनका योगदान भारतीय इतिहास में हमेशा दर्ज रहेगा।इसी योगदान के सम्मान में 1988 में भोपाल विश्वविद्यालय का नाम बदलकर बरकतउल्ला विश्वविद्यालय रखा गया था। यह निर्णय किसी धार्मिक पहचान के आधार पर नहीं, बल्कि उस व्यक्ति के सम्मान में लिया गया था जिसने अपना पूरा जीवन भारत की स्वतंत्रता के लिए समर्पित कर दिया। इसलिए यदि आज उसी विश्वविद्यालय से उनका नाम हटाने की कोशिश होती है तो स्वाभाविक है कि समाज सवाल पूछे। इस पूरे विवाद के दौरान यह प्रश्न भी उठता रहा कि क्या बरकतउल्ला का नाम केवल इसलिए विवाद का विषय बना क्योंकि वे मुस्लिम थे? सरकार और विश्वविद्यालय ने ऐसा कोई कारण नहीं बताया। ऐसे में इस आशंका को पूरी तरह समाप्त करने का सबसे उचित तरीका यही है कि नाम परिवर्तन के प्रस्ताव को औपचारिक रूप से वापस लिया जाए। अन्यथा यह विवाद समय-समय पर फिर उभर सकता है। दूसरा बड़ा सवाल यह है कि क्या विश्वविद्यालयों की सबसे बड़ी समस्या वास्तव में उनका नाम है? प्रदेश के अधिकांश विश्वविद्यालय आज घटते नामांकन, रिक्त पदों, कमजोर शोध, परीक्षा संबंधी समस्याओं, प्रशासनिक विवादों और गुणवत्ता सुधार जैसी गंभीर चुनौतियों से जूझ रहे हैं। स्वयं बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भी समय-समय पर इन्हीं कारणों से चर्चा में रहा है। ऐसे में प्राथमिकता नाम बदलना नहीं, बल्कि शिक्षा की गुणवत्ता सुधारना होनी चाहिए। राजा भोज भारतीय इतिहास के कुशल शासक, विद्वान और संस्कृ ति पुरुष माने जाते हैं। यदि राज्य सरकार उनके नाम पर नया विश्वविद्यालय, शोध संस्थान, उत्कृष्टता केंद्र या अन्य शैक्षणिक संस्था स्थापित करना चाहे तो वह कर सकती है। लेकिन इसके लिए बरकतउल्ला विश्वविद्यालय की ऐतिहासिक पहचान बदलना न आवश्यक है और न ही न्यायसंगत है। विश्वविद्यालय केवल डिग्री देने वाले संस्थान नहीं होते, वे समाज की ऐतिहासिक स्मृति के भी संरक्षक होते हैं। इसलिए यह पर्याप्त नहीं कि यह प्रस्ताव फिलहाल ठंडे बस्ते में पड़ा है। कार्यपरिषद को इसे औपचारिक रूप से वापस लेना चाहिए, ताकि भविष्य में इसे फिर जीवित करने की गुंजाइश न रहे। राज्य सरकार को भी स्पष्ट संदेश देना चाहिए कि स्वतंत्रता सेनानियों और शिक्षाविदों की विरासत से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय की पहचान अक्षुण्ण रहनी चाहिए।

क्यों कमजोर हो रहा है खेत और बैल का रिश्ता?

> श्विक भू-राजनीतिक अस्थिरता और कच्चे तेल की आसमान छूती कीमतों ने दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं को एक बार फिर ऊर्जा संकट के मुहाने पर खड़ा कर दिया है। इस संकट से उबरने और विदेशी मुद्रा भंडार पर पड़ रहे दबाव को कम करने के लिए दुनिया भर में श्एथेनॉलश् को एक अचूक समाधान के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। हाल ही में ब्राजील द्वारा श्एथेनॉलश् से बिजली ग्रिड को संभालने का प्रयोग और भारत सरकार द्वारा देश में 100प्रतिशत श्एथेनॉलश् से चलने वाले वाहनों को कानूनी मंजूरी देना इसी दिशा में उठाए गए बड़े कदम हैं। विकास की इस आपाधापी में पर्यावरणविदों और वैज्ञानिकों ने एक यक्ष प्रश्न खड़ा कर दिया है कि क्या हम तेल आयात का बिल कम करने की जल्दबाजी में अपनी आने वाली पीढ़ियों का पानी।

बाबा मायाराम

बारिश का मौसम आने के बाद खेती-बाड़ी का काम शुरू हो गया है। खेतों में अब बैलों की जगह ट्रेक्टर जुताई करते दिख रहे हैं। इससे खेती और पशुओं का रिश्ता कमजोर दिखाई दे रहा है। आज इस पर बात करना चाहूंगा, जिससे हम खेती, बैल और गांव को समग्रता में समझ सकें। अगर मैं बचपन को याद करूं तो पशुपालन बहुत ही महत्वपूर्ण था। हमारे गांव में लोग परिवार के सदस्य की तरह पशुओं को यानी गाय-बैल को रखते थे। छत्तीसगढ़ में भी पशुओं से प्रेम की परंपरा रही है। खेती बिना बैल का बहुत ही अच्छा रिश्ता था। खेती से मनुष्य को अनाज मिलता था, और बैलों को चारा उपलब्ध हो जाता था। पशुओं के गोबर-गोमूत्र से उपजाऊ गोबर खाद मिलती थी, जिससे मिट्टी उर्वर बनती थी। रासायनिक खेती से सबसे बड़ा नुकसान पारंपरिक पशुपालन का हुआ है। पशुओं की संख्या घटी है। इससे आदिवासी, दलित और पिछड़े समुदाय के गरीब लोगों की आजीविका प्रभावित हो रही है। पहले देशी गाय, भैंस, बकरी, भेड़, गधे, घोड़े आदि से इनकी आजीविका चलती थी। लेकिन अब इनकी संख्या बहुत कम हो गई है या नहीं के बराबर है। अब जो डेयरी उद्योग के रूप में पशुपालन हो रहा है, वह बहुत महंगा और पूंजी प्रधान है। पशुधन कम होने का एक कारण मवेशियों के लिए चारे और भूसे की कमी है। गांव में पहले चरोखर की जमीन, नदी-नालों व गांव के आसपास की जमीन पर पशु चरा करते थे। अब यह जमीनें कई कारणों से उपलब्ध नहीं हैं। इसी प्रकार, हार्वेस्टर से कटाई होने के कारण भूसा या फसलों के डंठल जला दिए जाते हैं, इस कारण भूसा भी नहीं मिल पाता। अब यह समस्या है कि अब मवेशियों को क्या चराएं? खेती और पशुपालन एक दूसरे के पूरक माने जाते हैं। खेती में उस समय बड़ा मोड़ आया जब खेतों की जुताई बैलों से होने लगी। यह रिश्ता सैकड़ों सालों से चला आ रहा है। किसान के घरो में गायें होती थीं। उनके बछड़े बड़े होने पर खेतों की जुताई करने के काम आते थे। अनुकूल मिट्टी, हवा, पानी, बीज, पशु ऊर्जा और मानव ऊर्जा से ही खेतों में अनाज पैदा हो जाता था। अब तक वास्तविक उत्पादन सिर्फखेती में ही होता है। एक दाना बोओ तो कई दाने पैदा होते हैं और उसी से हमारे भोजन की जरूरत पूरी होती है। परंपरागत खेती में बैलों से जुताई, मोट और रहट से सिंचाई और बैलगाड़ी के जरिये फसलों व अनाज की ढुलाई की जाती थी। खेत से खलिहान तक, खलिहान से घर तक और घर से बाजार तक किसान बैलगाड़ियों से अनाज ढोते थे। गांव में बढ़ई का काम कृषि यंत्र बनाना होता था। वह बैलगाड़ी के चक्के, बक्खर और हल बनाता था। जिसके बदले उसे किसानों से अनाज मिलता था। परंपरागत खेती में अलग से बाहरी निवेश की जरूरत नहीं थी। न फसलों में खाद डालने की जरूरत थी और न ही कीटनाशक या निंदानाशक। पशुओं की देखभाल में अतिरिक्त खर्च नहीं होता था। फसलों के डंठल से तैयार भूसा, पुआल व मेढ़ पर होने वाले चारे से उनका पेट भर जाता था। खेतों में होने वाली फसलों से जो डंठल,पुआल और खरपतवार होती थी, वह मवेशियों को खिलाने के काम आती थी। बथुआ जैसी हरी भाजी को तो मवेशियों को खिलाया जाता था, उसे मनुष्य भी खाते थे, अब निंदानाशक डालने से खत्म हो गई है। दूसरी तरफ खेत में डंठल व पुआल आदि सड़कर जैव खाद बनाते थे और पशुओं के गोबर से बहुत अच्छी खाद मिल जाती थी। गोबर खाद से खेतों में मिट्टी की उर्वरकता बढ़ती जाती थी। फसलों के मित्र कीट ही कीटनाशक का काम करते थे।

गाय-बैल को खिलाने के लिए पहले खेतों में कई तरह का चारा उपलब्ध था। लेकिन अब निंदानाशक या खरपतवार नाशक दवाईयों के छिड़काव के कारण ये चारे उपलब्ध नहीं हैं या कम हो गए हैं। इस कारण पशुपालन कम होता जा रहा है। लेकिन ऊर्जा संकट, बिजली संकट और मानव श्रम की बहुलता के मद्देनजर हमें टिकाऊ खेती की ओर बढ़ना पड़ेगा और इसमें पशु ऊर्जा की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। हमारी ग्रामीण अर्थव्यवस्था केवल खेती-किसानी से ही नहीं, पशुपालन और छोटे-छोटे लघु-कुटीर उद्योग व लघु व्यवसायों से संचालित होती रही है। मवेशी एक तरह से लोगों के फिक्स्ड डिपॉजिट हुआ करते थे, जिन्हें बहुत जरूरत पड़ने पर वे बेच देते थे। लेकिन आम तौर पर गाय-बैल और मनुष्य के आपसी स्नेह और प्यार की कई कहानियां अब भी प्रचलन में हैं। उनके प्रति गहरी संवेदनशीलता भी देखने में आती थी। उन्हें बड़े लाड़-प्यार से पाला-पोसा जाता। बैलों के प्रति विशेष प्रेम तब दिखाई देता है जब उन्हें दीपावली के समय रंग-बिरंगी फीते, गेंठा, मुछेड़ी, नाथ और पट्टों से सजाया जाता है। पोला में भी बैलों की पूजा की जाती है। अक्ती त्योहार भी खेती से जुड़ा है। कुछ समय पहले तक गाय-बैल को नहलाने-धुलाने से लेकर चराने-पिलाने का हर काम जिम्मेदारी से किया जाता था। खासकर महिलाएं और बच्चे मवेशियों की देखभाल में मदद करते थे। महिलाएं मवेशियों को बांधने के कोठा या सार की साफ-सफाई, भूसा-चारा डालना आदि का काम करती थीं। जबकि बच्चे उन्हें घास या भूसा डालने से लेकर पानी पिलाने का काम करते थे। अब भी असिंचित, जंगलपट्टी व मिश्रित खेती वाले क्षेत्रों में पशुपालन होता है। वहां आज भी बैलों से जुताई की जाती है। अब पशुओं की देखभाल नहीं की जा रही है, उन्हें छोड़ दिया गया है। खेती और पशुपालन एक दूसरे के पूरक हैं। इसका उदाहरण राजस्थान से आने वाले घुमंतू पशुपालकों की भेड़-बकरियों, ऊंटों को किसान अपने खेतों में चरने की इजाजत देते हैं जिससे खेत उर्वर बने और उनका पेट भी भरे। यही घुमंतू पशुपालक पशुओं की अच्छी नस्ल उपलब्ध कराने में विशेष भूमिका निभाते थे। पहले गांव में सभी घरों के मवेशियों को चराने के लिए एक व्यक्ति को नियुक्त कर दिया जाता था। एक साथ जो पशु चरने जाते थे उसे नार कहते थे। बदले में उस व्यक्ति को हर घर से अनाज मिलता था, जो मवेशी चराता था। हल-बैल की जगह ट्रैक्टर की जुताई से मिट्टी भी सख्त (भट्टल) हो रही है। इससे उत्पादन भी प्रभावित होता है। कुल मिलाकर, खेती और पशुपालन का रिश्ता आज टूट रहा है। लेकिन अगर इसको बरकरार रखा जाए तो न केवल हमें भूमि को उर्वर बनाने के लिए गोबर खाद मिलेगी। बल्कि बड़ी आबादी को रोजगार भी मिलेगा।

रूसी तेल टर्मिनल पर यूक्रेन का हमला

दुश्मन के युद्ध मशीन को कर रहे कमजोरः जेलेंस्की

एजेंसी

मॉस्को। रूस-यूक्रेन के बीच जारी जंग पांचवें वर्ष में पहुंच चुका है और यह अब दोनों देशों के शहरों और आम नागरिकों के जीवन पर पहले से अधिक असर डाल रहा है। इसी बीच यूक्रेन ने रूस के सेंट पीटर्सबर्ग में तेल टर्मिनल पर ड्रोन से हमला किया है। इस हमले को लेकर दोनों देशों के राष्ट्रपतियों ने प्रतिक्रिया भी दी है। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध में यूक्रेन ने एक बार फिर रूस के ऊर्जा ढांचे को निशाना बनाया है। शनिवार को यूक्रेनी ड्रोन हमले में रूस के दूसरे सबसे बड़े शहर सेंट पीटर्सबर्ग के एक तेल टर्मिनल पर हमला हुआ। रूसी अधिकारियों ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि यह हमला शहर के कीरोव्स्की जिले में हुआ, जहां बाल्टिक सागर के किनारे तेल टर्मिनल स्थित है।

सेंट पीटर्सबर्ग के गवर्नर अलेक्जेंडर बेगलोव के मुताबिक, रूसी वायु रक्षा प्रणाली ने शहर और आसपास के इलाकों में 72 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए। हालांकि तेल टर्मिनल को नुकसान पहुंचा है, लेकिन अभी तक किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं दी गई है। सेंट पीटर्सबर्ग के इसी इलाके पर जून महीने में भी हमला हुआ था। इसके साथ ही रूस के कब्जे वाले क्रीमिया में भी शनिवार को यूक्रेन के हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि 10 साल के एक बच्चे सहित दो अन्य लोग घायल हुए। स्थानीय प्रशासन के अनुसार, लगातार हमलों के कारण कई जगहों पर आम लोगों के लिए पेट्रोल की बिक्री भी रोकनी पड़ी है।

रूस की युद्ध मशीन को कमजोर कर रहे हैंः जेलेंस्की

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने इस हमले को रूस के खिलाफ 'लॉन्ग-रेंज सैंक्शंस' यानी लंबी दूरी की कार्रवाई बताया। उन्होंने कहा कि यूक्रेनी सेना ने केवल तेल टर्मिनल ही नहीं, बल्कि सेंट पीटर्सबर्ग के पास स्थित क्रोनश्टाट द्वीप पर मौजूद एक अहम सैन्य ठिकाने को भी निशाना बनाया। जेलेंस्की ने कहा कि रूस की तेल अवसंरचना से मिलने वाला पैसा उसकी युद्ध मशीन को मजबूत करता है, इसलिए ऐसे ठिकानों पर हमले किए जा रहे हैं। यूक्रेन पिछले कई महीनों से रूस के तेल डिपो, रिफाइनरी और ईंधन भंडारण केंद्रों पर लगातार ड्रोन हमले कर रहा है। इन हमलों की वजह से रूस के कई हिस्सों में ईंधन आपूर्ति प्रभावित हुई है और सरकार पर दबाव बढ़ा है।

बेलगोरोद और जापोरिज्जिया भी बने निशाना

रूस के सीमावर्ती शहर बेलगोरोद में भी रातभर हुए यूक्रेनी ड्रोन हमलों के बाद बड़े पैमाने पर बिजली आपूर्ति ठप हो गई। वहीं, रूस के हमले में यूक्रेन के जापोरिज्जिया क्षेत्र में रिहायशी इमारतें क्षतिग्रस्त हुईं, जिसमें दो बच्चों समेत आठ लोग घायल हो गए।

रूस ने कोस्त्यांतिनिव्का पर कब्जे का किया दावा

इस बीच पुतिन ने शुक्रवार को यूक्रेन युद्ध का संचालन कर रहे सैन्य मुख्यालय का दौरा किया। वहां उन्हें कोस्त्यांतिनिव्का शहर पर कब्जे की जानकारी दी गई। पुतिन ने इसे बड़ी रणनीतिक सफलता बताया और कहा कि इससे स्लोवियांस्क और क्रामातोर्स्क जैसे अहम शहरों तक पहुंच आसान होगी। हालांकि यूक्रेन ने रूस के इस दावे को पूरी तरह खारिज कर दिया है। यूक्रेनी सेना के प्रवक्ता मेजर आंद्रिय कोवालेव ने कहा कि रूस गलत जानकारी फैला रहा है।

और उसकी सेना अभी तक शहर पर कब्जा नहीं कर सकी है।

अमेरिका के मिशिगन में मॉल के अंदर अंधाधुंध फायरिंग, दो लोगों की मौत

वॉशिंगटन। अमेरिका के मिशिगन राज्य के डियरबॉर्न शहर में शुक्रवार को एक शॉपिंग मॉल में गोलीबारी की घटना हुई। पुलिस ने बताया कि युवाओं के दो गुटों के बीच हुई इस हिंसक झड़प में दो लोगों की जान चली गई और एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। यह घटना फेयरलेन टाउन सेंटर मॉल में हुई। मॉल में जब गोलियां चलीं, तो वहां मौजूद लोगों के बीच अफरा-तफरी मच गई। लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। डियरबॉर्न पुलिस प्रमुख ईसा शाहीन ने जानकारी दी कि भागने की कोशिश में एक व्यक्ति मॉल के बाहर एक वाहन की टक्कर लगने से घायल हो गया। पुलिस ने झगड़े से जुड़े कुछ संदिग्धों से थाने में पूछताछ की है, लेकिन फिलहाल किसी को हिरासत में नहीं लिया गया है। पुलिस प्रमुख ने स्पष्ट किया कि यह कोई अचानक या रैंडम हमला नहीं था। दोनों गुट एक-दूसरे को पहले से जानते थे। मॉल में आमना-सामना होने पर उनके बीच झगड़ा शुरू हुआ, जो देखते ही देखते गोलीबारी में बदल गया। उन्होंने बताया कि दोनों गुटों के सदस्यों के पास पिस्तौल थीं। इस गोलीबारी में एक पीड़ित की मौत मॉल के अंदर ही हो गई, जबकि दूसरे व्यक्ति ने पास के अस्पताल में दम तोड़ दिया।

खामेनेई के अंतिम संस्कार के बीच ट्रंप-नेतन्याहू ने फोन पर की बात

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति और इस्राइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के बीच फोन पर बात हुई है। इस बातचीत में नेतन्याहू ने अमेरिकी राष्ट्रपति को अमेरिका की आजादी की 250वीं वर्षगांठ पर शुभकामना दी। इस्राइली पीएमओ ने दोनों नेताओं के बीच बातचीत का विवरण दिया है। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से फोन पर बात की है। टाइम्स ऑफ इस्राइल ने इस्राइली पीएमओ के हवाले से यह जानकारी दी है। दोनों नेता फोन पर हुई इस बातचीत में निकट भविष्य में वॉशिंगटन में मिलने पर राजी हुए हैं। इस्राइली पीएमओ के बयान के अनुसार, 'नेतन्याहू ने अमेरिका की स्थापना की 250वीं वर्षगांठ पर ट्रंप को बधाई दी और कहा, अमेरिका ही वह देश है, जो दुनिया की आजादी सुनिश्चित करता है और इस्राइल, दोनों देशों के बीच के मजबूत संबंध की सराहना करता है।'

वहीं अमेरिका और ईरान के बीच वार्ताएं जारी हैं। 1 जुलाई को दोहा में अमेरिकी और ईरानी वार्ताकारों ने कतर और पाकिस्तान के साथ अलग-अलग बैठकें कीं। बैठकों के बाद आधिकारिक बयान में 14 सूत्री समझौता ज्ञापन से संबंधित मुद्दों पर सकारात्मक प्रगति दर्ज की गई। कतर ने कहा, दोनों पक्ष आगामी समय में बातचीत जारी रखने पर सहमत हुए हैं।

ट्रंप ने नेतन्याहू की आलोचना की थी

गौरतलब है कि दोनों नेताओं के बीच फोन पर बातचीत ऐसे समय हुई है, जब ईरान में सर्वोच्च धार्मिक नेता अयातुल्ला अली खामेनेई को अंतिम विदाई देने की तैयारी की जा रही है। ट्रंप और नेतन्याहू की फोन पर बातचीत इसलिए भी अहम है क्योंकि हाल के हफ्तों में ट्रंप ने नेतन्याहू की सार्वजनिक रूप से आलोचना की है और दोनों नेताओं के बीच लेबनान में इस्राइली कार्रवाई को लेकर मतभेद उभरे थे। हालांकि अब इस बातचीत ने संकेत दिए हैं कि सबकुछ ठीक है।

सार सुर्खियां

नोएडा मेट्रो की लिंक लाइन का बदला अलाइनमेंट

नोएडा। नोएडा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (एनएमआरसी) ने बॉटेनिकल गार्डन से सेक्टर-142 तक प्रस्तावित एक्वा लिंक लाइन परियोजना के अलाइनमेंट में बदलाव कर दिया है। सेक्टर-44 के निवासियों की आपत्ति के बाद यह फैसला लिया गया है। पहले मेट्रो लाइन सेक्टर के अंदर से गुजरने वाली थी, लेकिन अब इसे सेक्टर-44 के बाहर से निकाला जाएगा। इससे परियोजना की लंबाई एक किलोमीटर बढ़ गई है और लागत में करीब 100 करोड़ रुपये का इजाफा होने की संभावना है। एनएमआरसी के अनुसार, इस परियोजना को चार साल में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके शुरू होने से करीब दो लाख लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। साथ ही ग्रेटर नोएडा और जेवर एयरपोर्ट की कनेक्टिविटी दिल्ली-एनसीआर के अन्य हिस्सों से और बेहतर होगी। नई लिंक लाइन बॉटेनिकल गार्डन स्टेशन पर दिल्ली मेट्रो की ब्लू लाइन और मैजेंटा लाइन से जुड़ेगी। इससे नोएडा, ग्रेटर नोएडा और जेवर एयरपोर्ट की ओर आने-जाने वाले यात्रियों को बेहतर इंटरचेंज सुविधा मिलेगी।संशोधित योजना के अनुसार, मेट्रो लाइन बॉटेनिकल गार्डन स्टेशन से शुरू होकर सेक्टर-44 स्थित एमिटी इंटरनेशनल स्कूल के गेट नंबर-4 के सामने ग्रीन बेल्ट तक पहुंचेगी, जहां पहला स्टेशन बनाया जाएगा। इसके बाद लाइन दाईं ओर मुड़कर सेक्टर-44 और नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे की 45 मीटर सड़क को पार करते हुए ग्रीन बेल्ट के रास्ते सेक्टर-142 तक जाएगी। अलाइनमेंट बदलने के बाद परियोजना की लंबाई 11.56 किलोमीटर से बढ़कर 12.56 किलोमीटर हो गई है। वहीं अनुमानित लागत 2254.35 करोड़ रुपये से बढ़कर 2354.35 करोड़ रुपये पहुंच जाएगी। एनएमआरसी के प्रबंध निदेशक कृष्णा करुणेश ने बताया कि एक्वा लाइन विस्तार और लिंक लाइन निर्माण के लिए नौ कंपनियों ने आवेदन किया है। तकनीकी परीक्षण के बाद एक महीने के भीतर निर्माण कार्य का ठेका दे दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सेक्टर-44 के भीतर की बजाय अब मेट्रो लाइन को सेक्टर के बाहर से ले जाया जाएगा। परियोजना के निर्माण के लिए लार्सन एंड टुब्रो लिमिटेड, रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल), मिलन रोड बिल्डटेक एलएलपी, जे कुमार इंफ्राप्रोजेक्ट्स लिमिटेड, दिलीप बिल्डकॉन लिमिटेड, एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड, रणजीत बिल्डकॉन लिमिटेड, सेम इंडिया प्रोजेक्ट्स लिमिटेड और केईसी इंटरनेशनल लिमिटेड ने आवेदन किया है। तकनीकी मूल्यांकन के बाद इनमें से एक कंपनी को निर्माण की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। इस मेट्रो कॉरिडोर पर बॉटेनिकल गार्डन, सेक्टर-44, सेक्टर-96 (नोएडा प्रशासनिक भवन), सेक्टर-105, सेक्टर-108, सेक्टर-93, पंचशील बालक इंटर कॉलेज और सेक्टर-142 स्टेशन होंगे। सेक्टर-142 पहले से तैयार है। वहीं डिपो से बोड़ाकी तक विस्तार में जूनापत और बोड़ाकी नाम के दो नए स्टेशन भी बनाए जाएंगे।

बिहार के बीजेपी विधायक राजू सिंह को हर्ष फायरिंग मामले में हुई 4 साल की जेल

नयी दिल्ली। बिहार के बीजेपी विधायक राजू सिंह की मुश्किलें एक बार फिर से बढ़ गई हैं। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने साल 2018 के हर्ष फायरिंग मामले में बिहार के साहेबगंज से बीजेपी विधायक राजू कुमार को दोषी पाते हुए 4 साल की सजा सुनाई है। सजा के साथ कोर्ट ने उन पर 25 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। यह घटना साल 2018 की है, जब दिल्ली के एक फार्महाउस में न्यू ईयर (नए साल) पार्टी के दौरान अंधाधुंध हवाई फायरिंग की गई थी। इस हर्ष फायरिंग के दौरान एक महिला को गोली लग गई थी, जिसकी इलाज के दौरान मौत हो गई थी। मामले की जांच के बाद पुलिस ने विधायक राजू सिंह को मुख्य आरोपी बनाया था। दिल्ली की कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने और सबूतों के आधार पर बीजेपी विधायक को सजा का एलान किया। 4 साल की कैद और 25 लाख रुपये मुआवजे की इस सजा के बाद, अब कानूनन विधायक राजू सिंह की विधानसभा सदस्यता पर भी खतरा मंडराने लगा है।

बारिश में ट्रांसफार्मर के पास फिसली महिला, करंट लगने से हुई मौत

ठाणे । महाराष्ट्र के ठाणे जिले में भारी बारिश के दौरान एक महिला बिजली के ट्रांसफार्मर के पास गिर गयी, जिससे तार के संपर्क में आने के कारण उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना एक जुलाई की रात डोंबिवली के कचेरी गांव में हुई, जहां स्थानीय दुकानदार एवं पीड़िता शशि राहुल चक्र (35) अपनी दुकान के लिए सामान लेने गई थीं। अधिकारी ने बताया, घर लौटते समय पीड़िता सार्वजनिक शौचालय के पास लगे बिजली ट्रांसफार्मर के नजदीक फिसलकर गिर गई। उन्होंने बताया कि घटना के बाद वहां से गुजर रहे लोग महिला की मदद के लिए मौके पर पहुंचे और उसे पास के अस्पताल ले गए। हालांकि, अस्पताल पहुंचते ही चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अधिकारी ने बताया कि चिकित्सकों ने पुष्टि की है कि ट्रांसफार्मर से लगे तेज बिजली के झटके से महिला की मौत हुई है। उन्होंने कहा कि पुलिस ने फिलहाल इस संबंध में दुर्घटनावश मौत का मामला दर्ज किया है और मामले की जांच जारी है।

सरकार की नई योजना, मशरूम यूनिट लगाने पर मिलेगी 80 हजार रुपये तक सहायता

चंडीगढ़ । पंजाब सरकार फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने और किसानों की आय में वृद्धि करने के प्रयासों के तहत श्राज्य योजनाश् के अंतर्गत मशरूम उत्पादन इकाइयां स्थापित करने के लिए अधिकतम 80,000 रुपये तक की रियायत दे रही है। बागवानी मंत्री मोहिंदर भगत ने कहा कि किसान लगभग दो लाख रुपये की अनुमानित लागत से एक छोटी मशरूम उत्पादन इकाई स्थापित कर सकते हैं। इस योजना के तहत, बागवानी विभाग पात्र लाभार्थियों को 40 प्रतिशत की रियायत प्रदान करता है, और इसकी अधिकतम सीमा 80,000 रुपये तय की गई है।

भारत की मानवीय मदद की वेनेजुएला ने की तारीफ

भाईचारे का शानदार उदाहरणः विदेश मंत्री

एजेंसी

काराकास। वेनेजुएला के विदेश मंत्री इवान गिल ने भारत के ऑपरेशन अमिस्ताद और फील्ड अस्पताल की सराहना की। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद देते हुए कहा कि भारत ने संकट की घड़ी में सच्चे मित्र की तरह साथ दिया। वेनेजुएला के विदेश मंत्री इवान गिल ने आज ऑपरेशन अमिस्ताद की सराहना की। दरअसल, मंत्री इवान गिल भारत की ओर से स्थापित फील्ड अस्पताल का दौरा किया। वहां दी गई चिकित्सा सेवाओं की सराहना की। यात्रा के अंत में अपने प्रेस बयान में गिल ने कहा कि वेनेजुएला में भारत के राजदूत पीके अशोक बाबू के साथ उन्होंने एकजुटता के मार्मिक प्रदर्शन को देखा। इसके साथ ही मदद का हाथ बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दिया।

उन्होंने कहा 'हम आपको सूचित करना चाहते हैं कि हमने इस फील्ड अस्पताल का दौरा किया है। यह फील्ड अस्पताल भारत सरकार की ओर से स्थापित किया गया है, जो हमारी मित्र और भाईचारे वाली सरकार है। वेनेजुएला में भारत से हमारे साथ राजदूत अशोक बाबू, यहां के संचालन के प्रभारी कमांडर, राष्ट्रीय हिप्पोड्रोम संस्थान के निदेशक और अध्यक्ष जूलियो

लियोन भी मौजूद हैं, जो इस अस्पताल की स्थापना के लिए सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि हमने देखा है कि प्रतिदिन 400 लोगों को विभिन्न प्रकार की सहायता दी जा रही है। वीडियो में हम भूकंप के दौरान घायल हुए, फ्रैक्चर वाले और हेमाटोमा से ग्रस्त लोगों को देखेंगे। हमने ऐसे लोगों को भी देखा है जिन्हें दंत चिकित्सा, एक्स-रे और छोटी-मोटी सर्जरी की सुविधा मिल रही है। हमने उन बचावकर्मियों पर भी ध्यान दिया है जो वेनेजुएला में बचाव अभियान के दौरान घायल हुए थे और अपने देशवासियों को बचाते समय उन्हें चोटें आई थीं। । उन्होंने कहा, 'मैं भारत सरकार और उसके प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद देना चाहता हूं। हमने हाल ही में भारत का दौरा किया था। यहां भाईचारे का एक उदाहरण देखने को मिला। यह उन लोगों का भाईचारा है जो वेनेजुएला के लोगों की सेवा कर रहे हैं।

ऑनलाइन निवेश के नाम पर बैंक अधिकारी बना ठगी का शिकार, 46.41 लाख गंवाए

पालघर। महाराष्ट्र के पालघर में एक सहकारी बैंक के वरिष्ठ अधिकारी के साथ साइबर ठगों ने शेयर बाजार में निवेश पर भारी मुनाफे का झांसा देकर 46.41 लाख रुपये की ठगी की। प्राप्त शिकायत के आधार पर मीरा-भायंदर वसई-विरार पुलिस ने नौ लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इनमें व्हाट्सऐप ग्रुप के कथित एडमिन भी शामिल हैं, जिनकी पहचान अभिनव राजपूत, विक्रांत ठाकुर, नीलम अग्रवाल और काव्या के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, पीड़ित वसई का निवासी है और मुंबई स्थित एक सहकारी बैंक की शाखा में उप प्रबंधक के पद पर कार्यरत है। उसने आरोप लगाया कि अप्रैल से जून 2024 के बीच उसे निवेश से जुड़े कई व्हाट्सऐप ग्रुप में जोड़ा गया, जहां आरोपियों ने खुद को प्रतिष्ठित निवेश कंपनियों का अधिकारी बताकर उसे शेयर में निवेश करने के लिए प्रेरित किया। आरोपियों ने उसे कुछ मोबाइल एप डाउनलोड करने के लिंक भेजे। अधिकारियों ने बताया कि पीड़ित को एक फर्जी श्सेबीश् पंजीकरण प्रमाणपत्र भी दिखाया गया, जिससे वह भरोसे में आ गया और उसने ने दो महीने के भीतर अलग-अलग बैंक लेनदेन के जरिए कुल 46.41 लाख रुपये का निवेश किया। धोखाधड़ी का पता तब चला जब एप पर उसे 8.12 करोड़ रुपये से अधिक का कथित मुनाफा दिखाया गया, लेकिन वह अपनी रकम निकाल नहीं पाया। जब उसने आरोपियों से संपर्क किया।

राष्ट्रपति ट्रंप के 'ईरान को भोजन चाहिए' बयान पर भड़के गालिबाफ

बोले- पहले अपने फूड स्टैम्प देखिए

एजेंसी

तेहरान। ईरानी संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाकेर गालिबाफ ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान की आलोचना की, जिसमें उन्होंने कहा था कि ईरान को अमेरिकी खाद्यान्न की जरूरत है। गालिबाफ ने पलटवार करते हुए कहा कि पहले अमेरिका अपने करोड़ों फूड स्टैम्प पर निर्भर नागरिकों की चिंता करे। ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकेर गालिबाफ ने शुक्रवार को ईरान की अर्थव्यवस्था और खाद्य आवश्यकताओं पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टिप्पणियों की आलोचना की। उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप पर अमेरिका की घरेलू चुनौतियों को ईरान पर थोपने का आरोप लगाया। यह आरोप तब लगाया गया जब ट्रंप ने कहा कि अमेरिका संभावित राजनयिक सफलता के तहत ईरान को खाद्य पदार्थों का निर्यात करने की उम्मीद करता है। एक्स पर एक पोस्ट में गालिबाफ ने कहा, 'जरा सोचिए, आपके अपने ही चालीस मिलियन से ज्यादा नागरिक फूड स्टैम्प पर निर्भर हैं और आप दूसरे देश को भूखा कह रहे हैं। यह कोई घोषणा नहीं है, यह तो बस एक अनुमान है।

अपनी स्क्कक सलाह अपने पास रखिए।' उन्होंने आगे कहा, 'हमारी संपत्ति, हमारे विकल्प। कुपोषण की दर पर ध्यान दें।' ये टिप्पणियां तब आई जब ट्रंप ने सीएनबीसी को दिए एक साक्षात्कार में दावा किया कि ईरान की अर्थव्यवस्था बुरी तरह कमजोर हो गई है। ट्रंप ने कहा, 'वहां 300 प्रतिशत महंगाई है, वे कोई कमाई नहीं कर रहे हैं।' ट्रंप ने आगे कहा कि अमेरिका को उम्मीद है कि वह ईरान को खाद्य पदार्थों का निर्यात करेगा। उन्होंने कहा, 'उन्हें भोजन की आवश्यकता है।

उन्हें मक्का, गेहूं और सोयाबीन की आवश्यकता है, और हम केवल अपने अमेरिकी किसानों के माध्यम से इसकी आपूर्ति करेंगे। बशर्ते हम उस स्थिति तक पहुंच जाएं जहां हमें पहुंचना चाहिए।

क्या है एसएनएपी?

सीबीएस न्यूज के अनुसार, ट्रंप प्रशासन ने कहा है कि सप्लीमेंटल न्यूट्रिशन असिस्टेंस प्रोग्राम (एसएनएपी), जिसे फूड स्टैम्प के नाम से भी जाना जाता है। भुगतान संबंधी बंधी त्रुटियों के कारण अरबों डॉलर का नुकसान झेल रहा है। सीबीएस न्यूज के अनुसार, ने वित्त वर्ष 2025 के दौरान अमेरिकी परिवारों को 95.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर का लाभ दिया। जिसका अर्थ है कि भुगतान त्रुटियों के कारण कार्यक्रम के कुल खर्च का लगभग दसवां हिस्सा हुआ। वहीं, अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकेर गालिबाफ ने उज्बेकिस्तान की संसद के अध्यक्ष के साथ अपनी बैठक के दौरान कहा कि अमेरिका को यह स्वीकार करना होगा कि ईरान के साथ इस्राइल-अमेरिका संघर्ष के बाद वास्तविकताएं बदल गई हैं।

पाकिस्तान पैसों के लिए बेच रहा कैंसर वाला चावल! यूरोपीय यूनियन ने लिया एक्शन

एजेंसी

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार पाकिस्तान से 500 मेट्रिक टन चावल खरीदने का सौदा करने जा रही है। लेकिन ये कोई नॉर्मल डील नहीं ना ये कोई नॉर्मल चावल है। ये वही चावल है जिसे यूरोपीय यूनियन ने अपनी लैब में टेस्ट करने के बाद इंसानों के खाने लायक नहीं माना और लात मारकर रिजेक्ट कर दिया था। आतंकवाद एक्सपोर्ट करने वाले पाकिस्तान का अब एक नया और खौफनाक चेहरा सामने आया है। अब वो दुनिया को धीमा जहर यानी कैंसर वाला चावल बेच रहा है। सबसे ज्यादा हैरान करने वाली बात यह है कि इस जानलेवा साजिश का शिकार कोई और नहीं बल्कि बांग्लादेश बन रहा है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार पाकिस्तान से 500 मेट्रिक टन चावल खरीदने का सौदा करने जा रही है। लेकिन ये कोई नॉर्मल डील नहीं ना ये कोई नॉर्मल चावल है। ये वही चावल है जिसे यूरोपीय यूनियन ने अपनी लैब में टेस्ट करने के बाद इंसानों के खाने लायक नहीं माना और लात मारकर रिजेक्ट कर दिया था। दरअसल यूरोपीय यूनियन के सख्त खाद्य सुरक्षा मानकों के तहत जब पाकिस्तानी बासमती और गैर बासमती चावल की जांच की गई तो उसमें दो बेहद खतरनाक चीजें मिली। पहली प्रतिबंधित कीटनाशक पेस्टिसाइड की भारी मात्रा और दूसरी एफ्लॉकक्सिन नामक का एक फंगल जो जानलेवा है। मेडिकल साइंस और वैज्ञानिकों के मुताबिक एफ्लॉक टॉक्सिन तब पैदा होता है जब अनाज को बेहद खराब और गंदे तरीके घटिया तरीके से स्टोर किया जाता है। अगर कोई इंसान लंबे समय तक इस केमिकल और फंगल वाले चावल को खाता है तो उसे सीधे लिवर कैंसर। जी हां, मैंने सही बोला। लिवर कैंसर होने का खतरा बताते हैं डॉक्टर्स और वैज्ञानिक। यूरोप ने अपनी जनता को बचाने के लिए इस खेप को तुरंत वापस पाकिस्तान को भेज दिया। पाकिस्तान की बदमाशी की क्रोनोलॉजी भी समझाएंगे। जब पाकिस्तान ने यूरोपी देशों में अपना बासमती और नॉन बासमती चावल भेजा तो वहां के फूड सेफ्टी अधिकारियों ने उसे लैब टेस्ट किया और फाइनली रिजेक्ट कर दिया। वापस भेज दिया। ऐसे में पाकिस्तान को इन प्रतिबंधित और जहरीले कैटनासिक चावलों को तुरंत बैन कर देना चाहिए। लेकिन उसने इन दोनों टेस्ट में फेल होने के बाद ज्यादा पेस्टिसाइड्स और फ्लड टॉक्सिन जो पाया गया उसके फेलियर का कारण बना। लेकिन यूरोप ने अपनी जनता को बचा लिया और इस चावल को ब्लैकस्ट कर दिया। अब कायदे से पाकिस्तान को यह स्टॉक नष्ट कर देना चाहिए था। लेकिन आर्थिक कंगाली से जूझ रहे पाकिस्तान ने अपनी चालाकी दिखाई और उसने इस रिजेक्टेड जहरीले माल को नष्ट करने के बजाय इसे ठिकाने के लिए एक डंपिंग ग्राउंड ढूंढा और वो डंपिंग ग्राउंड बना बांग्लादेश। अंतरराष्ट्रीय बाजार में जब से भारत ने अपनी मजबूत वापसी की है पाकिस्तान का चावल एक्सपोर्ट औंधे में उग चुका है। बौखलाए पाकिस्तान ने बांग्लादेश को फंसाने के लिए एक प्राइस ट्रैक यानी कीमतों का एक जाल कि कम कीमत में देंगे ज्यादा चावल दे देंगे। बांग्लादेश में जब शेख हसीना की सरकार गिरी उसके बाद जो नई अंतरिम सरकार आई वो भारत पर जरा कम भरोसा कर रही थी और उसकी इस भूख ने फायदा पहुंचाया पाकिस्तान ने। पाकिस्तान

भारत और पाकिस्तान की तुलना अनुचित देश खुद करें फैसला: भारतीय राजदूत

एजेंसी

बीजिंग। चीन में भारत के राजदूत विक्रम दोराइस्वामी ने पश्चिम एशिया में मध्यस्थता को लेकर भारत-पाकिस्तान की तुलना को खारिज किया। उन्होंने कहा कि देशों को अपने हित के अनुसार निर्णय लेना चाहिए। भारत और चीन दोनों ही मौजूदा वैश्विक हालात में मध्यस्थता से दूरी बनाए हुए हैं। चीन में भारत के राजदूत विक्रम दोराइस्वामी ने पश्चिम एशिया में मध्यस्थता को लेकर भारत और पाकिस्तान की तुलना को खारिज करते हुए इसे अनुचित बताया। उन्होंने साफ कहा कि देशों को यह खुद तय करना चाहिए कि किसी विवाद में मध्यस्थता करना उनके

हित में है या नहीं। पाकिस्तान से तुलना पर उन्होंने कहा कि दोनों देशों की आर्थिक स्थिति और वैश्विक भूमिका खुद ही अंतर दिखाती है। भारत की वैश्विक भागीदारी को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि देश यूरोप और एशिया के साथ मजबूत आर्थिक संबंध रखता है। इस दौरान उन्होंने शांति और सुरक्षा के मुद्दों पर भारत की सक्रिय भूमिका का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भारत किसी भी संघर्ष में मध्यस्थता करने को लेकर सावधानी बरतता है। राजदूत ने कहा कि अभी का वैश्विक माहौल पहले से ही काफी तनाव पूर्ण है, ऐसे में मध्यस्थता से भारत को कोई खास लाभ नहीं दिखता।

भारत-चीन की मिलती-जुलती सोच

बीजिंग में विश्व शांति मंच के दौरान अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि चीन और भारत का रुख कई अंतरराष्ट्रीय संकटों पर काफी समान है। चाहे पश्चिम एशिया हो या यूरोप, दोनों देश सीधे मध्यस्थ बनने से बच रहे हैं। इस कार्यक्रम का आयोजन त्सिंघुआ यूनिवर्सिटी ने किया था।

नितिन नवीन ने बीजेपी कार्यालय में बैठक कर मिशन 2027 पर धार देने पर बनी रणनीति

एजेंसी

लखनऊ। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने शनिवार को कहा कि उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव में फिर से कमल खिलेगा और पार्टी कार्यकर्ता चुनाव के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। नवीन ने बातचीत में कहा, आज पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा दिखाया गया प्यार और स्नेह संकेत देता है कि 2027 में कमल निश्चित रूप से खिलेगा। उन्होंने कहा जिस तरह से डबल इंजन सरकार मोदी-योगी की जोड़ी ने उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश में बदल दिया है, कमल निश्चित रूप से उत्तर प्रदेश में खिलने के लिए तैयार है, जहां काशी विश्वनाथ, अयोध्या और मथुरा हैं। आज हमने लखनऊ और पूरे राज्य में पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच जो उत्साह देखा, उसके आधार पर हम निश्चित रूप से कह सकते हैं कि भाजपा कार्यकर्ता 2027 (विधानसभा चुनाव) के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। इससे पहले, नवीन का शनिवार को दो दिवसीय दौरे पर लखनऊ पहुंचने पर गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस दौरे के दौरान उनके 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी की योजना को कारगर बनाने के लिए वरिष्ठ नेताओं के साथ कई बैठकें करने की उम्मीद है। नवीन ने विशेष रूप से डिजाइन किए गए मोटर चालित रथ पर यात्रा की, जिस पर पार्टी के शीर्ष नेताओं की तस्वीरें और श्सेवा, सुशासन और जनकल्याणश् लिखा हुआ था।

राष्ट्रीय अध्यक्ष का डिप्टी सीएम ने किया स्वागत

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट, लखनऊ पर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के लखनऊ आगमन पर उनका आत्मीय एवं स्वागत किया। इस अवसर पर पार्टी के अनेक पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे और राष्ट्रीय अध्यक्ष को पुष्पगु'छ भेंट कर अभिनंदन किया। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से सौहार्दपूर्ण भेंट एवं वार्ता की। इस दौरान संगठनात्मक विषयों, प्रदेश में चल रहे जनसंपर्क अभियानों तथा आगामी कार्यक्रमों पर भी चर्चा हुई।

राजेंद्र चौधरी का हाल जानने लोहिया अस्पताल पहुंचे अखिलेश यादव

एजेंसी

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव शनिवार को डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान पहुंचे। उन्होंने पार्टी के वरिष्ठ नेता और राष्ट्रीय प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना और डॉक्टरों से उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। सिविल अस्पताल के निदेशक डॉ. जीपी गुप्ता के अनुसार, राजेंद्र चौधरी को शुक्रवार 3 जुलाई को करीब 11रू40 बजे बेहोशी की हालत में अस्पताल लाया गया था। उन्हें कार्डियक अरेस्ट की स्थिति में भर्ती किया गया। डॉक्टरों की टीम ने लगभग एक घंटे तक सीपीआर, वेंटिलेटर सपोर्ट और अन्य आपातकालीन उपचार देकर उनकी धड़कन और रक्तचाप सामान्य किया। प्राथमिक उपचार के बाद उनकी स्थिति में सुधार होने पर दोपहर करीब पौने दो बजे एंबुलेंस से उन्हें लोहिया संस्थान के आईसीयू में शिफ्ट किया गया। वहां कार्डियोलॉजी विशेषज्ञों की निगरानी में उनका इलाज जारी है। डॉक्टरों के मुताबिक फिलहाल उनकी स्थिति स्थिर बनी हुई है। शनिवार को अखिलेश यादव लोहिया संस्थान पहुंचे और राजेंद्र चौधरी के स्वास्थ्य की जानकारी ली। उन्होंने डॉक्टरों से उपचार की प्रगति पर चर्चा की और परिवार के सदस्यों से भी मुलाकात की। अस्पताल में सपा के कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। राजेंद्र चौधरी का इलाज विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में जारी है।

सार सुर्खियां

एकेटीयू का शैक्षिक सत्र 2026-27 का एकेडमिक कैलेंडर जारी

लखनऊ। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) ने शनिवार को शैक्षणिक सत्र 2026-27 का एकेडमिक कैलेंडर जारी कर दिया है। बी.टेक सहित सभी स्नातक और परास्नातक पाठ्यक्रमों के तीसरे, पांचवें, सातवें और नवें सेमेस्टर की कक्षाएं 14 जुलाई से शुरू होंगी, जबकि प्रथम वर्ष के सभी पाठ्यक्रमों की कक्षाएं एक अगस्त से प्रारंभ होंगी। बी.फार्मा प्रथम वर्ष की कक्षाएं एक सितंबर से शुरू होंगी। कैलेंडर के अनुसार कालेजों को नए विद्यार्थियों के प्रवेश की सूची एक सितंबर तक जमा करनी होगी। बी.फार्मा के लिए यह समय सीमा 15 सितंबर निर्धारित की गई है। नए छात्र-छात्राओं के नामांकन, पंजीकरण 15 सितंबर और परीक्षा फार्म जमा करने की अंतिम तिथि 30 सितंबर तय की गई है। एकेटीयू फेस्ट में जोनल स्पोर्ट्स का आयेजन 15 से 17 अक्टूबर और राज्य स्तर पर 29 से 31 अक्टूबर तक होगा। विषम सेमेस्टर की नियमित एवं कैरीओवर परीक्षाओं के लिए परीक्षा फार्म जमा करने की अंतिम तिथि एक नवंबर तथा सेशनल अंक विश्वविद्यालय में अपलोड करने की अंतिम तिथि 16 नवंबर होगी। सेमेस्टर की लिखित परीक्षाएं 24 नवंबर से शुरू होकर दिसंबर तक चलेंगी, जबकि प्रायोगिक परीक्षाएं सात से 24 दिसंबर के बीच आयोजित होंगी। विषम सेमेस्टर का परिणाम 15 जनवरी 2027 को घोषित किया जाएगा। सम सेमेस्टर के लिए दूसरे, चौथे, छठे, आठवें और 10वें सेमेस्टर की कक्षाएं एक जनवरी से शुरू होंगी। सम सेमेस्टर की लिखित परीक्षाएं 20 अप्रैल से 20 मई तथा प्रायोगिक परीक्षाएं एक से 24 मई के बीच आयोजित होंगी। सम सेमेस्टर का परिणाम 30 जून 2027 को घोषित किया जाएगा।

वीआईपी कार्यक्रम के कारण लखनऊ में यातायात व्यवस्था में बड़ा बदलाव

लखनऊ। वीआइपी कार्यक्रम के चलते शनिवार को शहर की यातायात व्यवस्था बदली रहेगी। डीसीपी ट्रैफिक ने बताया कि डायवर्जन के दौरान आपात सेवाओं में लगे वाहनों को आवश्यकता पड़ने पर छूट दी जाएगी। समस्या होने पर लोग यातायात विभाग की हेल्पलाइन पर भी संपर्क कर सकते हैं। यह डायवर्जन सुबह आठ बजे से जारी होगा। दरोगाखेड़ा/स्कूटर इंडिया/नादरगंज से कोई भी यातायात अमौसी एयरपोर्ट की ओर नहीं जा सकेगा बल्कि यह यातायात किसान पथ होते हुए रायबरेली रोड होकर जाएगा। अमौसी की ओर से सामान्य यातायात नीलम फार्मेसी तिराहा/कृष्णानगर मेट्रो स्टेशन/पिकेडली एवं अवध चौराहा की ओर नहीं जा सकेगा। यह यातायात शहीद पथ होकर जाएगा। अमौसी एयरपोर्ट वीआइपी मोड़ से सामान्य यातायात अमौसी एयरपोर्ट के अन्दर प्रतिबन्धित रहेगा, बल्कि यह यातायात अमौसी एयरपोर्ट वीआइपी मोड से अमौसी कामर्शियल मोड़ से बांये होकर जाएगा। रायल होटल चौराहा से यातायात अटल चौक की ओर नहीं जा सकेगा बल्कि यह सिसेंडी तिराहे से डीएसओ चौराहा होकर जाएगा। एवरेडी तिराहा एवं भूसामंडी से कोई भी सामान्य यातायात मवैया की ओर नहीं जा सकेगा। यह यातायात एवरेडी तिराहे से सीधे बालाजी मंदिर होकर जाएगा। नाका चौराहे से पानदरीबा की ओर आने वाला सामान्य यातायात पानदरीबा चौराहा न आकर नाका चौराहा से छ्ङ्क डिग्री कालेज, राजेंद्र नगर होकर भेजा जाएगा। लाटूश रोड बांस मंडी तिराहे से गुप्ता तिराहा चारबाग की ओर आने वाला सामान्य यातायात गुप्ता तिराहा न जाकर, नाका चौराहा राजेंद्र नगर होकर जाएगा। राजेंद्र नगर से राणा प्रताप तिराहे की ओर आने वाला सामान्य यातायात राणा प्रताप तिराहा न आकर नाका चौराहा की तरफ से भेजा जाया।

चिराग पासवान लखनऊ में, आज करेंगे कार्यकर्ता सम्मेलन

एजेंसी

लखनऊ। लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के प्रमुख चिराग पासवान कल 5 जुलाई को लखनऊ में कार्यकर्ता सम्मेलन करने जा रहे हैं। कार्यक्रम इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में होगा। सम्मेलन 2027 यूपी विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी की संगठनात्मक ताकत बढ़ाने और रणनीति तय करने के लिहाज से अहम माना जा रहा है। चिराग पासवान इस कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं को चुनावी दिशा देंगे और दलित प्रतिनिधित्व को लेकर पार्टी की रणनीति साझा करेंगे।लोजपा रामविलास को प्रदेश प्रभारी अरुण भारती ने कहा कि विपक्ष ने 2024 लोकसभा चुनाव में संविधान और आरक्षण खतरे में है। का झूठा नैरेटिव फैलाया था। चिराग पासवान हमेशा स्पष्ट करते आए हैं कि जब तक रामविलास पासवान के विचारों के उत्तराधिकारी मौजूद हैं, तब तक संविधान और आरक्षण को कोई खतरा नहीं है कांग्रेस चुनाव हारने पर दलित चेहरों को आगे करती है। एनडीए गठबंधन को लेकर उन्होंने किसी भी तरह की अंदरूनी खींचतान से इनकार करते हुए कहा कि सहयोगी दल पूरी तरह एकजुट हैं।

RTI का उल्लंघन करने पर हाथरस के EO की वेतन से होगी जुर्माने की वसूली

लखनऊ। राज्य सूचना आयोग ने सूचना का अधिकार (आरटीआइ) अधिनियम के प्रवधानों का उल्लंघन करने पर नगर पालिका परिषद हाथरस के अधिशासी अधिकारी रोहित सिंह के वेतन से अर्थदंड की वसूली के आदेश दिए हैं। रोहित सिंह पहले मथुरा-वृंदावन में अधिशासी अधिकारी रहे हैं।उन्होंने बताया कि इस वर्ष जून में सरकार को विभिन्न करों से 19,551 करोड़ रुपये की प्राप्ति हुई है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के जून में कुल 17,983 करोड़ रुपये राजस्व प्राप्त हुआ था। स्टांप तथा निबंधन के मद में पिछले वर्ष जून के मुकाबले इस साल 316 करोड़ रुपये कम राजस्व मिला है। जीएसटी, वैट, आबकारी, परिवहन, भूतत्व एवं खनिकर्म की मदों में पिछले जून के मुकाबले राजस्व अधिक आया है।

प्रभु के खजाने को बेरहमी से लूटा, बंटवारे की लड़ाई खोल देगी सारे राज: अखिलेश यादव

एजेंसी

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) नेतृत्व पर परोक्ष रुप से तीखा हमला बोलते हुए कहा कि राम मंदिर चढ़ावे का सच सामने आकर रहेगा और असली पापी अपने कर्मों की सजा से नहीं बच पाएंगे।

यादव ने शनिवार को एक्स पर लिखा कि आखिरकार सुरंगजीवियों को बाहर आना ही पड़ा क्योंकि अब बुराई का पानी सुरंग में गले तक भर गया है। उन्होंने सवालिया लहजे में कहा कि 140 करोड़ देशवासी और दुनिया भर के चंदा-दान देने वाले सनातनी यह जानना चाहते हैं कि हर काम में आगे रहने वाले, इस घोर-गंभीर मसले पर खुद सामने क्यों नहीं आए, अपने से पीछे वाले को आगे क्यों कर दिया। क्या इसमें भी ये सोचकर साजिश की गई है कि महापाप के दोष और जनाक्रोश से खुद को बचा लो और दूसरे को फंसाकर उससे सफाई दिलवा दो। सपा मुखिया ने कहा कि जो षड्यंत्रजीवी रहे हैं अब तो वो आपस में भी एक-दूसरे की मुखबिरी कर रहे हैं।

बंटवारे की लड़ाई सारे राज खोल देगी। यादव ने कहा कि जो शातिर सेंध लगाकर, बोरी भरकर सुरंग के रास्ते बहुत दूर निकल गए हैं, वो असली पापी याद रखें जहां भूमिगत मार्ग खत्म होगा, उस अगले छोर पर सत्य उनके पापों की सजा देने के लिए प्रतीक्षा कर रहा है। इन्हें ना अयोध्या क्षमा करेगा, ना देश, ना वो परम प्रभु, जिसके खजाने को इन्होंने बेरहमी, बेदर्दी और बेशर्मी से लूटा है। यह बयान ऐसे समय आया है जब श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र से जुड़े कुछ मुद्दे सार्वजनिक चर्चा का विषय बने हुए हैं। भाजपा या संबंधित पक्ष की ओर से इन आरोपों पर तुरंत कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

लाठी-डंडों से हत्या करने वाला 24-घंटे में गिरफ्तार

परिजनों ने थाने के सामने प्रदर्शन किया

एजेंसी

लखनऊ। पीजीआई थाना क्षेत्र के सरथुआ गांव में हथियार, लाठी-डंडों, लोहे पटले से हत्या के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी अखिलेश रावत को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया है। उस पर आरोप है कि उसने अन्य साथियों के साथ मिलकर 23 वर्षीय अभिषेक रावत को पीटकर मार डाला था। पुलिस ने आरोपी अखिलेश रावत को केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर से डिस्चार्ज होते ही हिरासत में ले लिया। वह भी शुक्रवार की घटना में घायल हो गया था।

पुलिस ने बताया कि मामले में नामजद अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। वहीं, शाम करीब 6.30 बजे मृतक अभिषेक के परिजनों ने पीजीआई थाने के सामने सड़क जाम करने की कोशिश की। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी अखिलेश रावत के खिलाफपहले से ही लूट, डकैती, मारपीट और अन्य गंभीर धाराओं में कई मुकदमे दर्ज हैं। इस मामले में फरार चल रहे अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। पुलिस ने बताया कि उन्हें भी जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस के अनुसार, मृतक की मां पुष्पा रावत की तहरीर पर बेटे की हत्या करने के मामले में आठ नामजद और कुछ अज्ञात आरोपियों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया था। आरोप है कि अभिषेक को सरथुआ गांव बुलाया गया और धारदार हथियारों, लाठी-डंडों और लोहे के पलटे से हमला किया गया।

गंभीर रूप से घायल अभिषेक की इलाज के दौरान पीजीआई के ट्रॉमा सेंटर में मौत हो गई थी। पूछताछ के दौरान आरोपी अखिलेश रावत ने पुलिस को बताया कि उसका और मृतक अभिषेक का लंबे समय से विवाद चल रहा था। इसी पुरानी रंजिश के चलते दोनों पक्षों के बीच मारपीट हुई, जिसमें अभिषेक गंभीर रूप से घायल हो गया और बाद में उसकी मौत हो गई थी । पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी अखिलेश रावत के खिलाफपहले से ही लूट, डकैती, मारपीट और अन्य गंभीर धाराओं में कई मुकदमे दर्ज हैं। इस मामले में फरार चल रहे अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। पुलिस ने बताया कि उन्हें भी जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उधर, पोस्टमॉर्टम के बाद मृतक अभिषेक का शव गांव पहुंचा। शव लेकर परिजन पीजीआई थाने पहुंच गए। उन्होंने थाने के सामने शव को सड़क पर रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। इस दौरान आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग को लेकर पुलिस और परिजनों के बीच बहस भी हुई। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात हो गया। भीड़ को पुलिसवाले गांव की तरफ लेकर आगे बढ़े।

गर्मी और पश्चिम एशिया संकट के बावजूद यूपी में बढ़ीं आर्थिक गतिविधियां

लखनऊ। चिलचिलाती धूप वाले माह जून के साथ ही पश्चिमी एशिया में युद्ध व तनाव से उत्पन्न वैश्विक संकट के दौर में भी प्रदेश की आर्थिक और कारोबारी गतिविधियां सकारात्मक दौर में हैं। जून में इन दो नकारात्मक परिस्थितियों के बावजूद राज्य सरकार का खजाना और समृद्ध हुआ है। पिछले जून की तुलना में बीते माह सरकार को जीएसटी से 633 करोड़ रुपये, वैट से 146 करोड़ रुपये तथा आबकारी से 716 करोड़ रुपये अधिक कमाई हुई है। पिछले वर्ष जून के मुकाबले बीते माह में प्रदेश सरकार ने करों से 1568 करोड़ रुपये अधिक कमाए हैं। शुक्रवार को यह जानकारी देते हुए वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि प्रदेश की सुदृढ़ वित्तीय व्यवस्था, पारदर्शी कर प्रशासन तथा प्रभावी राजस्व प्रबंधन के कारण राज्य के प्रमुख कर व करेतर राजस्व में लगातार सकारात्मक वृद्धि दर्ज हो रही है।

बहू से रेप करने वाला रेलवे का सेक्शन इंजीनियर गिरफ्तार

एजेंसी

लखनऊ। राजधानी लखनऊ की मड़ियांव पुलिस ने दहेज उत्पीड़न, मारपीट, धमकी और दुष्कर्म के आरोप में फरार चल रहे आरोपी ससुर को शनिवार सुबह गिरफ्तार कर लिया। आरोपी रेलवे में सेक्शन इंजीनियर है। आरोपी के खिलाफ पहले दर्ज मुकदमे में विवेचना के दौरान दुष्कर्म की धारा भी बढ़ाई गई थी। गायत्री नगर निवासी पीड़िता ने बताया कि उसकी शादी 23 नवंबर 2023 को सेक्टर-ए महानगर निवासी अभिषेक तिवारी पुत्र मुकेश कुमार से हुई थी। शादी में करीब 55 लाख रुपए खर्च हुआ था। पीड़िता ने बताया कि विदाई के बाद घर पहुंची तो पार्टी के दौरान छोटी ननद सोना व मोना ने जबरन शराब पिला दी और मुंह में सिगरेट जबरदस्ती लगा दी। मना करने पर गला दबाकर सिगरेट मुंह में घुसेड़ दिया। इससे पीड़िता की तबियत खराब हो गई। पति अपनी और ननद अपने दोस्तों को बुलाकर रोजाना अय्याशी करते थे। ससुर से शिकायत करने पर बोला कि तुम छोटे घर से आई हो, ये बड़े लोगों के शौक हैं। यह सब इसी तरह चलता रहा। पीड़िता अपने मायके चली गई। वहां से लौटने पर 20 अप्रैल 2024 को पीड़िता को जबरदस्ती शराब पिला दी। इसका फायदा उठाकर ससुर मुकेश तिवारी ने कमरे में देर रात को जबरदस्ती गलत काम किया।

उसमें पूरे परिवार ने ससुर का साथ दिया। इसके बाद कमरे में बंद कर दिया। ये सिलसिला तीन दिन तक चलता रहा। मौका पाकर पुलिस को फोन कर मदद मांगी। पुलिस ने मां-बाप को भी सूचना दी गई। पुलिस के मुताबिक, पीड़िता की शिकायत पर मड़ियांव थाने में पति अभिषेक तिवारी, ससुर मुकेश कुमार तिवारी, ननद मोनिका उर्फमोना और श्रुति तिवारी उर्फ सोना के खिलाफ दहेज उत्पीड़न, मारपीट, धमकी और छेड़छाड़ की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था।

जांच के दौरान छेड़छाड़ की धारा हटाकर साक्ष्यों के आधार पर दुष्कर्म की धारा जोड़ी गई। इंस्पेक्टर मड़ियांव शिवानंद मिश्रा ने बताया कि शनिवार सुबह रामराम बैंक क्षेत्र में चेकिंग के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि मामले में वांछित आरोपी सेक्टर-ए महानगर निवासी मुकेश कुमार तिवारी (58) कैरिज रिपेयर वर्कशॉप के सामने आलमबाग में मौजूद है। सूचना पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी मुकेश रेलवे विभाग में सीनियर सेक्शन इंजीनियर है।

दिव्यांग खिलाड़ी 150 फीट ऊंचे टावर पर चढ़ी साथी खिलाड़ी पर लगाया है रेप का आरोप

एजेंसी

लखनऊ। राजधानी में शनिवार को एक दिव्यांग खिलाड़ी 150 फीट ऊंचे टावर पर चढ़ गई। उसका आरोप है कि साथी दिव्यांग खिलाड़ी ने उसके साथ रेप किया है। उसके (आरोपी के) साथ उसकी शादी कराई जाय या फिर रेप की एफआईआर लिखी जाए।

पुलिस ने उस दिव्यांग खिलाड़ी को करीब 2 घंटे तक मनाया तब वह नीचे उतरी। मामला पारा थाना क्षेत्र के बुद्धेश्वर का है। बैडमिंटन महिला खिलाड़ी दाहिने हाथ से दिव्यांग है। उसने अपने साथी खिलाड़ी राहुल कुमार वर्मा पर रेप का आरोप लगाया है। उसका पुलिस पर भी आरोप है कि मुकदमा दर्ज होने के बावजूद आरोपी पर कार्रवाई नहीं कर रही है। टावर से नीचे उतारने के लिए पुलिस को लिखित आश्वासन देना पड़ा। जालौन की मूल निवासी यह खिलाड़ी डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में बीए तृतीय वर्ष की पढ़ाई कर रही है। वह पारा क्षेत्र में किराये के कमरे में रहती है। युवती के अनुसार, उसने 26 अप्रैल को अपने सहपाठी राहुल कुमार वर्मा के खिलाफपारा थाने में दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप है कि पढ़ाई के दौरान दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और आरोपी ने शादी का झांसा देकर उससे शारीरिक संबंध बनाए। बाद में, जब आरोपी के परिवार ने उसकी शादी कहीं और तय कर दी, तो उसने छात्रा से विवाह करने से इन्कार कर दिया। छात्रा का कहना है कि मुकदमा दर्ज होने के बावजूद पुलिस ने आरोपी के खिलाफकोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की। वह लगातार थाने और चौकी के चक्कर लगाती रही। पुलिस की कार्यप्रणाली से क्षुब्ध होकर उसने आत्महत्या के उद्देश्य से मोबाइल टावर पर चढ़ने का यह कदम उठाया।

समाजसेवी कुलभूषण की पहल पर पुलिस ने कार्रवाई का लिखित आश्वासन दिया, जिसके बाद छात्रा नीचे उतर आई। मोहान रोड चौकी प्रभारी ओमप्रकाश तिवारी ने बताया कि इस मामले में आरोपी को न्यायालय से गिरफ्तारी पर अंतरिम राहत (स्टे) प्राप्त है। उन्होंने कहा कि न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि पर उपमुख्यमंत्री ने अर्पित की श्रद्धांजलि

विवेकानंद के विचार युवाओं के लिए मार्गदर्शक एवं प्रेरणास्रोत: मौर्य

एजेंसी

लखनऊ,। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने आज महान संत, दार्शनिक, राष्ट्रचिंतक एवं युवा प्रेरणास्रोत स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि स्मृति दिवस के अवसर पर उन्हें श्रद्धापूर्वक पुष्प अर्पित कर विनम्र श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद का संपूर्ण जीवन राष्ट्रसेवा, आध्यात्मिक चेतना, मानव कल्याण और युवाओं को आत्मविश्वास एवं चरित्र निर्माण की प्रेरणा देने के लिए समर्पित रहा। उनके विचार आज भी करोड़ों युवाओं के लिए मार्गदर्शक एवं प्रेरणास्रोत हैं। श्री मौर्य ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने भारत की सनातन संस्कृति, आध्यात्मिक परंपरा और सार्वभौमिक मानवता के संदेश को विश्व में प्रतिष्ठित किया। उन्होंने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा था कि राष्ट्र निर्माण का सबसे बड़ा आधार जागरूक, शिक्षित, संस्कारित, आत्मविश्वासी युवा है। आज आवश्यकता है कि प्रत्येक नागरिक, विशेष रूप से युवा वर्ग, उनके आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात कर राष्ट्र के विकास में सक्रिय भूमिका निभाए।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार तथा उत्तर प्रदेश में सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली डबल इंजन सरकार भारत के सभी महापुरुषों, संतों, समाज सुधारकों और राष्ट्रनिर्माताओं के योगदान का सम्मान कर रही है। पूर्ववर्ती सरकारों ने महापुरुषों के नाम पर राजनीति और सत्ता पाने का काम किया, माननीय प्रधानमंत्री जी के द्वारा उचित सम्मान और स्मरण दिया जा रहा है, ताकि नई पीढ़ी उनके आदर्शों और विचारों से प्रेरणा प्राप्त कर सके। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए देश और देशवासी सर्वोपरि हैं। उनकी सरकार का प्रत्येक निर्णय राष्ट्रहित, जनकल्याण, गरीबों के उत्थान और भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प से प्रेरित है। डबल इंजन सरकार अंत्योदय के सिद्धांत पर कार्य करते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। श्री मौर्य ने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे स्वामी विवेकानंद के राष्ट्रभक्ति, सेवा, समरसता, आत्मानुशासन और मानवता के आदर्शों को अपनाकर विकसित भारत एवं विकसित उत्तर प्रदेश के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी करें। उन्होंने कहा कि यही स्वामी विवेकानंद के प्रति स'ची श्रद्धांजलि होगी।

जर्जर स्कूल, सुविधाओं के अभाव पर सौंपा ज्ञापन,130 बच्चों की जान को खतरा

सुल्तानपुर । कलेक्ट्रेट में शनिवार को जनसमस्याओं को लेकर प्रशासनिक अधिकारियों को एक मांग पत्र सौंपा गया। इसौली विधानसभा क्षेत्र के शिवा यादव ने एक विद्यालय की बदहाली और बुनियादी सुविधाओं की कमी का मुद्दा उठाया, जिस पर अधिकारियों ने जांच का आश्वासन दिया है। शिवा यादव ने अधिकारियों से मुलाकात के बाद मीडिया को बताया कि रंकेडी गांव में स्थित श्पूर्व शहीद स्मारक जूनियर हाई स्कूलश् (कक्षा 6 से 8 तक) की इमारत अत्यंत जर्जर हो चुकी है। इस खतरनाक भवन में लगभग 130 बच्चे अपनी जान जोखिम में डालकर पढ़ाई करने को मजबूर हैं। उन्होंने विद्यालय की खराब स्थिति को उजागर करते हुए कहा कि स्कूल में बच्चों के लिए न तो उचित शौचालय की व्यवस्था है और न ही बिजली-पानी जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हैं। भीषण गर्मी और उमस के बीच बच्चों को पढ़ाई में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

विश्व कप इतिहास में दागा 20वां गोल, पहली बार 'गोल्डन बूट' के बेहद करीब लियोनेल मेस्सी

एजेंसी

नई दिल्ली। लियोनेल मेस्सी के लिए गोल करना उतना ही सहज है, जितना सांस लेना। मैदान पर उनकी इसी सहजता के दम पर मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना की लगातार दूसरा विश्व कप जीतने की उम्मीदें मजबूती से टिकी हुई हैं। हालांकि, इस बार केप वर्दे जैसी साहसी टीम ने अर्जेंटीना के लिए खतरे की घंटी जरूर बजाई, लेकिन अतिरिक्त समय तक चले एक बेहद रोमांचक मुकाबले में अर्जेंटीना ने 3-2 से जीत दर्ज कर अंतिम-16 (नॉकआउट) का टिकट कटा लिया। मैच के बाद कप्तान लियोनेल मेस्सी ने टीम के प्रदर्शन पर संतोष जताते हुए कहा, ''हमने अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन जहां भी हमसे गलतियां हुई हैं, हमें अगले दौर से पहले उन्हें सुधारना होगा।''

मेस्सी का विश्व कप में लगातार गोल करने का सिलसिला 2022 में मिली खिताबी जीत से चला आ रहा है। उन्होंने मैच के बाद कहा ,'' हमने अच्छा प्रदर्शन किया और जहां गलतियां हुई हैं, उन्हें सुधारना होगा।'' लियोनेल मेस्सी का गोल करने का

सिलसिला जारी है और वह इतनी सहजता से गोल करते हैं कि यह आसान सा लगता है। इसके साथ ही अर्जेंटीना की लगातार दूसरा विश्व कप जीतने की उम्मीदें भी कायम है हालांकि केप वर्दे ने एकबारगी उसके लिये खतरे की घंटी बजा दी थी। मेस्सी ने केप वर्दे के खिलाफ 29वें मिनट में विश्व कप के अपने कैरियर का 20वां गोल किया। वह विश्व कप के इतिहास में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में 20 गोल के साथ शीर्ष पर बने हुए हैं जबकि फ्रांस के काइलियान एमबाप्पे उनसे दो गोल पीछे हैं।

इस साल टूर्नामेंट में उनका यह सातवां गोल था और 'गोल्डन बूट' की दौड़ में एमबाप्पे उनसे एक गोल पीछे हैं। पिछले आठ विश्व कप मैचों में मेस्सी 12 गोल कर चुके हैं। मेस्सी के साथ अर्जेंटीना और इंटर मियामी के लिये खेलने वाले रौद्रिगो डि पॉल ने कहा ,'' मेरे लिये उसकी दोस्ती सबसे अहम चीज है और मैं खुशकिस्मत हूं कि इन पलों में उसके साथ मैदान पर हूं।' मेस्सी ने मार्तिनेज के पास पर केप वर्दे के स्टार गोलकीपर वोजिन्हा को छकाते हुए यह गोल दागा। मेस्सी और एमबाप्पे के अलावा नॉर्वे के एर्लिंग हालैंड और इंग्लैंड के हैरी केन भी पांच पांच गोल करके विश्व कप में सबसे ज्यादा गोल करने के गोल्डन बूट पुरस्कार की दौड़ में हैं। फ्रांस के उस्मान डेम्बेले, स्पेन के मिकेल ओयारजाबाल , ब्राजील के विनिशियस जूनियर और सेनेगल के इस्माइला सार ने चार चार गोल किये हैं। सार दौड़ से बाहर हैं क्योंकि सेनेगल बाहर हो चुकी है। नॉर्वे, इंग्लैंड और फ्रांस अंतिम 16 में हैं। केप

वर्दे को हराकर अर्जेंटीना भी वहां पहुंच चुका है। मेस्सी ने कभी गोल्डन बूट नहीं जीता। विश्व कप 2022 में सात गोल करके वह एमबाप्पे से एक गोल पीछे रह गए थे जबकि 2014 में चार गोल करके संयुक्त तीसरे स्थान पर थे।

वैभव सूर्यवंशी में सचिन तेंदुलकर, कोहली जैसा टैलेंट, पर थोड़ा समय दें : कपिल देव

एजेंसी

नई दिल्ली। कपिल देव को वैभव सूर्यवंशी के अनोखे टैलेंट पर कोई शक नहीं है, लेकिन साथ ही, भारत को पहली बार वर्ल्ड कप जिताने वाले कप्तान ने जल्दबाजी न करने और धैर्य रखने की सलाह भी दी है। कपिल ने सूर्यवंशी की जमकर तारीफ की और उनकी तुलना भारतीय क्रिकेट के कुछ महान खिलाड़ियों से की। हालांकि, वह यह भी नहीं भूले हैं कि यह युवा खिलाड़ी अभी सिर्फ़ 15 साल का है और उसका पूरा जीवन और करियर अभी उसके सामने है।

कपिल देव ने युवा प्रतिभा वैभव सूर्यवंशी में सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली जैसा टैलेंट देखा है, लेकिन चेताया कि उन्हें अभी समय और धैर्य चाहिए। आईपीएल में शानदार प्रदर्शन के बावजूद, कपिल ने कहा कि सूर्यवंशी की असली परीक्षा टी20 के बाहर लंबे प्रारूपों, खासकर टेस्ट क्रिकेट में होगी, जहां उन्हें खुद को साबित करना होगा। 'स्पोर्ट्स तक' से बात करते हुए कपिल ने माना कि उन्होंने 'सूर्यवंशी' की बस कुछ झलकियाँ ही देखी थीं, लेकिन उन्हें उस युवा खिलाड़ी की ज़बरदस्त क्षमता पर पूरा भरोसा था। कपिल ने कहा कि मैंने उसे ज़्यादा नहीं देखा है, बस थोड़ा-बहुत ही देखा है। जितना भी मैंने देखा है, उससे साफ़ है कि वह बहुत प्रतिभाशाली है, इसमें कोई शक नहीं। लेकिन मुझे लगता है कि अभी लोग उसके बारे में बहुत ज़्यादा बातें कर रहे हैं।

उसे थोड़ा समय दें। उसे इतना ज़्यादा बढ़ा-चढ़ाकर न दिखाएं। इतनी कम उम्र में, शायद वह खुद को पूरी तरह समझ भी नहीं पाया होगा या उसे यह एहसास भी नहीं होगा कि वह क्या कर सकता है। सूर्यवंशी की स्वाभाविक प्रतिभा की तुलना तेंदुलकर और कोहली से करते हुए, कपिल ने ज़ोर दिया कि इस युवा खिलाड़ी की असली परीक्षा ज्ञ20 क्रिकेट के बाहर होगी, जहाँ लंबे समय तक स्वभाव और तकनीक की परख होती है। कपिल ने कहा कि लेकिन अगर आप सिर्फ़ टैलेंट की बात करें, तो हाँ, वह सचिन और विराट कोहली जितने ही अच्छे हैं। उनमें ऐसा ही टैलेंट दिखता है, लेकिन टी20 क्रिकेट में। दूसरे फ़ॉर्मेट में उन्हें अभी खुद को साबित करना बाकी है। जिस दिन वह टेस्ट क्रिकेट खेलेंगे, क्या वह पाँच ओवर मेडन खेलने के बाद भी बैटिंग कर पाएँगे? सवाल यही है। भारत के पूर्व कप्तान ने फिर से कहा कि सिर्फ़ सबसे छोटे फ़ॉर्मेट में मिली सफलता किसी खिलाड़ी के करियर को तय नहीं कर सकती और रेड-बॉल क्रिकेट के हिसाब से ढलने के लिए अलग तरह की सोच की ज़रूरत होती है।

इस युवा खिलाड़ी का IPL 2025 का सीज़न यादगार रहा; उन्होंने सात मैचों में 36 की औसत और 206 से ज़्यादा के स्ट्राइक रेट से 252 रन बनाए। उन्होंने IPL 2026 में भी अपना शानदार फ़ॉर्म जारी रखा और टूर्नामेंट में सबसे ज़्यादा रन बनाकर 'ऑरेंज कैप' जीती। उनके बेहतरीन प्रदर्शन की वजह से उन्हें आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ़ टी20 सीरीज़ के लिए पहली बार भारतीय टीम में चुना गया।

भारत के खिलाफ इंग्लैंड की नई उम्मीद जेम्स कोल्स

एजेंसी

इस महीने के आखिर में भारत के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज़ के लिए इंग्लैंड की 16 सदस्यीय टीम में अनकैप्ड ऑलराउंडर जेम्स कोल्स और तेज़ गेंदबाज़ जोश टंग को शामिल किया गया। भारत और इंग्लैंड, जो अभी पांच मैचों की ज्ञ20द्ध सीरीज़ खेल रहे हैं, क्रमश: बर्मिंघम, कार्डिफ़ और लॉर्ड्स में 14, 16 और 19 जुलाई को तीन वनडे मैच खेलेंगे।

इंग्लैंड ने लगभग पूरी मज़बूती वाली भारतीय टीम का सामना करने के लिए तेज़ गेंदबाज़ गस एटकिंसन और 29 वर्षीय साकिब महमूद को भी टीम में शामिल किया है, जबकि विराट कोहली की उपलब्धता उनकी फ़िटनेस पर निर्भर करेगी। जेम्स कोल्स, इंग्लैंड के 22 वर्षीय युवा ऑलराउंडर, भारत के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज़ के लिए इंग्लिश टीम में चुने गए हैं। उन्होंने 16 साल की उम्र में ससेक्स के लिए

फर्स्ट-क्लास डेब्यू कर इतिहास रचा था और काउंटी चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन किया है, जिससे उन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी पहचान बनाने का मौका मिला है। ससेक्स के 22 वर्षीय ऑलराउंडर इंग्लैंड के होनहार युवा क्रिकेटरों में से एक के तौर पर उभरे हैं। बाएं हाथ के बल्लेबाज़ और स्लो लेफ्ट-आर्म ऑर्थोडॉक्स स्पिनर के तौर पर योगदान देने की उनकी क्षमता उन्हें सभी फ़ॉर्मेट में एक अहम विकल्प बनाती है। कोल्स की कामयाबी रातों-रात नहीं मिली, बल्कि उन्होंने लगातार अच्छा प्रदर्शन करके यह मुकाम हासिल किया है। टीनएज में ससेक्स के लिए सबसे कम उम्र में फर्स्ट-क्लास डेब्यू करने से लेकर पिछले सीज़न में काउंटी चैंपियनशिप में 1,000 से ज़्यादा रन बनाने तक, इस युवा खिलाड़ी ने इंग्लैंड की क्रिकेट में लगातार तरक्की की है। कोल्स 2020 में तब चर्चा में आए जब वे 16 साल और 157 दिन की उम्र में ससेक्स के लिए फ़र्स्ट-क्लास डेब्यू करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने।

विश्व कप में कोलंबिया का धमाल, घाना को 1-0 से हराकर अंतिम 16 में मारी एंट्री

एजेंसी

नई दिल्ली। जोन एरियास ने शुरूआती मिनटों में लुई सुआरेस के क्रॉस पर गोल किया और इसी एक गोल के दम पर कोलंबिया ने घाना को हराकर विश्व कप के अंतिम 16 में जगह बना ली। कोलंबिया का सामना अब मंगलवार को वैंकूवर में स्विटजरलैंड से होगा। मैच शुरू होने के कुछ मिनट के भीतर ही कोलंबिया के फॉरवर्ड जोन कोरडोबा को जांघ के पीछे की मांसपेशी में चोट लग गई जिसके बाद कोच नेस्टर लोरेंजो को सुआरेज को बुलाना पड़ा।

जोन एरियास के एकमात्र गोल की बदौलत कोलंबिया ने घाना को 1-0 से हराकर विश्व कप के अंतिम 16 में प्रवेश कर लिया। स्थानापन्न खिलाड़ी लुई सुआरेस के क्रॉस पर हुए इस गोल ने कोलंबिया की नॉकआउट चरण में जगह पक्की की, जहां उसका सामना स्विटजरलैंड से होगा। यह इंटर मियामी के स्टार फुटबॉल खिलाड़ी सुआरेज नहीं बल्कि स्पोर्टिंग सीपी के लिये खेलने वाले दूसरे खिलाड़ी हैं। उन्होंने आते ही अपने प्रदर्शन की छाप छोड़ी और 14वें मिनट में डेनियल मुनोज से गेंद लेकर एरियास को जबर्दस्त क्रॉस दिया जिन्होंने घाना के गोलकीपर लारेंस एटि जिगि को छकाकर गोल कर दिया। करीब 32 डिग्री सेल्सियस तापमान में खेले गए इस मैच की शुरूआत स्थानीय समयानुसार 8 . 30 पर हुई। कई मैचों में विवादित रहे 'हाइड्रेशन ब्रेक' इस मैच में खिलाड़ियों के लिये वरदान साबित हुई क्योंकि पानी की कमी और थकान हावी हो रही थी।

सिनर ने चोट की अफवाहों को किया खारिज

विश्व के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी यानिक सिनर ने विम्बलडन 2026 में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए तीसरे दौर में जगह बना ली है। पहले मुकाबले में कठिन चुनौती का सामना करने के बाद इस बार उन्होंने अपेक्षाकृत आसान जीत दर्ज की। मौजूद जानकारी के अनुसार सिनर ने दूसरे दौर में नूनो बोर्गेस को 7-6 (4), 7-6 (2), 6-4 से हराकर अगले दौर का टिकट पक्का किया है। विम्बलडन 2026 में खिताब के प्रबल दावेदार यानिक सिनर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीसरे दौर में जगह बना ली है। पहले मैच में चोट की चिंताओं के बाद, सिनर ने दूसरे दौर में सीधे सेटों में जीत दर्ज कर अपनी फिटनेस पर उठे सवालों का जवाब दिया है। बता दें कि सिनर के लिए टूर्नामेंट की शुरुआत आसान नहीं रही थी। पहले दौर में उनका मुकाबला मियोमिर केचमानोविच से हुआ था, जिसमें उन्हें दो बार एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करनी पड़ी थी।

भूटान ने ठुकराया भारत का ई20 पेट्रोल का प्रस्ताव!

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत में जहां सरकार की महत्वाकांक्षी ई20 ईंधन नीति (20% इथेनॉल और 80% पेट्रोल का मिश्रण) को लेकर वाहनों की परफॉर्मेंस और उनके इंजनों पर पड़ने वाले असर पर देश के भीतर बहस छिड़ी हुई है, वहीं पड़ोसी देश भूटान ने एक बड़ा कदम उठाया है। भूटान ने चुपचाप भारतीय तेल विपणन कंपनियों के ई20 पेट्रोल सप्लाई करने के प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। 'द भूटानीज़' की एक रिपोर्ट के अनुसार, इस हिमालयी देश ने भारत से साफ तौर पर कहा है कि जब तक भारतीय बाजार में सामान्य (शुद्ध) पेट्रोल उपलब्ध है, तब तक उसे केवल उसी की आपूर्ति की जाए। आखिरकार भूटान ने इस पर्यावरण-अनुकूल माने जाने वाले ईंधन को लेने से क्यों मना कर दिया? इसके पीछे ठोस तकनीकी

और भौगोलिक कारण हैं। इसका जवाब भूटान के पुराने और अपर्याप्त फ्यूल स्टोरेज इंफ्रास्ट्रक्चर में छिपा है, जो इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल को संभालने के लिए तैयार नहीं है। वहां का ऊबड़-खाबड़ पहाड़ी इलाका भी एक चुनौती है क्योंकि गाड़ियों को ज़्यादा पावर की ज़रूरत होती है। अधिकारियों को डर है कि श्20 शायद भूटान की पहाड़ी सड़कों पर ज़रूरी लगातार परफॉर्मेंस न दे पाए। भारत में जहां सरकार की महत्वाकांक्षी ई20 ईंधन नीति (20% इथेनॉल और 80% पेट्रोल का मिश्रण) को लेकर वाहनों की परफॉर्मेंस और उनके इंजनों पर पड़ने वाले असर पर देश के भीतर बहस छिड़ी हुई है, वहीं पड़ोसी देश भूटान ने एक बड़ा कदम उठाया है। भारत में, ई20 पेट्रोल - जिसमें 20% इथेनॉल और 80% पेट्रोल का मिश्रण होता है - को लाने पर काफी विरोध हुआ है, खासकर उन लोगों की तरफ से जिनके पास 2023 से पहले बनी पेट्रोल गाड़ियां हैं। उन्होंने फ्यूल एफिशिएंसी में कमी, मेंटेनेंस की बढ़ती समस्याओं और ज़्यादा टूट-फूट की शिकायत की है। हालांकि सरकार ने माना है कि श्20 से माइलेज थोड़ा कम हो जाता है, लेकिन बेहतर एक्सेलरेशन और इंजन की बेहतर परफॉर्मेंस इसके नुकसान की भरपाई कर देती है। अब, भारत के ई20 पेट्रोल को बढ़ावा देने का सीधा असर भूटान पर पड़ता है, जो अपना सारा फ्यूल सीधे भारत से मंगाता है।

बेन स्टोक्स ने एक्स पर भावुक होकर क्रिकेट फैंस को दिया संदेश

एजेंसी

इंग्लैंड के ऑलराउंडर बेन स्टोक्स ने एक भावुक नोट लिखकर अपने सफ़र को याद किया है और अपने पूरे करियर में मिले फैंस के सपोर्ट के लिए उनका शुक्रिया अदा किया है। 35 साल के इस खिलाड़ी ने इंग्लैंड और न्यूज़ीलैंड के बीच तीसरे टेस्ट मैच के दौरान ही इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास का ऐलान करके क्रिकेट की दुनिया को चौंका दिया था। उनके संन्यास का फ़ैसला तब आया जब वे सीरीज़ का दूसरा टेस्ट नहीं खेल पाए थे; इसकी वजह लंदन के एक नाइटक्लब में टीम के लिए तय आधी रात के कर्फ़्यू को तोड़ने और वहां हुई हाथापाई से जुड़ा विवाद था।

बेन स्टोक्स ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास के बाद एक भावुक और मज़ेदार संदेश साझा किया, जिसमें उन्होंने अपने 15 साल के शानदार करियर को याद किया। इंग्लैंड के इस दिग्गज ऑलराउंडर ने परिवार, दोस्तों, टीम के साथियों और फ़ैन्स का उनके पूरे सफ़र में मिले अथाह समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया। वहीं, इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट की घोषणा करने के कुछ ही दिनों बाद, बेन स्टोक्स ने अपने परिवार, दोस्तों, टीम के साथियों और फ़ैन्स को संबोधित किया और इतने सालों तक मिले उनके सपोर्ट के लिए आभार जताया। स्टोक्स ने 2011 में व्हाइट-बॉल क्रिकेट में डेब्यू किया और 2013 में उन्हें टेस्ट कैप मिली। इंटरनेशनल क्रिकेट में अपने समय के दौरान, उन्हें दुनिया का सबसे बेहतरीन ऑल-राउंडर माना जाता था।

उन्होंने सभी फ़ॉर्मेट में कुल 279 इंटरनेशनल मैच खेले और इंग्लैंड की टीम के लिए 11,000 से ज़्यादा रन बनाए। उन्होंने 350 से ज़्यादा विकेट भी लिए। 2019 (50 ओवर) और 2022 (20 ओवर) में इंग्लैंड की वर्ल्ड कप जीत में उनकी अहम भूमिका थी। इस हफ़्ते की शुरुआत में, न्यूज़ीलैंड के ख़िलाफ़ तीसरे टेस्ट मैच के बीच में ही, 35 साल के इस खिलाड़ी ने चौंकाने वाला ऐलान किया कि मैच के बाद वह इंटरनेशनल क्रिकेट नहीं खेलेंगे। इस ख़बर ने पूरी क्रिकेट दुनिया को हैरान कर दिया। अब स्टोक्स ने एक्स पर एक इमोशनल मैसेज पोस्ट किया है, जो दिल को छू लेने वाला और मज़ेदार भी है। स्टोक्स ने लिखा कि पिछले 15 साल बहुत ज़बरदस्त रहे हैं। मैदान के अंदर और बाहर, बहुत उतार-चढ़ाव देखे हैं। मेरा समय पूरा हो गया था, और यह फ़ैसला मेरे अलावा कोई और नहीं ले सकता था। लेकिन इस बीच, मैं बस इतना कहना चाहता हूँ कि मैं इंग्लैंड के हर उस फ़ैन और क्रिकेट के हर उस फ़ैन से प्यार करता हूँ जिसने इतने सालों में मेरा साथ दिया है। उन्होंने कहा कि मैं उन सभी लोगों से प्यार करता हूँ जिनके साथ मैंने इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व करते हुए मैदान पर कदम रखा। मैं और भी बहुत कुछ कह सकता हूँ, लेकिन मुझे उम्मीद है कि आप समझ गए होंगे कि 15 सालों तक मैंने जो कुछ भी किया, उससे मुझे कितना प्यार था। मैं एक फ़ैन बनकर टीम को सपोर्ट करने के लिए उत्साहित हूँ, और कभी-कभी हॉस्पिटैलिटी में समय बिताना भी बुरा नहीं होगा। परिवार, दोस्तों, टीम के साथियों, फ़ैन्स... मैं आप सभी से प्यार करता हूँ।

भारतीय क्रिकेट टीम के श्रीलंका दौरे का कार्यक्रम हुआ जारी

एजेंसी

गॉल और कोलंबो में होगी स्पिन की कड़ी परीक्षा

भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों के लिए अच्छी खबर सामने आई है। भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड ने श्रीलंका दौरे के लिए दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला का पूरा कार्यक्रम जारी कर दिया है। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 के तहत होने वाली यह श्रृंखला दोनों टीमों के लिए बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

खास बात यह है कि भारतीय टीम लगभग नौ साल बाद श्रीलंका की धरती पर टेस्ट क्रिकेट खेलने उतरेगी। भारत और श्रीलंका के बीच अगस्त 2026 में होने वाली दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला का ऐलान हो गया है, जो विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 के लिहाज से बेहद अहम है। नौ साल बाद श्रीलंका की धरती पर होने वाले इस मुकाबले में जहां

भारत अपना शानदार रिकॉर्ड बरकरार रखना चाहेगा, वहीं श्रीलंकाई टीम घरेलू परिस्थितियों का फायदा उठाने की पूरी कोशिश करेगी। बता दें कि श्रृंखला का पहला टेस्ट मुकाबला 15 अगस्त से 19 अगस्त तक गॉल में खेला जाएगा। इसके बाद दूसरा और अंतिम टेस्ट 23 अगस्त से 27 अगस्त तक कोलंबो के सिंहली खेल क्लब मैदान में आयोजित होगा। दोनों मुकाबलों के नतीजे विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका पर सीधा असर डालेंगे, इसलिए दोनों टीमों के लिए हर मैच काफी अहम रहने वाला है। मौजूद जानकारी के अनुसार भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड और श्रीलंका क्रिकेट के बीच इस दौरे में सीमित ओवरों के कुछ मुकाबले जोड़ने पर भी चर्चा हुई थी। हालांकि दोनों क्रिकेट बोर्ड की ओर से जारी आधिकारिक कार्यक्रम में केवल दो टेस्ट मैचों का ही उल्लेख किया गया है।

ऐसे में फिलहाल इस दौरे पर किसी एकदिवसीय या टी-20 मुकाबले की पुष्टि नहीं हुई है। गौरतलब है कि भारत ने आखिरी बार वर्ष 2017 में श्रीलंका का टेस्ट दौरा किया था। उस समय भारतीय टीम की कप्तानी विराट कोहली कर रहे थे। टीम में शिखर धवन और केएल राहुल सलामी बल्लेबाज की भूमिका निभा रहे थे, जबकि हार्दिक पांड्या टेस्ट क्रिकेट में एक तेज गेंदबाजी हरफनमौला खिलाड़ी के रूप में टीम का हिस्सा थे। बाद में पीठ की चोटों की वजह से हार्दिक पांड्या ने लाल गेंद के प्रारूप से दूरी बना ली थी।

पिछले नौ वर्षों में भारतीय टेस्ट क्रिकेट में काफी बदलाव देखने को मिले हैं। उस समय की टीम के अधिकांश खिलाड़ी अब अंतरराष्ट्रीय टेस्ट क्रिकेट से बाहर हो चुके हैं या संन्यास ले चुके हैं। मौजूदा समय में 2017 के श्रीलंका दौरे वाली टीम से केवल केएल राहुल और कुलदीप यादव ही ऐसे खिलाड़ी हैं जो अभी भी भारतीय टेस्ट टीम की योजनाओं का हिस्सा माने जाते हैं। बता दें कि भारत ने 2017 के उस दौरे पर शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन मैचों की श्रृंखला 3-0 से अपने नाम की थी। भारतीय बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों ने उस दौरे पर शानदार खेल दिखाया था। अब एक बार फिर टीम के सामने श्रीलंका की स्पिन अनुकूल परिस्थितियों में खुद को साबित करने की चुनौती होगी। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के मौजूदा चक्र में भारत अच्छी शुरुआत करना चाहेगा। भारतीय टीम इससे पहले कई बार फाइनल तक पहुंच चुकी है, लेकिन अब तक खिताब जीतने में सफल नहीं हो सकी है। ऐसे में हर मुकाबला और हर अंक टीम के लिए काफी महत्वपूर्ण रहेगा।

दूसरी ओर श्रीलंका भी अपने घरेलू मैदान का पूरा फायदा उठाने की कोशिश करेगा। गॉल और कोलंबो की पिचें पारंपरिक रूप से स्पिन गेंदबाजों के लिए मददगार मानी जाती हैं। इसलिए भारतीय बल्लेबाजों की तकनीक और धैर्य की भी इस दौरे पर कड़ी परीक्षा होने वाली है।

हरदीप सिंह ने बताया कब मिलेगी महंगाई से राहत

एजेंसी

नई दिल्ली। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में आम आदमी को राहत मिलने में अभी और वक्त लग सकता है। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने संकेत दिया है कि यदि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें स्थिर बनी रहती हैं, तो उपभोक्ताओं को ईंधन की कीमतों में कमी का अनुभव करने में दो से तीन महीने लग सकते हैं। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी के अनुसार, पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कमी के लिए 2-3 महीने लग सकते हैं, बशर्ते अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम स्थिर बने रहें। सरकार वैश्विक बाजार की अस्थिरता और भू-राजनीतिक तनावों के कारण किसी भी बड़े बदलाव से पहले स्थिति के सामान्य होने का इंतजार कर रही है। हरदीप पुरी ने कहा कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में आई कमी का असर पेट्रोल पंपों पर दिखने में कुछ समय लगता है। उन्होंने कहा, 'यह (कच्चे तेल की कीमतों में कमी) अब तक केवल एक अस्थायी स्थिति रही है। यदि यह स्थिति बनी रहती है, तो हमें उम्मीद है कि दो से तीन महीने में यह ईंधन की कीमतों में भी दिखेगी।' पुरी ने यह टिप्पणी एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान की, जब उनसे पूछा गया कि क्या वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट का फायदा उपभोक्ताओं को कब मिलेगा। ईंधन की कीमतों पर भू-राजनीतिक तनाव का असर हाल के महीनों में, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव देखा गया है, जिसका मुख्य कारण भू-राजनीतिक तनाव और आपूर्ति संबंधी चिंताएं रही हैं। मध्य पूर्व में जारी संघर्षों और अन्य वैश्विक घटनाओं ने तेल की आपूर्ति श्रृंखला को प्रभावित किया है, जिससे कीमतों में अस्थिरता आई

अमेरिका के स्वतंत्रता दिवस के जश्न में डूबीं प्रियंका

शेयर किया खुशी मनाने का वीडियो

एजेंसी

मुंबई। अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा अपनी अपकमिंग फिल्म 'वाराणसी' को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी पोस्ट के जरिए अमेरिका के 4 जुलाई के जश्न से पहले माहौल को दिखाया है। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर देर रात का एक वीडियो शेयर किया। इसमें उनके घर से रात के समय आसमान में आतिशबाजी की रोशनी दिखाई दे रही है। प्रियंका चोपड़ा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर जो वीडियो शेयर की है उसमें देखा जा सकता है कि उनके घर के बाहर रंग-बिरंगी आतिशबाजी दिखाई दे रही है। इससे एक शांत माहौल बन रहा है। सोशल मीडिया पर इस पल को शेयर करते हुए प्रियंका ने पोस्ट के साथ कैप्शन में लिखा, 'बिस्तर से 4 जुलाई की बधाई।' आपको बता दें कि 4 जुलाई को अमेरिका में स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता है। प्रियंका चोपड़ा का अमेरिका से जुड़ाव उनके बचपन से ही है। भारत लौटने से पहले उन्होंने वहां कई साल बिताए। उस दौरान, उन्होंने मैसाचुसेट्स, आयोवा और न्यूयॉर्क के स्कूलों में पढ़ाई की। इन अनुभवों ने उन्हें कम उम्र में ही एक अलग संस्कृति से परिचित कराया।

अमेरिकी सिंगर से की शादी: भारत लौटने के बाद, प्रियंका ने बॉलीवुड में शानदार करियर बनाया और देश के प्रमुख स्टार्स में से एक के तौर पर अपनी पहचान बनाई। कई वर्षों बाद, उन्होंने हॉलीवुड में मौके तलाशने का फैसला किया। प्रियंका चोपड़ा ने अमेरिकी सिंगर निक जोनास से शादी की है। वह अपने पति निक जोनास और बेटी मालती मैरी के साथ अमेरिका में रहती हैं। काम की बात करें तो, वह लंबे समय के बाद एसएस राजामौली की एपिक फिल्म 'वाराणसी' से इंडियन सिनेमा में वापसी करेंगी।

आज हमेशा के लिए एक दूसरे के हो जाएंगे आमिर खान और गौरी

एजेंसी

मुंबई। बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट अपनी पर्सनल जिंदगी में एक नया और खूबसूरत अध्याय शुरू करने के लिए तैयार हैं। सुपरस्टार आमिर खान रविवार, 5 जुलाई 2026 को अपनी लंबे समय की पार्टनर और ब्यूटी एंड वेलनेस एंटरप्रेन्योर गौरी स्प्रैट से शादी करने जा रहे हैं। शादी की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं और उनके घर को इस खास दिन के लिए सजाया-संवारा जा रहा है, जिसकी कुछ तस्वीरें और वीडियो भी सामने आया है। आमिर खान अपनी निजी जिंदगी को बहुत निजी रखने के लिए जाने जाते हैं, इसलिए उन्होंने और उनकी गर्लफ्रेंड गौरी स्प्रैट ने पारंपरिक, बड़े बॉलीवुड समारोह के बजाय घर पर ही एक शानदार, सादे तरीके से रजिस्ट्री के जरिए शादी करने का फैसला किया है। इस बड़े दिन से पहले, मुंबई में एक्टर का आलीशान घर खुशी भरे जश्न का केंद्र बन गया है। पाली हिल की शांत गलियां उत्सव के जोश से भरी हुई हैं। आमिर के घर की बालकनियों और खिड़कियों को खूबसूरत फेयरी लाइट्स से सजाया गया है, जो शाम को घर को रोशन करेंगी। टेंट लगाने वाले और डेकोरेटर जगह का लेआउट तय करने के लिए आ गए हैं। मेहमानों की चुनिंदा लिस्ट के हिसाब से कुर्सियां घ्और शानदार सजावट का सामान घर में लाया जा रहा है। सितारे जमीन पर के एक्टर ने खुशी-खुशी और मुस्कुराते हुए अपनी शादी की योजनाओं की पुष्टि की। उन्होंने मीडिया को बताया-हाँ, मैं 5 जुलाई को शादी कर रहा हूँ। यह बहुत ही निजी शादी होगी और हम इसे घर पर ही कर रहे हैं। यह एक छोटा सा समारोह होगा जिसमें सिर्फ हमारे परिवार वाले और कुछ करीबी दोस्त शामिल होंगे। हम इसे सादगी से मना रहे हैं और घर पर ही जश्न होगा। हम सभी का आशीर्वाद चाहेंगे।

एक दीवार पर दो आस्थाएं, प्यार की अनोखी मिसाल बनीं सोनाक्षी सिन्हा

घर पर दिखाई गायत्री मंत्र और कलमा की अनोखी झलक

एजेंसी

मुंबई। सोनाक्षी सिन्हा की शादी हमेशा से ही कंट्रोवर्सी का हिस्सा रही है। ऐसा इस वजह से क्योंकि वो सोनाक्षी हिन्दू हैं और उनके पति मुस्लिम है। हाल ही में सोनाक्षी सिन्हा ने सोशल मीडिया पर कुछ ऐसा पोस्ट किया है कि वो प्यार की मिसाल बन गई हैं। उन्होंने पोस्ट कर के अपने घर की पेंटिंग सबके साथ शेयर की है और इस पेंटिंग की खास बात यह है कि इसमें गायत्री मंत्र और कलमा दोनों ही है। यह तस्वीर उनको गिफ्ट मिली है और सोनाक्षी ने इससे जुड़ा एक किस्सा भी शेयर किया है। सोनाक्षी ने अपने सोशल मीडिया पर अकाउंट पर अपने पति संग कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। जिसमें उन्होंने खास तौर पर उस पेंटिंग को दर्शाया है। सोनाक्षी सिन्हा के लिए यह पैंटिंग इसलिए खास है क्योंकि इसमें गायत्री मंत्र और कलमा का संगम है। इसी के साथ उन्होंने इस तस्वीर के साथ एक बहुत बड़ा नोट लिखकर एक किस्सा भी शेयर किया है। सोनाक्षी ने लिखा कि- जब हमारी शादी हो रही थी, तो पंडित जी गायत्री मंत्र का जाप कर रहे थे और उसी समय अजान की आवाज हमारे घर तक पहुंची। उन दोनों प्रार्थनाओं की शक्ति ने ही हमारे घर को आज इतना खुशहाल बनाया है! एक दिन जब हम ऑस्ट्रेलिया में छुट्टियां मना रहे थे, तो सुभिका शर्मा का अचानक फोन आया। उन्होंने कहा कि वह हमें हमारी शादी के लिए एक पेंटिंग गिफ्ट करना चाहती हैं... लेकिन जब उन्होंने बताया कि वह क्या देना चाहती हैं, तो ऐसा लगा मानो उन्हें हमारे दिल की बात पता चल गई हो। उन्होंने कहा कि पेंटिंग में हमारी दोनों तरह की मान्यताओं और उनके प्यार व सकारात्मकता के साथ तालमेल बिठाने की कहानी दिखनी चाहिए। फिर उन्होंने मुझे आर्टिस्ट आदिला बेदी से मिलवाया, जो बहुत टैलेंटेड हैं। वह हमारे घर आए, हमारी सोच और भावनाओं को समझा और उन्हें कैनवस पर बहुत ही खूबसूरती से उतारा... और आप इसे ईश्वर का चमत्कार कह सकते हैं कि जब हम एलए में थे, तो उन्होंने मुझसे संपर्क कियाकृबिना यह जाने कि हम वहां हैं,और बताया कि पेंटिंग तैयार है। तो यह खूबसूरत आर्टवर्क, जिसमें गायत्री मंत्र और

मातृभूमि को नहीं मिली मंजूरी, सलमान की टीम ने अफवाहों को किया खारिज

एजेंसी

मुंबई। बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान की आगामी फिल्म 'मातृभूमि: मे वॉर रेस्ट इन पीस' को लेकर पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया और मीडिया गलियारों में कई तरह की अफवाहें उड़ रही थीं। इन रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा था कि फिल्म को सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन यानी सेंसर बोर्ड से मंजूरी मिलने में बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

अब इन सभी अटकलों पर विराम लगाते हुए सलमान खान की प्रोडक्शन कंपनी 'सलमान खान फिल्म्स' ने एक आधिकारिक बयान जारी कर सच्चाई सामने रखी है। अपने ऑफ़िशियल सोशल मीडिया हैंडल पर जारी एक बयान में प्रोडक्शन कंपनी ने इन आरोपों को खारिज किया है। उन्होंने कहा कि फ़िल्म को सर्टिफ़िकेशन के लिए CBFC के पास भेजा ही नहीं गया है, इसलिए ये सभी आरोप पूरी तरह बेबुनियाद हैं। अपने ऑफ़िशियल सोशल मीडिया हैंडल पर जारी एक बयान में प्रोडक्शन कंपनी ने इन आरोपों को खारिज किया है। उन्होंने कहा कि फ़िल्म को सर्टिफ़िकेशन के लिए CBFC के पास भेजा ही नहीं गया है, इसलिए ये सभी आरोप पूरी तरह बेबुनियाद हैं। बयान में कहा गया, 'ऐसे सभी दावे गलत हैं जिनमें कहा गया है कि 'मातृभूमि: मे वॉर रेस्ट इन पीस' को CBFC से जुड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

वीर हिरानी ने 14 साल की उम्र में बनाई थी शॉर्ट फिल्म

एजेंसी

मुंबई। राजकुमार हिरानी की बहुप्रतीक्षित ओटीटी सीरीज प्रीतम एंड पेड्रो हाल ही में जियोहॉटस्टार पर रिलीज हुई है। कॉमेडी, इमोशन और साइबर क्राइम से भरपूर इस सीरीज को दर्शकों और क्रिटिक्स दोनों से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। कहानी के साथ-साथ कलाकारों के प्रदर्शन की भी जमकर सराहना हो रही है। खासकर डेब्यू कर रहे वीर हिरानी ने अपने किरदार 'प्रीतम' से दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है।

ओटीटी में कदम रखने से पहले ही वीर हिरानी ने अभिनय की दुनिया में अपनी पहचान बनानी शुरू कर दी थी। उन्होंने मशहूर थिएटर डायरेक्टर फिरोज अब्बास खान के नाटक लेटर्स ऑफ सुरेश में 'सुरेश' का किरदार निभाकर काफी तारीफ बटोरी थी। मंच पर उनकी परफॉर्मेंस ने यह साबित कर दिया था कि वह अभिनय को लेकर गंभीर और समर्पित हैं। बहुत कम लोगों को यह बात पता है कि वीर हिरानी ने बेहद कम उम्र में निर्देशन की दुनिया में भी कदम रख दिया था। सिर्फ 14 साल की उम्र में उन्होंने रिटर्न गिफ्ट नाम की शॉर्ट फिल्म बनाई थी। इस फिल्म का चयन इंटरनेशनल चिल्ड्रन्स फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया (आईसीएफएफआई) के 'लिटिल डायरेक्टर्स' सेक्शन में हुआ था, जो उनके टैलेंट की शुरुआती पहचान मानी जाती है। 'प्रीतम एंड पेड्रो' में वीर हिरानी ने एक ऐसे हैकर का किरदार निभाया है जो तकनीकी रूप से बेहद समझदार है, लेकिन सामाजिक रूप से थोड़ा झिझकने वाला है। उनके इस किरदार को दर्शकों ने काफी पसंद किया है। उनकी सादगी, कॉमिक टाइमिंग और इमोशनल गहराई को भी सराहा जा रहा है। थिएटर, निर्देशन और

इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में मिला था चयन

अब एक्टिंग तीनों मोर्चों पर वीर हिरानी ने अपने हुनर का परिचय दिया है।

कम उम्र में निर्देशन की शुरुआत और अब ओटीटी डेब्यू के साथ उन्होंने यह संकेत दे दिया है कि वह इंडस्ट्री में लंबी रेस के खिलाड़ी साबित हो सकते हैं। इस सीरीज में वीर हिरानी के साथ अरशद वारसी, विक्रांत मैसी और बोमन ईरानी जैसे दिग्गज कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं। सीरीज का निर्देशन अविनाश अरुण ने किया है, जबकि इसे राजकुमार हिरानी ने क्रिएट और प्रोड्यूस किया है। यह उनकी पहली ओटीटी पेशकश भी है।'प्रीतम एंड पेड्रो' फिलहाल जियोहॉटस्टार पर स्ट्रीम की जा रही है और दर्शकों के बीच लगातार चर्चा में बनी हुई है।

संगीत सुनाते हुए मरीजों की सर्जरी का अनूठा प्रयोग

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज और उससे जुड़े लोकनायक अस्पताल के डॉक्टरों ने सर्जरी के दौरान मरीज को धीमी आवाज में मधुर संगीत सुनने का अनूठा प्रयोग किया। रिजल्ट चौंकाने वाले रहे।

डॉक्टरों ने पाया कि सर्जरी के दौरान मरीज को हेडफोन लगाकर बांसुरी, पियानो इत्यादि की धीमी मधुर संगीत सुनने से बेहोशी की दवाओं की डोज 15 फीसदी तक कम हो सकती है। स्टडी से जुड़े डॉक्टरों ने बताया कि यह अध्ययन म्युजिक और मेडिसिन जर्नल में प्रकाशित भी हुआ है। मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज (एमएएमसी) और उससे जुड़े लोकनायक अस्पताल के डॉक्टरों ने सर्जरी के दौरान मरीज को हेडफोन लगाकर बांसुरी, पियानो इत्यादि की धीमी मधुर संगीत सुनने का अनूठा प्रयोग किया। रिजल्ट जानकार चौंक जाएंगे। लैप्रोस्कोपी से गॉल ब्लैडर की सर्जरी के दौरान मधुर संगीत सुनाने को लेकर किए गए अध्ययन में मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज (एमएएमसी) और उससे जुड़े लोकनायक अस्पताल के डॉक्टरों ने पाया कि इस अनूठे प्रयोग से सर्जरी के दौरान मरीज का तनाव कम रहता है। एमएएमसी के एनेस्थीसिया विभाग की निदेशक प्रोफेसर निदेशक प्रोफेसर डॉ. सोनिया वधावन के दिशा निर्देशन में डॉ. तनवी गोयल ने मार्च 2023 से जनवरी 2024 के बीच यह शोध किया।

रोज पिएं केले के तने का जूस, मिलेंगे कमाल के फायदे

एजेंसी

केले के तने का जूस भारतीय पारंपरिक चिकित्सा में एक महत्वपूर्ण नेचुरल रेमेडी माना जाता है। यह जूस हाई फाइबर, पोटैशियम, विटामिन ब्6 और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है जो वजन नियंत्रित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आज के समय में लोग डिटॉक्स ड्रिंक्स की ओर काफी आकर्षित हो रहे हैं और इनमें केले के तने का जूस एक बेहतरीन विकल्प बनकर उभर रहा है।

केले के तने का जूस एक प्राकृतिक डिटॉक्स ड्रिंक है जो पाचन सुधारने और वजन कम करने में मदद कर सकता है। सर्दियों में यह शरीर को हल्का और एनर्जेटिक बनाए रखने में भी फायदेमंद है। सर्दियों में पाचन अक्सर धीमा हो जाता है जिससे ब्लोटिंग, गैस और वजन बढ़ने की समस्या शुरू होती है। ऐसे में यह जूस शरीर को डिटॉक्स करने के साथ-साथ पाचन क्रिया को सक्रिय बनाए रखता है। इसका सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह बहुत कम कैलोरी में शरीर को हाई न्यूट्रिशन प्रदान करता है जिससे वजन कम करने की प्रक्रिया स्वाभाविक रूप से तेज होती है।

केले के तने के जूस के फायदे

- **हाई फाइबर से भूख कंट्रोल होती है:** इस जूस में घुलनशील फाइबर होता है जो लंबे समय तक पेट भरा हुआ महसूस कराता है। इससे अनावश्यक स्नैकिंग और ओवरईटिंग की आदत कम हो जाती है।
- **प्राकृतिक डिटॉक्स एजेंट:** केले के तने का जूस किडनी को अच्छे से साफ करता है और शरीर से टॉक्सिन्स निकालता है। जैसे-जैसे शरीर डिटॉक्स होता है, मेटाबॉलिज्म बेहतर होता जाता है।
- **ब्लोटिंग और सूजन कम करता है:** एंटी-इन्फ्लेमेटरी गुण पेट की सूजन और गैस को कम करते हैं जिससे पेट की चर्बी घटती हुई दिखाई दे सकती है।
- **ब्लड शुगर को बैलेंस करता है:** फाइबर शुगर के अवशोषण को धीमा करता है जिससे मीठा खाने की क्रेविंग कम होती है। यह वजन प्रबंधन में सहायक है।
- **लो कैलोरी, हाई न्यूट्रिशन ड्रिंक:** यह जूस बिना कैलोरी बढ़ाए शरीर को आवश्यक पोषण देता है जिसे सुबह खाली पेट लेना अधिक लाभकारी माना जाता है।

घी-पनीर खाकर ऋचा खरब ने घटाया 47 किलो वजन

एजेंसी

मोटापा से हर कोई परेशान है और इससे लोगों को शर्मिंदगी भी खूब होती है। ऐसा सबकुछ ऋचा खरब ने भी झेला लेकिन आज वह फिटनेस की दुनिया का बड़ा नाम बन चुकी हैं। ऋचा ने बचपन से मोटे होने के ताने, कपड़े फिट न होना सबकुछ झेला। उन्होंने जिम ज्वॉइन कर ली, ये सोचकर की जिम जाने से वजन पर नियंत्रण पाया जा सकता है। जिम में उनकी मुलाकात सुमित से हुई, जिन्होंने बताया कि वजन कम करना आपकी डायट पर निर्भर करता है, जिम सिर्फ स्ट्रेंथ देता है।

फिर क्या था ऋचा ने कड़ी मेहनत की और 95 से 47 किलो वजन कम कर लिया। आज ऋचा लोगों के लिए प्रेरणास्रोत बन चुकी हैं। ऋचा खरब ने बताया कि बाकि बच्चों की तुलना में उनका वजन बचपन से ही काफी ज्यादा रहा। इस वजह से स्कूल में बच्चे, रिश्तेदार, सोसायटी के लोग उन्हें चिढ़ाते या फिर ताने मार देते थे। वजन कंट्रोल करने के लिए ऋचा ने कई डायट प्लान चुनें और कई महंगे सप्लीमेंट्स या ड्रिंक्स पिएं लेकिन किसी से खास रिजल्ट नहीं मिला। बल्कि उन्हें हाइपोथायरॉइड बीमारी हो गई और ऐसे में वजन कम करना और भी मुश्किल हो गया।

ठंड में वाइल्डलाइफ का असली मजा, भारत के टॉप सफारी डेस्टिनेशंस

एजेंसी

भारत विविध वन्यजीवों और विशाल संरक्षित जंगलों से भरपूर देश है। सर्दियों का मौसम भारत में जंगल सफारी का सबसे उत्तम समय माना जाता है। इस दौरान जंगलों की खूबसूरती कई गुना बढ़ जाती है- धुंध से ढके रास्ते, गर्म धूप की हल्की परत और साफ वातावरण सफारी को अविस्मरणीय अनुभव में बदल देते हैं। इसके अलावा ठंड में वन्यजीव भी अधिक सक्रिय रहते हैं और टाइगर व अन्य जानवरों के दिखने की संभावना काफी बढ़ जाती है।

भारत में कई अद्भुत जंगल सफारी डेस्टिनेशन्स हैं जो विंटर सीजन में अपनी खूबसूरती और रोमांच से यात्रियों को आकर्षित करते हैं। ठंड का मौसम भारत में जंगल सफारी के लिए सबसे अनुकूल माना जाता है। इस दौरान मौसम सुहावना, दृश्यता बेहतर और जानवर अधिक सक्रिय रहते हैं। इसलिए यह समय वाइल्डलाइफ प्रेमियों के लिए सबसे बेहतरीन है।

जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क (उत्तराखंड)

भारत का सबसे पुराना नेशनल पार्क जहां बाघ देखने की संभावना सबसे ज्यादा मानी जाती है। सर्दियों में धुंध भरी सुबहें और घने जंगल का मिश्रण सफारी को और रोमांचक बनाता है। यहां हाथी, हिरण, घड़ियाल और 600+ पक्षी प्रजातियां भी देखी जा सकती हैं।

रणथंभौर नेशनल पार्क (राजस्थान)

अपने रॉयल बंगाल टाइगर और ऐतिहासिक किले के लिए विश्व प्रसिद्ध। सर्दियों में तापमान बेहद आरामदायक रहता है जिससे ओपन जीप सफारी का मजा दोगुना हो जाता है। यहां तेंदुआ, स्लॉथ बियर और सांभर भी देखने को मिलते हैं।

कान्हा नेशनल पार्क (मध्यप्रदेश)

भारत का सबसे सुंदर सल जंगलों में से एक। बैगा ट्राइब की संस्कृति और हिरणों की विशेष बारासिंघा प्रजाति इसके मुख्य आकर्षण हैं। विंटर में यहां की हरियाली और वनस्पति अपने चरम पर होती हैं।

गिर नेशनल पार्क (गुजरात)

एशियाई शेरों का एकमात्र प्राकृतिक घर। ठंड के मौसम में शेर अक्सर धूप सेंकते नजर आते हैं जिससे दृश्यता बढ़ जाती है। पक्षी प्रेमियों के लिए भी यह जगह सर्दियों में बेहद खास बन जाती है।

काजीरंगा नेशनल पार्क (असम)

एक-सींग वाले भारतीय गैंडे के लिए यूनिस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइट के रूप में प्रसिद्ध।

विंटर सीजन में सफारी का अनुभव साफ मौसम और खुली घासभूमि के कारण और बेहतर हो जाता है। यहां वाइल्ड वॉटर बफेलो और एलीफेंट सफारी का भी मजा लिया जा सकता है।